किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 55 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 04 दिसम्बर 2025 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

राजनाथ सिंह और रूसी रक्षा मंत्री के बीच गुरुवार को होगी अहम बातचीत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आगामी गुरुवार को नई दिल्ली में रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोउसॉव से मुलाकात करेंगे। यह बैठक भारत और रूस के बीच बढ़ते रक्षा और रणनीतिक सहयोग के बीच हो रही है और हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय संवादों की श्रृंखला का हिस्सा है।

यह वार्ता उस समय हो रही है जब रूस की संसद, स्टेट डूमा, ने भारत और रूस के बीच हुए महत्वपूर्ण सैन्य लॉजिस्टिक्स समझौते- 'रिक्रिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' को मंजूरी दे दी है। यह समझौता 18 फरवरी को हस्ताक्षरित हुआ था और रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन की सरकार की ओर से हाल ही में इसे संसद में अनुमोदन के लिए भेजा गया था। स्टेट डूमा के स्पीकर व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा कि यह मंजूरी भारत-रूस संबंधों की "रणनीतिक और व्यापक" प्रकृति को दशार्ती है।

मेहर, गहने और गिफ्ट... तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को सब वापस मिलेगा, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने रौशनआरा बेगम बनाम एस.के. सलाहउद्दीन केस में मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मेहर, गहने, कैश व तोहफे वापस पाने का कानूनी अधिकार दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसा करने से उसे कोई रोक नहीं सकता. यह सबकुछ उस महिला का है और उसे मिलना चाहिए.

मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों और गरिमा को सुनिश्चित करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मील का पत्थर साबित होने वाला फैसला सुनाया. शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से मेहर, शादी के समय मिले सोने के गहने, कैश और अन्य सभी तोहफे वापस पाने की कानूनी हकदार है. कोर्ट ने कहा कि शादी के वक्त या उसके बाद मिले ये सभी सामान महिला की 'निजी संपत्ति' माने जाएंगे, और तलाक होने पर पति को इन्हें लौटाना ही होगा. जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए न केवल कानून की व्याख्या की, बल्कि समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच पर भी तीखी टिप्पणी की.

यह मामला रौशनआरा बेगम बनाम एस.के. सलाहउद्दीन से जुड़ा है. दोनों की शादी साल 2005 में हुई थी. शादी के वक्त लड़की के परिवार ने लड़के पक्ष को काफी दहेज, सोना और नकद राशि दी थी. हालांकि, आपसी मनमुटाव के चलते 2011 में इनका तलाक हो गया. तलाक के बाद महिला ने 'मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986' की धारा 3 के तहत अदालत का दरवाजा खटखटाया. महिला ने दावा किया कि उसके पूर्व पति के पास उसका 30 भरी (तोल) सोना, करीब 17.67 लाख रुपये कैश और अन्य सामान है, जिसे वापस किया जाना चाहिए. निचली अदालत ने महिला के पक्ष में फैसला सुनाया था, लेकिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस दावे को खारिज कर दिया था. हाईकोर्ट का तर्क था कि इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि शादी के समय दिए गए उपहार सीधे दूल्हे को दिए गए थे या दुल्हन को. हाईकोर्ट ने तकनीकी आधार पर महिला की याचिका को खारिज कर दिया था.

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए उसे ह्यकानून के उद्देश्य को समझने में विफल' (Missed the goal-post) करार दिया. जस्टिस संजय करोल ने फैसले में लिखा, हाईकोर्ट ने इस मामले को एक सामान्य दीवानी विवाद की तरह देखा, जबकि यह महिला की गरिमा और उसके जीवन के अधिकार से जुड़ा मामला था. छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में आज भी महिलाओं के खिलाफ पितृसत्तात्मक भेदभाव आम बात है. ऐसे में अदालतों को कानून की व्याख्या इस तरह करनी चाहिए जो महिलाओं को न्याय दिला सके, न कि उन्हें तकनीकी पेंच में फंसाए."

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला 1986 के अधिनियम की धारा 3(1)(f) की 'उद्देश्यपरक व्याख्या' पर आधारित है. यह धारा कहती है कि एक तलाकशुदा महिला उन सभी संपत्तियों को वापस पाने की हकदार है जो उसे शादी के समय, पहले या बाद में मिली हों. चाहे वे उसके रिश्तेदारों, दोस्तों या पति के रिश्तेदारों ने दी हों. कोर्ट ने साफ किया कि भले ही शादी के समय कोई सामान या कैश पति के हाथ में दिया गया हो, लेकिन कानूनन वह संपत्ति पत्नी की ही मानी जाएगी. पति उसे अपने पास नहीं रख सकता.

'ठेले पर उठाई फिर कार में भर ले गए मिसाइल'

मॉस्कोः रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ना ही राजनेता है और ना ही किसी ऐसे फैमिली बैकग्राउंड से आते हैं. वो असल में रूस के खुफिया एजेंट थे और वहीं से डायरेक्टली देश के राष्ट्रपति बन गए. रूस की जिस खुफिया एजेंसी KGB से पुतिन आते हैं, उसने दुनिया भर में कई खौफनाक मिशन को अंजाम दिया है. जिसमें से एक है अमेरिका की 'मिसाइल चोरी', ये मिशन सुनने में जितना खतरनाक लग रहा है, इसका एग्जीक्यूशन उतना ही मजेदार है. ये लगभग फनी है क्योंकि इसमें एक भारी भरकम मिसाइस चोरी करके ठेले और मसीर्डीज बेंज से ले जाई गई थी.

क्या था वो मिशन?

शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ और अमेरिका के बीच जबरदस्त तनातनी चल रही थी. ये वही दौर था जब रूसी खुफिया एजेंसी KGB ने कई खतरनाक मिशन्स को अंजाम दिया था. कनाडाई वेबसाइट यूरेशियन टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबित KGB ने पश्चिमी देशों की गोपनीय सैन्य तकनीक हासिल करने के लिए कई बड़े मिशन चलाए थे, जिसमें से एक अमेरिकी AIM-9 साइडवाइंडर मिसाइल की चोरी भी था.

जर्मन नागरिकों ने ही की थी मदद

रिपोर्ट के मुताबिक 22 अक्टूबर 1967 को KGB एजेंटों ने पश्चिमी जर्मनी के एक सैन्य अड्डे से एक ऑपरेशनल AIM-9 साइडवाइंडर इन्फ्रारेड होमिंग एयर-टू-एयर मिसाइल चुपके से उठा ली थी. इस चोरी के पीछे जर्मनी के अत्याचारों से तंग आ चुके जर्मन लोग ही थी. इनमें मैनफ्रेड रैमिंगर (जर्मन आर्किटेक्ट), जोसेफ लिनोव्स्की (पोलिश ड्राइवर) और वुल्फ-डाइटहार्ड क्नोपे (जर्मन सैन्य पायलट) थे. यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक किसी हॉलीवुड फिल्म के सीन की तरह घने कोहरे का फायदा उठाकर तीनों ने क्नोपे के बेस सिक्योरिटी पास घुस गए और शाम के वक्त न्यूबर्ग एयर बेस में प्रवेश किया.

बहल में करोड़ों की विकास परियोजनाओं का आगाज जल्दः जेपी दलाल ने किया शिलान्यास का ऐलान

चार एकड़ में अत्याधुनिक बस अड्डा, 10 एकड़ में लुवास पशु विज्ञान केंद्र का निर्माण जल्द शुरू, सलेमपुर में वीटा चिलिंग प्लांट का उद्घाटन भी निकट भविष्य में

दैनिक समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल (03 दिसम्बर) पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने लोहारू विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की तेजी से शुरूआत का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की कोई भी परियोजना लंबित नहीं रहेगी और करोड़ों रुपए की योजनाओं का शीघ्र शिलान्यास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सलेमपुर में 5 करोड़ की लागत से निर्मित वीटा चिलिंग प्लांट का उद्घाटन जल्द होगा। वहीं, बहल में चार एकड़ में 12.22 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक बस अड्डा और 10 एकड़ में 10 करोड़ रुपए की लागत से लुवास पशु विज्ञान केंद्र का निर्माण जल्द शुरू होगा। ये परियोजनाएं क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं और पशुपालन को बढ़ावा देंगी।

मुख्य हाइलाइट

- *बहल में आधुनिक बस अड्डा और पशु विज्ञान केंद्र का निर्माण जल्द*
- *सलेमपुर में वीटा चिलिंग प्लांट का उद्घाटन नजदीक*
- *जेपी दलाल ने कहाः विकास कार्यों में कोई देरी नहीं होगी*

पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने बुधवार को बहल और आसपास के कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने विवाह समारोहों में नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया और गांवों में शोक व्यक्त किया। इस दौरान कई गणमान्य नागरिक, जिला पार्षद, पूर्व सरपंच और पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

उन्होंने अधिकारियों और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से संपर्क कर लुवास पशु विज्ञान केंद्र और बस अड्डे के निर्माण को शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया। जेपी दलाल ने कहा, "भारत देश तेज गति से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।"

प्रेमिका का अबॉर्शन कर प्रेमी हुआ फरार, अब पीड़िता को मिल रही धमकी

-दवाई के माध्यम से प्रेमी पहले भी कई बार करा चुका पीड़िता का गर्भपात

-शादी का झांसा देकर करीब ढाई वर्षो से लोनी में रह रहा था प्रेमीका संग

समाज जागरण

लोनी, 3 दिसंबरः थाना अंकुर विहार अंतर्गत खन्ना नगर में नर्सिंग होम में एक युवती के 5 माह का गर्भपात किए जाने का मामला प्रकाश में आया था. अबॉर्शन के दौरान डॉक्टरी खामियों के चलते गंभीर हालत से जूझ रही पीड़िता ने घटना के मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायत की है।

मामले में खबर संकलन के बाद अब आगे की प्रक्रिया पर प्रकाश डालना भी जरूरी हो जाता है. इसके अंतर्गत अब फरार हुए प्रेमी के परिजनों द्वारा पीड़िता को कोई कार्रवाई न करने की धमकी दी जा रही है।

उक्त गंभीर प्रकरण को लेकर पीड़िता से हुई बातचीत में उसने बताया कि लगभग ढाई वर्ष पूर्व है उसकी मुलाकात दानिश नामक युवक से मेरठ में हुई थी, जो मुझे शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर यहां ले आया था, और लगभग ढाई वर्षो से उसके संग रह रही थी। इसी दौरान गर्भवती हो जाने पर दानिश पहले भी कई बार दवाई के द्वारा मेरा गर्भपात करा चुका था। मगर इस बार जब मैं पांच माह की गर्भवती हो गई तो उसने एक बार फिर मुझे अबॉर्शन कराने के लिए मजबूर किया।विरोध करने पर उसने मेरे साथ गाली गलौज और मारपीट की, और आखिर खन्ना नगर स्थित साइन बाबा नर्सिंग होम लेजाकर मेरा अबॉर्शन करा दिया। जहां डॉक्टर के नाम पर किसी अयोग्य नर्स द्वारा किया गया अबॉर्शन ठीक नहीं होने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पीड़िता का कहना है कि अबॉर्शन के बाद उसकी हालत खराब हो जाने से जब वह उक्त अस्पताल में पहुंचती तो वहां प्रबंधन ऑपरेशन करने की बात से ही साफ मुकर गया. जो उनकी कार्य प्रणाली को संदिग्ध बनता है। उल्लेखनीय है कि उक्त मामले में पीड़िता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र देकर, इंसाफ ना मिलने पर आत्महत्या करने की धमकी दी थी। पीड़िता का कहना है कि वह इस मामले में पुलिस महकमे का दरवाजा खटखटाएगी. और इंसाफ न मिलने की सूरत में आत्महत्या को मजबूर होगी जिसकी समस्या जिम्मेदारी फरार प्रेमी दानिश उसके परिजनों एवं श्री साइ बाबा अस्पताल के डॉक्टर/स्वामी की होगी। समाचार लिखे जाने तक उक्त गंभीर प्रकरण में पीड़िता का मुकदमा पंजीकृत नहीं हो सका था।

भू राजस्व के भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी में विभाग

समाज जागरण,संवाददाताः वेद प्रकाश

पटना/ बिहार - उपमुख्यमंत्री एवं राजस्व व भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय कार्य प्रणाली में सुधार और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कार्यों की पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित की जाएगी।

विभागीय उच्चस्तरीय अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में दाखिल-खारिज, परिमार्जन प्लस, शिकायत प्रबंधन प्रणाली, भूमि सर्वेक्षण और भू-लगान भुगतान जैसी मुख्य प्रक्रियाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दाखिलझखारिज मामलों की तिथिवार प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन तैयार की जाए, ताकि अंचलाधिकारी से लेकर प्रमंडलीय आयुक्त स्तर तक कार्य की स्थिति स्पष्ट हो।

उन्होंने कहा कि विभागीय

अधिकारियों की ग्रेडिंग जल्द की जाएगी। यह ग्रेडिंग उनके कामकाज, समयबद्धता, पारदर्शिता और जनता को दी जा रही सेवाओं के आधार पर होगी। जो अधिकारी समय पर कार्य नहीं करेंगे, उनकी ग्रेडिंग प्रभावित होगी और उन पर कार्रवाई की जा सकती है।

भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता अपनाते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि विभाग में भ्रष्ट कर्मचारियों के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ उनकी संपत्ति की जांच भी की जाएगी।

इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री ने उड़नदस्ता टीम गठित करने के निर्देश दिए, जो अचानक अंचल कार्यालयों का निरीक्षण करेगी। भूमि सर्वेक्षण कार्यों में तेजी लाने के लिए उन्होंने फील्ड में जाकर जनता की शिकायतें सुनने पर जोर दिया।

विजय सिन्हा ने घोषणा की कि वे 15 दिसंबर से जिलों का दौरा शुरू करेंगे, जिसमें राजस्व कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उनकी यात्रा की शुरूआत लखीसराय जिले से होगी। उन्होंने विभागीय दस्तावेजों और प्रक्रियाओं में सरल एवं जन-सुलभ भाषा के प्रयोग पर भी जोर दिया, ताकि जनता विभाग पर भरोसा कर सके और शिकायतें कम हों।

अंचल कार्यालयों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया गया है। प्रत्येक कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम, पदनाम और संपर्क नंबर सहित सूचना पट लगाया जाएगा। सभी सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के लिए मुख्यालय में केंद्रीय कमांड और कंट्रोल सिस्टम स्थापित किया जाएगा।

शादी के दूसरे ही दिन दुल्हन जेवरात लेकर प्रेमी संग हुई फरार

दैनिक समाज जागरण।संवादाता

विष्णुगढ़।विष्णुगढ़ का युवक बड़ी ख्वाहिशों के साथ ब्याह कर दुल्हन लेकर घर आया।दूसरे दिन रस्म के तहत दुल्हन अपने मायका दारु गई।वहां से ससुराल आने के बजाय अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई।साथ में शादी मिला जेवर ले गई।बताते है दारू प्रखंड के चिरुवाँ निवासी गोविंद साव अपनी पुत्री पिंकी की शादी 25 नवंबर को बड़े धूम धाम से विष्णुगढ़ प्रखंड के चेडरा निवासी अमित कुमार(काल्पनिक नाम)से किया था। शादी

के दूसरे दिन बाहरोता के लिए लड़का अपनी दुल्हन को लेकर लड़की के मायके चिरुवाँ पहुंचा। जहां से पिंकी अपने घरवालों को दुकान जाने के बहाने से घर से निकली।वापिस लौट कर नहीं आई।मायके वालों ने खोजबीन शुरू की।पता चला पिंकी अपनी प्रेमी के साथ फरार हो गई।जिसे लेकर लड़के के भाई ने दारू थाना में आवेदन दे कर बताया कि पिंकी अपने साथ जेवरात भी लेकर चली गई।वही लड़की के पिता ने भी दारू थाना में आवेदन दे कर चिरुवाँ निवासी प्रहलाद कुमार पिता इंद्रजीत साव के ऊपर लड़की को बहला फुसलाकर भागाने का आरोप लगाया है।

संचार साथी ऐप पूरी तरह सुरक्षितः ज्योतिरादित्य सिंधिया

लोकसभा में बुधवार को संचार सुरक्षा और बढ़ते डिजिटल खतरों को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूरसंचार आज दुनिया से भारत को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है और इसके 100 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोगों को डिजिटल अपराधों और दुरुपयोग से सुरक्षित रखे।

भारतीय नौसेना दिवस : समुद्री सीमाओं के प्रहरी

- महेन्द्र तिवारी

हर वर्ष 4 दिसंबर को भारत में नौसेना दिवस मनाया जाता है, और यह अवसर केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि उन गहराइयों तक झांकने का निमंत्रण भी है जहाँ भारतीय नौसेना के जवान और अधिकारी अपने अदृश्य संघर्षों के साथ देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं। स्थलीय सेनाओं का पराक्रम अक्सर हमारे सामने दृश्य रूप में उपस्थित रहता है, पर समुद्र के अनंत विस्तार में चौकसी करते नाविकों की कहानी प्रायः अनसुनी रह जाती है। नौसेना दिवस हमें उसी मौन पराक्रम की याद दिलाता है, जो बिना शोर किए, बिना रोशनी की मांग किए, राष्ट्र की संप्रभुता का कवच बनकर खड़ा है।

4 दिसंबर की तारीख भारतीय सैन्य इतिहास में विशेष महत्व रखती है क्योंकि यह 1971 के भारत-पाक युद्ध की उस निर्णायक रात की स्मृति है, जब भारतीय नौसेना ने दुनिया को चौंका देने वाला पराक्रम दिखाया। "ऑपरेशन ट्राइडेंट" के नाम से प्रसिद्ध यह हमला केवल सामरिक कुशलता का उदाहरण नहीं था, बल्कि यह इस बात का प्रमाण भी था कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ निश्चय और योजनाबद्ध युद्धक चातुर्य के बल पर बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किया जा सकता है। मिसाइल बोटों से सुसज्जित भारतीय नौसैनिकों ने कराची बंदरगाह पर ऐसा प्रहार किया कि पाकिस्तान की समुद्री युद्ध क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई, कई जहाज नष्ट हुए, और भारतीय पक्ष को एक भी जहाज के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। विश्व के युद्ध इतिहास में इतनी स्वच्छ, सटीक और प्रभावी नौसैनिक कार्रवाई के उदाहरण विरले ही मिलते हैं। इसी गौरव के कारण 4 दिसंबर को नौसेना दिवस चुना गया ताकि देश यह न भूले कि समुद्र की लहरों पर भी भारत का शौर्य उतना ही प्रखर है जितना भूमि सीमाओं पर।

भारतीय नौसेना केवल युद्धकाल में ही नहीं, शांति के समय भी राष्ट्र के लिए अनिवार्य भूमिका निभाती है। भारत की समुद्री सीमा हजारों किलोमीटर तक फैली है और इसके साथ विशाल आर्थिक क्षेत्र भी जुड़ा है, जिसकी सुरक्षा सीधे-सीधे आर्थिक स्थिरता से संबंध रखती है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग हिंद महासागर से होकर गुजरते हैं–तेल, गैस, खाद्यान्न, और असंख्य प्रकार की आवश्यक वस्तुएँ इसी जलमार्ग के सहारे भारत तक पहुँचती हैं।

इन मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने का भार नौसेना के कंधों पर है, और समुद्री डकैती, तस्करी तथा गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। हर वर्ष नौसैनिक युद्धपोत हजारों किलोमीटर की समुद्री गश्त करते हैं और अनेक ऐसी घटनाओं को रोकते हैं जो समाचारों तक भी नहीं पहुँचतीं, लेकिन देश की सुरक्षा को स्थिर बनाए रखने में निर्णायक साबित होती हैं। मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन भी नौसेना की पहचान का अभिन्न हिस्सा है। सुनामी हो, चक्रवात या किसी जहाज दुर्घटना की विकट रात–भारतीय नौसेना हमेशा अग्रिम पंक्ति में दिखाई देती है। अपने पड़ोसी देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार और मोजाम्बिक में भी जब-जब संकट आया, भारतीय नौसेना ने बिना किसी राजनीतिक लाभ की अपेक्षा के, मानवता के आधार पर सहायता पहुँचाई। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में भारत को "नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर" कहा जाने लगा है–एक ऐसा देश जिसका समुद्री प्रभाव भय पर नहीं, बल्कि भरोसे पर आधारित है।

आज नौसेना दिवस के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि भारतीय नौसेना तेजी से स्वदेशीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। आईएनएस विक्रांत–पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत–राष्ट्र की तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। आधुनिक विध्वंसक, फ्रिगेट, पनडुब्बियाँ और गश्ती जहाज भारतीय शिपयार्ड में बन रहे हैं, और डिजाइन से निर्माण तक, भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भूमिका पहले से कहीं अधिक निर्णायक है। यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार और राष्ट्रीय आत्मगौरव का भी प्रतीक है। जब कोई युवा किसी स्वदेशी युद्धपोत को देखता है, तो उसके सामने केवल एक जहाज नहीं, बल्कि देश के परिश्रम, बुद्धि और जिजीविषा की साकार तस्वीर खड़ी होती है।

नौसेना दिवस मनाते समय उन सैनिकों के निजी संघर्षों को भी समझना जरूरी है जो समुद्र में महीनों तक तैनात रहते हैं। अनिश्चित मौसम, तूफानी लहरें, सीमित जगह और निरंतर तकनीकी सतर्कता के बीच उनका हर दिन एक चुनौती होता है। वे जिन जहाजों या पनडुब्बियों पर रहते हैं, वे अपने आप में एक चलती-फिरती दुनिया होती हैं, जहाँ अनुशासन और टीमवर्क ही जीवन का आधार है। इन वीरों के परिवार भी एक विशेष प्रकार की सीमा पर तैनात रहते हैं–इंतजार की सीमा पर। उनका धैर्य, उनका साहस और उनका मौन त्याग भी उतना ही सम्माननीय है जितना किसी सैनिक की वर्दी। ऐसे समय में नौसेना दिवस का सामाजिक संदेश और भी व्यापक हो जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि समुद्री सुरक्षा केवल नौसेना या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में इस विषय पर अधिक संवाद हो, ताकि युवा समझ सकें कि नौसेना केवल युद्ध का माध्यम नहीं, बल्कि तकनीकी, वैज्ञानिक और रणनीतिक करियर की एक रोमांचक और प्रतिष्ठित राह भी है। भारत सदियों से समुद्री सभ्यता, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र रहा है; आज जब देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक उभरती शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, समुद्री कूटनीति और सामरिक साझेदारी पहले से अधिक महत्व रखती है।

अंततः नौसेना दिवस तीन शब्दों का उत्सव है–आभार, गर्व और संकल्प। आभार उन वीरों के प्रति जो समंदर की अनिश्चितता से जूझते हुए हमारी सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं; गर्व इस पर कि भारतीय नौसेना आज विश्व की प्रमुख नौसेनाओं में शुमार है; और संकल्प इस बात का कि एक नागरिक के रूप में हम समुद्री शक्ति के महत्व को समझें, आत्मनिर्भर भारत के सपने को मजबूती दें, और समुद्र को केवल संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में देखें। 4 दिसंबर की शुभकामनाएँ देते समय यह स्मृति अवश्य रहे कि यह दिवस उन अदृश्य प्रहरियों का सम्मान है, जो चौबीसों घंटे हमारे लिए लहरों से संवाद करते रहते हैं।

स्वाधीनता के संघर्ष, स्वाभिमान से उपजी भारत की एकता और अखंडता राष्ट्र सर्वोपरि।

भारत की स्वतंत्रता अनगिनत बलिदानों, त्याग, तप और संघर्ष की अमूल्य विरासत है। लगभग आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद, जब विदेशी शासन की दासता से मुक्त होने के लिए लाखों भारतीयों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमें स्वतंत्रता का वह अमृत प्राप्त हुआ जिसे हम आज खुले आकाश के नीचे निरंतर सांस लेते हुए अनुभव करते हैं। यह स्वतंत्रता केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान, साहस और एकता की अनुपम साधना का परिणाम है। इसलिए यह हमारा पवित्र दायित्व है कि हम इस स्वतंत्रता को, इस अखंडता को और इस राष्ट्रीय आत्मा को अनंतकाल तक अक्षुण्ण बनाए रखें। राष्ट्र की एकता केवल संविधान के पन्नों या शासन की व्यवस्था से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि नागरिकों की चेतना, परस्पर सम्मान, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति की अंतर्मन की प्रतिज्ञा से निर्मित होती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता का स्वरूप और अधिक मजबूत हुआ, परंतु आज दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक मंसूबों, स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों और विचारधारात्मक विभाजन ने समाज में संप्रदाय, भाषा, जाति और क्षेत्र के नाम पर दरारें पैदा करने का प्रयास किया है। मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारा-चर्च, हिंदी-अंग्रेजी-उर्दू-पंजाबी-तेलुगु-असमी जैसे विवाद हमारे हृदय में ऐसे ही घाव हैं जो राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। वस्तुतः राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए हमें सांप्रदायिक विद्वेष, ईर्ष्या, भाषाई और सीमाई विवादों से ऊपर उठकर सामाजिक सौहार्द, मानवीय गरिमा और राष्ट्र की समग्रता को प्राथमिकता देनी होगी, तभी हम विकास की मुख्यधारा में सार्थक योगदान दे पाएंगे।

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि "भारत विश्व का एकमात्र राष्ट्र है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारों का सहअस्तित्व सर्वधर्मसमभाव के अद्वितीय स्वरूप में विद्यमान है।" यह कथन भारत के आध्यात्मिक और सामाजिक चरित्र का आदर्श प्रतिबिंब है। परंतु वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति, सद्भावना और किसी भी राष्ट्र की अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरा है। कभी अमेरिका, तो कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक राज्यों में आतंकवाद ने अपनी विभीषिका से भारी जनहानि और संपत्ति विनाश का अंधकार फैलाया है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्र की परंपरागत एकता और अखंडता को विखंडित करने का निरंतर प्रयास किया है। कुछ राजनीतिक शक्तियों ने वोट बैंक की राजनीति में उलझकर अलगाववाद और साम्प्रदायिकता का बीजारोपण किया है–कभी अल्पसंख्यकों के नाम पर विभाजन, कभी जाति और आरक्षण के नाम पर भ्रम और विद्वेष की स्थापना कर समाज को बांटने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास किया है। यह राजनीति का सबसे निंदनीय और चिंतनीय स्वरूप है, जिस पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को गंभीरता से सोचने की आवश्यकता है। वास्तविकता यह है कि सामान्य सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य सभी वर्ग अत्यंत सौहार्द, सद्भावना और भाईचारे में विश्वास रखते हैं। परंतु स्वार्थी तत्व इन संबंधों को तोड़कर समाज को संघर्ष और अविश्वास की आग में धकेल देते हैं। राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने की जिम्मेदारी मात्र राजनेताओं या प्रशासन पर नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से है। हमें यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि राष्ट्र सर्वोपरि है–धर्म, जाति, भाषा, प्रदेश या दल से बढ़कर। यदि हम इतिहास के पन्नों को देखें तो अनेक आक्रमणों, विदेशी शासन और सांस्कृतिक संघर्षों के पश्चात भी भारत की मूल अस्मिता बार-बार सशक्त होकर उभरी है। यहाँ अनेकों जातियाँ और समुदाय आए, उन्होंने अपनी परंपराएँ, भाषाएँ और संस्कृति साथ लाई, पर समय के साथ वे भारत की मुख्य धारा में समाहित होकर इसी मिट्टी का अभिन्न अंग बन गये। यही भारत की सांस्कृतिक एकरूपता का वैश्विक चमत्कार है, जिसकी शक्ति आज भी अक्षुण्ण है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अपने कर्म, विचार और संकल्प से भारत की अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव को विश्व पटल पर और अधिक सुदृढ़ स्थापित करें। राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि तभी संभव है जब संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकार, कलाकार, युवा शक्ति और प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक अपने दायित्व को समझते हुए देश को सर्वोपरि रखें और विघटनकारी शक्तियों के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े हों। इतिहास गवाह है कि जब भी भारत एकता के सूत्र में बंधा, वह विश्व में शक्ति बनकर उभरा; और जब भी विभाजित हुआ, वह कमजोर और असहाय सिद्ध हुआ। अतः यह हमारा पुनीत कर्तव्य है कि हम अपने राष्ट्र की अस्मिता को किसी भी मूल्य पर खंडित न होने दें। हम सबको आज उसी भावना से उठना होगा, जिससे-

"भारत केवल भूमि का टुकड़ा नहीं, वह हमारी आत्मा है, हमारी संस्कृति है, हमारा गौरव है।"

आइए आज संकल्प लें–हम एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक पहचान और एक संकल्प के साथ भारत की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता को अनंत काल तक बनाए रखेंगे। राष्ट्र सर्वोपरि–हम सबका प्रथम धर्म।

संजीव ठाकुर स्तंभकार , चिंतक , लेखक
वरिष्ठ पत्रकार,रायपुर, छत्तीसगढ़,
9009 415 415,

राजभवन बनाम लोकभवन की संस्कृति

मृत्युंजय दीक्षित

केंद्र सरकार ने भारत के सभी राजभवनों को लोकभवन कहे जाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई अवसरों पर गुलामी के प्रतीकों को समाप्त करने का संदेश दे चुके हैं, स्वाभाविक है इससे गहन रूप से घर कर गई वैचारिक गुलामी की मानसिकता भी धीरे- धीरे समाप्त हो जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि पर नव निर्मित दिव्य - भव्य मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आगामी 10वर्षों तक गुलामी की मानसिकता को समाप्त रकने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इसी श्रृंखला में देश में शासन के प्रतीकों में शांत किंतु गहन व व्यापक प्रभाव डालने वाले परिवर्तन किए जा रहे हैं । सनातन हिंदू सभ्यता में नामों का विशेष महत्व है । माना जाता है कि व्यक्ति का जैसा नाम होगा उसका प्रभाव व व्यक्तित्व भी उसी प्रकार होगा। उपनिवेशकालीन शाही ठिकानों की छवि लिए राजभवनों को अब लोकभवन नाम दिया गया है। राजभवन का नामकरण लोकभवन करने का तात्पर्य है उसे लोकहितकारी बनाना। इस परिवर्तन का उद्देश्य यह भी है कि इन भवनों में निवास करने वालों को स्मरण रहे कि उनका काम शक्ति प्रदर्शन नहीं अपितु जनसेवा है।

मोदी सरकार ने इसके पूर्व भी कई स्थानों के नाम बदले हैं जैसे राजपथ अब कर्तव्यपथ है। राजपथ का अर्थ है ह्नराजा का मार्गह्व जो शक्ति का प्रतीक है, वहीं कर्तव्य पथ, कर्तव्य का स्मरण कराता है। वर्ष 2016 में रेस कोर्स का नाम परिवर्तित करके इसको लोक कल्याण मार्ग किया गया। अब प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर को सेवातीर्थ नाम दिया गया है । यह नाम बताता है कि प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा और समर्पण की भावना का केंद्र है न कि मात्र प्रशासनिक केंद्र। इसी प्रकार केंद्रीय सचिवालय का नाम भी बदला गया है और उसे अब कर्तव्य भवन कहा जाता है।

नाम परिवर्तन का उददेश्य है विचारों में परिवर्तन लाना। सभी सरकारी संस्थाएं अब सेवा और कर्तव्य की भाषा बोल रही हैं। गुजरात लोकभवन ने सोशल मीडिया में अपने चित्र साझा करते हुए लिखा है, " यह परिवर्तन केवल नाम का नहीं अपितु जनसेवा की भावना को और गहराई से आत्मसात करने का संकल्प है।" अब यह भवन केवल राज्यपाल का निवास नहीं नागरिकों, विद्यार्थियों , किसानों, शोधकताओं तथा सामाजिक संगठनों का भवन है।

कई राज्यों के राज्यपालों ने राजभवन का नामकरण लोकभवन करने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों को दी है। एक समय था जब राजभवनों का उपयोग केंद्र सरकार द्वारा राज्यों की सत्ता में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए किया जाता था। नेहरू काल से लेकर वर्ष 2014 के पूर्व तक 94 बार राज्यपालों की शक्तियों का दुरुपयोग करके राज्य सरकारें गिराई गयीं और राष्ट्रपति शासन लगाया गया। 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचे के पतन के बाद उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के साथ साथ अन्य सभी भाजपा शासित राज्यों की सरकारों को तत्काल प्रभाव से गिराकर राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था । तमिलनाडु में आज जो द्रमुक सरकार कांग्रेस के साथ सत्ता का सुख भोग रही है, कांग्रेस पार्टी पूर्व में उनकी सरकारों को भी गिरा चुकी है। कांग्रेस के एक राज्यपाल नारायण दत्त तिवारी राजभवन में अशोभनीय स्थिति में रहने के कारण वहां से बेदखल किए गए थे

यद्यपि अब समय बदल रहा है, राजभवन लोक भवन बन रहे हैं तथापि पंजाब, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में घोर भाजपा विरोधी सरकारें हैं जिनका अपने राज्यपालों के साथ विवाद चलता रहता है ।अभी हाल ही में इन राज्यों में राज्यपालों के साथ लंबित विधेयकों का प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया था।

वर्ष 2014 के पूर्व तक राजभवनों मे निवास करने वाले राज्यपाल की पहुंच जनता तक नहीं होती थी किंतु अब यह संभव हो गया है। बंगाल के हालात बहुत दयनीय हैं और कई बार वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई हैं, केरल और तमिलनाडु की स्थिति भी अच्छी नहीं है किंतु राज्यपालों ने अत्यंत संयमित रूप से कार्य किया है। राज्यपालों ने जनता के मध्य जाकर परिस्थितियों पर नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ हों या फिर वर्तमान राज्यपाल सी.वी. बोस दोनों ही आवश्यकता के समय नागरिकों के बीच पहुंचे हैं । उतर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की सक्रियता भी अद्भुत है राज्य सरकार और केंद्र सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाने का कोई भी अवसर उनसे नहीं चूकता ।

"नाम में क्या रखा है", कहने वाले लोग इस प्रयास का उपहास कर सकते हैं, राजभवन बनाम लोक भवन पर व्यापक वाद विवाद भी संभव हो सकता है किंतु जो परिवर्तन लोक भवन बने राजभवन में दिख रहा है उसकी प्रशंसा तो करनी ही होगी ।

प्रेम विवाहिताओ को एसआईआर मे नहीं मिल रहा उनके मायके का साथ।

मनोज वाल्मीकि

मात-पिता व भाई बहन के स्वाभिमान, सम्मान और पवित्र रिश्ते नातो को ठोकर मार कर हमेशा हमेशा के लिए प्रेमियों संघ प्रेम विवाह कर अपनी दुनिया बसा लेने वाली युवतियों महिलाओं के लिए एसआईआर का सर्वे होने से एक बार फिर उनके सामने बड़ी समस्या आ खड़ी हुई है। परिवार रिश्तेदार समाज के लोग सर्वे में प्रेम विवाहिताओ का सहयोग करने से स्पष्ट इनकार कर रहे हैं। प्रेम विवाहिताओ के वोटो को लेकर बीएलओ की सांसे भी अटक रही है और उन्हें इस समस्या के भंवर से पार होने की कोई उम्मीद की किरण भी उन्हें नजर नहीं आ रही है, और ना ही कोई रास्ता दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से लव जेहादियो के जाल में फंसकर शादी कर लेने वाली यूवती और महिलाओं के लिए तो वास्तव में कभी ना सुलझने वाली जटिल समस्या सामने आ खड़ी हुई है। जबकि वोटर आईडी हर किसी के लिए बनवाना अनिवार्य है, जो भारतीय नागरिकता का एक मात्र प्रमाण है। यदि यह वोटर आईडी नहीं बन पाई तो उसे तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यानी प्रदेश सरकार के निर्देश पर सभी जिला मुख्यालय पर बनाए गए डीटेंशन केंद्रो मैं कैदी बन कर तब तक रहना पड़ेगा जब तक उसकी शिनाख्त ना हो जाऐ कि वे भारतीय है या नही। राष्ट्रीय चुनाव आयोग के एसआईआर के कड़े फरमान से जहां देश प्रदेश और क्षेत्र का आम मतदाता 2003 की वोटर सूची में नाम आने को लेकर दहशत में है पुरुष और महिलाऐ बीएलओ से अपना फार्म भरवाने में जन्मतिथि, आधार संख्या, मोबाइल नंबर, माता पिता अभिभावक की ईपीआईसी संख्या (आदि उपलब्ध) का डाटा भर कर जमा कर रहे हैं और हाथो हाथ ऑनलाइन कर रहे हैं ताकि उनका वोटर आईडी बन सके। हालांकि बीएलओ चुनाव आयोग के दिशा निदेशों का पालन करते हुए एक-एक मतदाता के घर जाकर उनका फॉर्म भर ऑनलाइन कर रहे हैं। फिर भी न जाने क्यों आम मतदाता परेशान हो रहा है जबकि परेशानी का कोई भी कारण नहीं है। हां परेशानी का सबब उनको है जो मुस्लिम यूवक दिल्ली, महाराष्ट्र, गोवा, अहमदाबाद, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा बिहार लखनऊ बरेली आदि स्थानों पर नौकरी या मजदूरी करने जाते हैं उनमें से अधिकतर लव जिहाद का चोला ओढे रहते हैं, और वह अपने हाथों में कलावा बांधकर पहले उनकी दुकानो और प्रतिष्ठानों पर नौकरी करते हैं फिर बाद में लव जिहाद का खेल खेलना शुरू करते हुऐ आहिस्ता आहिस्ता हिंदू परिवारों की पढ़ी-लिखी युवतियो व महिलाओं को अपने आपको हिंदू होने को गुमराह करके अपने प्रेम जाल में फंसा लेने और हसीन सपने दिखा कर उसे शादी करने के लिए विवश कर अपने साथ भगा कर अपने घर ले आते हैं। ऐसा नहीं है के हिंदू परिवारों के नौजवान भी अपने समुदाय के अलावा मुस्लिम परिवारों की युवतियो को अपने प्रेम जाल में फंसा कर भाग ले जाते हैं और उससे शादी रचा लेते है। इन्हीं प्रेम विवाह रचाने वाले विवाहिताओ के लिए एसआईआर फॉर्म भरने के लिए उनके माता पिता अभिभावक को का ईपीआईसी की समस्याएं जटिल बनी हुई है अब वह अपने माता-पिता की ईपीआईसी किससे ले किससे ना ले उनके माता-पिता तो कोई सा भी कागजात उन्हें देने को तैयार नहीं है बल्कि स्पष्ट बोल दिया कि तुम हमारे लिए मरी समान हो हमारा तुम्हारा माता पिता का कोई संबंध नहीं है। अब वह जाए तो कहां जाए अब उनके सामने अपने किए पर पछताने के अलावा कुछ और नहीं बचा है। जबकि वह अपने आपको अपमान का घूंट पी कर जिन मात पिता और भाई बहनों को ठुकराते हुए घर छोड़ कर चली आई थी आज चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर ने उन्हें मात पिता की याद दिल दी है। क्योंकि मात पिता की ईपीआईसी बगैर प्रेम विवाह रचाने वाली विवाहिताओ का एसआईआर यानी की भारत की नागरिकता का मिलने वाला प्रमाण वोटर आईडी बनने वाले नहीं है। जितनी परेशान प्रेम विवाहिताऐ हैं उतने ही बीएलओ भी है क्योंकि चुनाव आयोग और भारत सरकार का यही कहना है कि भारत का कोई भी वोटर आईडी बनने से ना रह जाए। बीएलओ महोदय प्रेम विवाह बंधनों मे बदी विवाहिताओं पर अपने माता-पिता की ईपीआईसी वह अन्य डॉक्यूमेंट लाने का बराबर दबाव बना रहे हैं लेकिन बार-बार कहने पर भी वह मुहैया नहीं करा पा रही हैं। जो बीएलओ और स्वयं प्रेम विवाहिताओ के लिए मुसीबत बनी हुई है जिसका कोई समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। यदि प्रेम विवाहिताओं की इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो फिर उनका क्या होगा।न क्या उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर बनाऐ गये डिटेंशन केंद्रो जो एक तरह से जेल का ही प्रारूप है क्या उन्हें वहां जाना व रहना पड़ेगा वह भी जब तक उसकी पहचान ना हो जाए कि यह भारतीय है। यही डिटेंशन केंद्र प्रेम विवाहिता के लिए गले की हड्डी बन गया है।

लेखक
मनोज वाल्मीकि नगीना
96 39 87 1289

पुतिन की भारत यात्रा – यूं ही नहीं आया भाई!

दुनिया में कहीं भी भूचाल आ जाए, युद्ध छिड़ जाए या तेल के दाम बदल जाएं – एक आदमी है जो बिल्कुल परेशान नहीं होता। हाँ, वही–व्लादिमीर पुतिन! और अब जब दुनिया के बड़े-बड़े नेता उनकी ओर "अरे रहने दो भाई!" वाली नजर से देख रहे हैं, तभी पुतिन जनाब ने फैसला कर लिया – "चलो इंडिया घूम आते हैं!"

वैसे भारत उनके लिए कोई नया देश नहीं। यहाँ आने के बाद चाय, डोसा, बिरयानी और स्वागत की राजनीति का कॉम्बो पैक मिलता है। ऊपर से फोटो खिंचवाने का मौका अलग। इस बार भी जब पुतिन भारत उतरे तो ऐसा लग रहा था जैसे कह रहे हों– "मैं आया हूँ, अब अमेरिका का मूड खराब होगा!" भारत सरकार ने भी पूरा सम्मान दिया। रेड कार्पेट, गार्ड ऑफ ऑनर, हाथ जोड़कर मुस्कान और मीडिया की फ्लैश – सब तैयार। अब भारत में स्वागत तो ऐसा ही होता है कि अगर कोई दुश्मन भी आए, तो लौटते वक्त कम से कम दोस्त तो नहीं, पर कन्फ्यूज जरूर हो जाए।

बैठक में पुतिन और भारतीय प्रतिनिधियों की बातचीत भी कम मजेदार नहीं रही होगी।

पुतिनः "तो भाई, S-400 पसंद आया?"
भारतः "हाँ, और चाहिए... EMI पर मिल जाए?"
पुतिनः "तेल खरीदोगे?"
भारतः "डिस्काउंट में ही लेंगे!"
पुतिन (मुस्कुराते हुए): "डील पक्की!"

उधर अमेरिका और यूरोपीय दोस्त टीवी पर देखकर सोच रहे होंगे –
"ये क्या हो रहा है? वो तो दुनिया से नाराज घूम रहा था और यहाँ इंडिया में वीआईपी बना बैठा है!"

सोशल मीडिया पर लोग दो टीमों में बंट गए:

टीम-1: "पुतिन जी आए हैं, भारत-रूस दोस्ती ज़िंदाबाद!"
टीम-2: "अरे भाई, ये तो अगला वायरल रील कंटेंट है – #PudinaWithPutin"

इस यात्रा का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि इंटरनेशनल पॉलिटिक्स में भारत ने फिर साबित कर दिया–
"हम न तो पूरी तरह रूस के हैं, न अमेरिका के... हम तो बस अपने फायदे के हैं!"

आखिर में, पुतिन मुस्कुराते हुए जा रहे थे। शायद सोच रहे थे–
"दुनिया चाहे जितना बोले, इंडिया आता हूँ तो अच्छा लगता है... यहाँ कम से कम कोई ये नहीं कहता कि मैं डरावना हूँ – यहाँ लोग कहते हैं, 'बॉस, सेल कब लगेगी?'"

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विश्व दिव्यांगता दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुकेश शुक्ला को राज्य पुरस्कार से सम्मानित

समाज जागरण

लखनऊ, 03 दिसंबर 2025: विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने हेतु एक भव्य एवं गरिमामय समारोह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाग लिया और ह्रदिव्यंगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिह्व की श्रेणी में राज्य पुरस्कार मुकेश शुक्ला, अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक भारत उत्तर प्रदेश, को प्रदान किया।

मुकेश शुक्ला को यह सम्मान प्रदेशभर में दिव्यांगजनों के लिए किए गए उनके उल्लेखनीय सेवा कार्यों, स्पेशल ओलंपिक भारत–उत्तर प्रदेश के माध्यम से लाखों दिव्यांगजनों को खेल, कला, स्वास्थ्य, रोजगार और सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करने तथा सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के बहुआयामी प्रयासों के लिए दिया गया।

इस अवसर पर मुकेश शुक्ला ने कहा, "हम माननीय मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमारे कार्य को पहचान दी। यह पुरस्कार हमें अपने प्रयासों के विस्तार और दिव्यांगजनों के लिए निरंतर समर्पित रहने का और अधिक

संकल्प प्रदान करता है। देश में रहने वाले दस प्रतिशत दिव्यांग जनों की सक्रिय भागीदारी के बिना विकसित भारत का सपना अधूरा है। अंतिम पंक्ति में खड़े दिव्यांग व्यक्तियों को सामर्थ्य और अवसर देना अत्यंत आवश्यक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह एक दिव्यांग व्यक्ति का हाथ थामकर उसे साथ लेकर चले। साथ ही, प्रत्येक संस्था को प्रतिवर्ष दिव्यांगता के क्षेत्र में एक ठोस कार्य का संकल्प लेना चाहिए, ताकि आने वाले वर्षों में दिव्यांगजन और अधिक सशक्त व आत्मनिर्भर बन सकें।

इस अवसर पर मुकेश शुक्ला ने अपने पुरस्कार को अपने माता-पिता, मल्लिका नड्डा (अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक भारत) और सभी दिव्यांगजनों को समर्पित किया, जिन्होंने उन्हें सेवा का मार्ग दिखाया और निरंतर प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक सामाजिक कार्य करने की ऊर्जा प्रदान करेगा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद मेरठ खंडः स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का De-Novo प्रकाशन

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 - जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने जनपद के सभी नागरिकों को जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का De-Novo पुनरीक्षण कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संपन्न किया गया है।

उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य का प्रकाशन दिनांक 02-12-2025 को जनपद में स्थित सभी मतदान केन्द्रों पर किया गया। जिन अर्ह नागरिकों (स्नातक/शिक्षक) के नाम नामावली में उपलब्ध नहीं हैं, वे दिनांक 02-12-2025 से 16-12-2025 के दौरान अपने संबंधित मतदान केंद्र पर तैनात पदनामित एवं अतिरिक्त पदनामित अधिकारियों को आवेदन/आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि फार्म-18 (स्नातक) और फार्म-19 (शिक्षक) का उपयोग नए पंजीकरण के लिए किया जाएगा। विद्यमान निर्वाचक नामावली में प्रस्तावित नाम हटाने या सुधार/निवास स्थानांतरण के लिए प्रारूप-7 और प्रारूप-8 निःशुल्क उपलब्ध हैं।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को अर्हता तिथि 01-11-2025 के तीन वर्ष पूर्व स्नातक होना आवश्यक है। फार्म-18 के साथ डिग्री/डिप्लोमा/मार्कशीट की प्रमाणित छायाप्रति और निवास प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य है।

खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकरण हेतु आवेदक को राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त माध्यमिक स्तर से उपर वाले शिक्षण संस्थान में कम से कम तीन वर्ष शिक्षक कार्य किया होना चाहिए। फार्म-19 के साथ आवेदक को निवास प्रमाण संलग्न करना होगा।

जिलाधिकारी ने जनसामान्य से अपील की है कि इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्वाचक नामावली में नाम पंजीकरण एवं पुनरीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करें। मतदेय स्थलवार आलेख्य, नियुक्त पदनामित अधिकारियों की सूची एवं अन्य विवरण जनपदीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला रजिस्ट्रेशन एवं अल्ट्रासाउंड समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 - जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आज जिला रजिस्ट्रेशन एवं अल्ट्रासाउंड समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केन्द्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण और कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने समिति को जिले में संचालित अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और हाल ही में किए गए निरीक्षणों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अस्पताल और अल्ट्रासाउंड केन्द्र निर्धारित नियमों और पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि समिति द्वारा सभी आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बादः 08 अल्ट्रासाउंड केन्द्रों के नवीनीकरण, 01 नए अल्ट्रासाउंड केन्द्र, 50-बेड के 02 नए अस्पतालों, 04 अस्पतालों के नवीनीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, एसीएमओ डॉ. चंदन सोनी और पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारीगण सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

सर्दी व कुहरे के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा के उपायों पर जिला प्रशासन की एडवाइजरी

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 झ मौसम बदलते ही जनपद में घना कोहरा और सर्दी शुरू हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी मेधा रूपम और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार कुशल के निर्देशन में जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुवेर्दी ने सर्दी व कुहरे के दौरान सड़क सुरक्षा उपायों पर विशेष एडवाइजरी जारी की।

जिला आपदा विशेषज्ञ ने वाहन चालकों को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए:

फॉग लैम्प सही स्थिति में रखें; यदि कार में नहीं हैं तो इंस्टॉल करवाएं।
विंडशील्ड साफ करने के लिए वाइपर और डीफॉगर का सही उपयोग करें।
टायर का प्रेशर सही रखें, अधिक हवा या कम न रखें।
सर्दी में अचानक ब्रेक लगाने पर स्किडिंग का खतरा रहता है; गति नियंत्रित रखें।
इमरजेंसी इंडिकेटर के बजाय हेडलाइट का उपयोग करें।
इंजन को स्टार्ट करने के बाद 5 मिनट तक गर्म होने दें, खासकर डीजल इंजन में।
बैटरी की जांच करें और यदि कार डेली उपयोग में नहीं है, तो हर 3 दिन में 5-6 किलोमीटर चलाएं।
एंटी-फॉगिंग एलिमेंट, सिलिका जेल या चावल की पोटली का उपयोग करें।
भाप हटाने के लिए एसी का उपयोग करें; हीटर पर निर्भर न रहें।
वाहन में रेडियम रिफ्लेक्टर/स्टीकर लगवाएं।
दो-पहिया वाहन चालकों के लिए विशेष निदेर्शः
हेल्मेट पहनें।
हेडलाइट व इंडिकेटर सही रखें।
आगे और पीछे प्लेट व वाइजर पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाएं।
मोड़ पर वाहन धीमा करके दोनों तरफ देखकर मुड़ें।

पर्याप्त ऊनी और गर्म कपड़े पहनें।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि ये सुरक्षा उपाय अपनाकर सर्दी व कुहरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचाव सुनिश्चित करें।

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

समेकित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सिनेमा/मल्टीप्लेक्स के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 - सहायक आयुक्त राज्य कर/प्रभार मनोरंजन कर, गौतम बुद्ध नगर ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा समेकित प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश में सिनेमा और मल्टीप्लेक्स के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित हैं।

मुख्य योजनाएं निम्नलिखित हैंः बंद या घाटे में चल रहे सिनेमाघरों का नवीनीकरण और व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण - योजना लागू होने की तिथि से 5 वर्ष के भीतर निर्माण पूर्ण कर जिला मजिस्ट्रेट से लाइसेंस प्राप्त कर फिल्म प्रदर्शन प्रारंभ करना होगा। पहले तीन वर्ष एकत्रित राज्य माल और सेवा कर का 100 प्रतिशत तथा शेष दो वर्ष 75 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

पुराने बंद या संचालित सिनेमाघरों का रिमॉडलिंग और पुनः संचालन झ 5 वर्ष के भीतर रिमॉडलिंग कार्य पूरा कर लाइसेंस प्राप्त करने पर पहले तीन वर्ष 75 प्रतिशत और शेष दो वर्ष 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

बंद पड़े एकल सिनेमाघरों का यथास्थिति पुनः संचालन झ 31 मार्च 2024 तक बंद हुए सिनेमाघरों पर 31 मार्च 2025 तक पुनः संचालन पर पहले तीन वर्ष 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

नए एकल स्क्रीन सिनेमाघरों का निर्माण - न्यूनतम 75 आसन क्षमता वाले सिनेमाघरों में निर्माण कार्य 5 वर्ष के भीतर पूर्ण कर लाइसेंस प्राप्त करने पर पहले तीन वर्ष 100 प्रतिशत और अंतिम दो वर्ष 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

जनपद में पहली मल्टीप्लेक्स के लिए प्रोत्साहन झ जिन जिलों में एक भी मल्टीप्लेक्स नहीं है, वहां 5 वर्ष के भीतर निर्माण और लाइसेंस प्राप्त करने पर पूरे 5 वर्ष के लिए 100 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

मौजूदा मल्टीप्लेक्स वाले जिलों में नए मल्टीप्लेक्स निर्माण झ 5 वर्ष के भीतर निर्माण और लाइसेंस प्राप्त करने पर पहले तीन वर्ष 100 प्रतिशत और अंतिम दो वर्ष 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। सिनेमाघर/मल्टीप्लेक्स के उच्चीकरण हेतु प्रोत्साहन - निवेश की वास्तविक धनराशि का 50 प्रतिशत तक राज्य माल और सेवा कर के समतुल्य अनुदान मिलेगा। सहायक आयुक्त ने बताया कि अनुदान के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने वाले सिनेमाघरों को निर्माण अनुमति में किसी भी विलंब या अन्य अपरिहार्य कारण होने पर भी योजनाओं में शामिल किया गया है। अनुदान की राशि ऑनलाइन माध्यम से समयबद्ध और सरल प्रक्रिया के तहत प्राप्त की जा सकेगी। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

जनपद में 13 दिसंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 - जनपद में 13 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसके प्रचार और जनजागरूकता के लिए जिला न्यायालय परिसर में आज अभियान की शुरूआत की गई। इस दौरान प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे पूरे जनपद में लोक अदालत के प्रति जागरूकता अभियान तेज हो गया।

अभियान के तहत प्रचार वाहनों पर बैनर, पंपलेट और ऑडियो सिस्टम के माध्यम से नागरिकों को लोक अदालत की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। बैनरों पर निस्तारित वादों, प्रक्रिया, लाभ और संपर्क विवरण स्पष्ट रूप से दर्शाए गए हैं। पंपलेट वितरण के माध्यम से शहरी क्षेत्रों,

गाँवों और औद्योगिक क्षेत्रों में सीधे नागरिकों तक संदेश पहुँचाया जाएगा।

ऑडियो सिस्टम के माध्यम से भी लोक अदालत की तिथि, स्थान, वादों की श्रेणियाँ और लाभ सरल भाषा में जनता तक पहुँचेंगे। यह अभियान जनपद के प्रत्येक नागरिक तक सूचना पहुँचाने के उद्देश्य से तीव्र गति से चलाया जा रहा है।

जनसामान्य की सुविधा के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन हेतु हेल्पलाइन नंबर 9716535451 एवं 7678643985 जारी किए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर अपने मामलों की स्थिति और लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाने योग्य वादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी जिज्ञासा या विवरण के लिए dlsa.gbn-noida@gmail.com पर ईमेल किया जा सकता है।

लोक अदालत न्याय प्राप्ति का सरल, त्वरित और सुलभ माध्यम है, जिसमें विवादों का निस्तारण आपसी सहमति से कम समय में संभव होता है। सभी नागरिकों से अपील है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित एवं समझौता योग्य मामलों को लोक अदालत में प्रस्तुत करें। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और सिविल जज सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 - जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी रूप से संचालित करने तथा प्रत्येक पात्र मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अतुल कुमार ने की। इसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को गणना प्रपत्रों की प्राप्ति, डिजिटाइजेशन और अनट्रेसेबल मतदाताओं की वर्तमान जानकारी दी गई। बताया गया कि कुछ मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में तो दर्ज है, लेकिन उनका पता ढूँढने में बीएलओ को कठिनाई हो रही है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट को सक्रिय होकर बीएलओ की सहायता करने का निर्देश दिया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी कहा कि प्रत्येक बूथ पर ऐसे मतदाताओं की सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, जिनका पता सत्यापित नहीं है। इससे स्थानीय नागरिकों की मदद से खोज प्रक्रिया को और तेज किया जा सकेगा।बैठक में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दादरी, आशुतोष गुप्ता, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जेवर, अभय कुमार सिंह, और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

उ. प्र. के गाज़ियाबाद में SIR के समर्थन में नारी शक्ति संगठन की रैली

समाज जागरण

गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश 03 दिसंबर 2025: सितंबर 2025 में संसद द्वारा पारित मतदाता सूची पुनरीक्षण अधिनियम (SIR) के समर्थन में गाज़ियाबाद में नारी शक्ति संगठन ने रैली आयोजित की। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य रीमा वर्मा के नेतृत्व में यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए तिरंगा चौक पर संपन्न हुई।

रैली में संगठन की महिलाओं ने पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया तथा निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे रक्फ़ प्रावधानों के समर्थन में नारे लगाए। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही, जिसमें मुस्लिम और अनुसूचित समुदाय की महिलाओं की भी भागीदारी उल्लेखनीय रही। प्रदर्शन के दौरान प्रतिभागियों ने रक्फ़ प्रक्रिया को पारदर्शी और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विपक्षी दलों द्वारा रक्फ़ का विरोध किए जाने पर असहमति जताई और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के समर्थन में अपनी आवाज दर्ज की। अंत में प्रदर्शनकारियों ने विरोध स्वरूप एक राजनीतिक प्रतीकात्मक पुतला दहन भी किया। रैली में मुख्य रूप से अंजुम, आरा खान, तरन्नुम, मिथिलेश उपाध्याय, महरीन, संगीता, अनीता, उमा, शैली, मीनू बोस, अंजना, इंदु और स्मृति सहित सैकड़ों महिलाएँ शामिल हु-

विश्व दिव्यांग दिवस पर जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 03 दिसंबर 2025 : विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर

पर आज विकास भवन परिसर में दिव्यांगजनों के अधिकार और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार पूरे प्रदेश में विश्व दिव्यांग दिवस मनाया गया। इसी क्रम में लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए और उनका संबोधन सीधे प्रसारित किया गया।

जनपद स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी, डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी ने की। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा जरूरतमंद दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त विभाग के बचपन डे-केयर सेंटर के बच्चों को यूनिफॉर्म प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

ठंड की दस्तक से लोगों का स्वस्थ हो रहा प्रभावित

(अस्पताल में बढ़ रही है वायरल फीवर के मरीजों की संख्या)

समाज जागरण

लोनी, 3 दिसंबरः ठंड की दस्तक के साथ बदलते मौसम के कारण वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। शुरूआती ठंड से लाप्रवाह लोगों की सेहत अधिक प्रभावित हो रही हैं। सुबह-शाम की ठंड के बीच दोपहर की गर्मी का लोगों को खूब अनुभव हो रहा है. जिनका शरीर इस दोरंगे मौसम के साथ सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा है. यही कारण है कि ठंड की दस्तक के साथ अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। इस दोरंगे मौसम की आगाज के साथ अधिकतर परिवारों में कोई न कोई वायरल बीमारियों की चपेट में आ रहा हैं।

क्षेत्र में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ-साथ अन्य अस्पतालों में इन दिनों सर्दी, खांसी, बुखार से से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। इस बदलते मौसम से सबसे अधिक बच्चे और बुजुर्ग का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। लोनी के 100 फुटे मार्ग पर स्थित अकेले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बात करें तो ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अस्पताल में तैनात डॉक्टर कैलाश ने बताया कि कुल ओपीडी में 50 प्रतिशत सर्दी, खांसी व बुखार से ग्रसित रोगी शामिल है. उनके स्वास्थ्य की जांच के बाद जरूरी दवाइयां व उचित परामर्श देकर भेजा जा रहा हैं. जबकि गंभीर रूप से बीमार मरीज को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है। डॉ0 कैलाश ने बच्चों के माता-पिता को कह रहे है कि इस बदलते मौसम में उनका विशेष ध्यान रखने की जरूरत है.

साथ ही उन्होंने फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक, ठंडा पानी जैसे खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी है। उनका कहना है कि अस्पताल में इन दिनों 450 या कभी-कभी इससे भी अधिक मरीज अपना इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं. जिसमें लगभग 200 से 2500 मरीज वायरल बीमारी सर्दी, खांसी, बुखार की चपेट में मिल रहे है।

अपना निजी क्लीनिक चला रहे डॉक्टर ऐ.के. पंडित के अनुसार बदलते मौसम के साथ ही लोग अधिक संख्या में बीमारी के शिकार होते हैं। शुरूआती दोरंगी (ठंडे-गर्म) मौसम होने के साथ शरीर की गर्मी में गिरावट का अनुभव होता है. इस दौरान कभी-कभी मौसम के साथ तालमेल बिठाने में समय लग जाता है. जो बीमारी परोसने का काम करता है. जिसके अंतर्गत लोग सबसे अधिक लगातार आने वाली खांसी से प्रभावित होते हैं। ध्यान रहे कि बदलते मौसम या किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बीमार आसानी से पड़ जाते हैं। नाक बंद, छींकना, सिरदर्द, शरीर में दर्द, ऐंठन खांसी आदि सामान्य सर्दी व फ्लू के कुछ बीमारी आम है. ऐसे में इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। तीन दिनों से ऊपर यदि बुखार रहता है तो इसे गंभीरता से लें. और किसी चिकित्सक से अपनी जांच जरूर करायें।

वायरल बीमारी से बचने के उपाय

डॉक्टर संजय ने कहा कि मौजूदा दोहरा मौसम शरीर को काफी प्रभावित कर रहा है. कभी ठंड महसूस होना तो सूरज निकलते ही गर्मी का अनुभव होने की स्थिति में शरीर मौसम के साथ अपना तालमेल सही से नही बैठा पाता और व्यक्ति वायरल बीमारियों की चपेट में आ जाते है। डॉक्टर संजय ने बताया कि ठंड की दस्तक के साथ बदलते मौसम में भोजन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सुबह नाश्ता जरूर करें. नॉर्मल पानी पियें. कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें. फास्ट फूड से परहेज करें. हल्का व्यायाम करते रहे और खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों का इस मौसम में विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कुछ दिनों में जब शरीर मौसम से तालमेल बना लेगा तभी ऐसी समस्याएं भी दूर हो जायेगी।

विश्व दिव्यांग दिवस: उप्र और उत्तराखंड की दिव्यांग टीमों के बीच T-20 क्रिकेट मैच का सफल आयोजन, राजेश भारद्वाज ने किया पुरस्कृत

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। 3 दिसंबर विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर ग्रेनो के शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की दिव्यांग टीमों के बीच T-20 क्रिकेट मैच का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन दिव्यांग खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को सम्मान देने और उन्हें मुख्यधारा में और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया था।

इस विशेष मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर मे 152 रन बनाये जिसमे अंकित गौतम ने सर्वाधिक 35 रन बनाये। उसके जवाब मे उत्तराखंड की टीम मात्र 48 रन पर सिमट गई। मैच के हीरो रहे बिंटू यादव ने 4 विकेट लेकर हरफनमौला प्रदर्शन किया। जिसके चलते उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि और डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन (कॉरपोरेट अफेयर्स एंड कम्युनिकेशंस) ढऊ& व्हीलचेयर क्रिकेट और व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन राजेश भारद्वाज ने सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और शुभकामनाएं दी।

राजेश भारद्वाज ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी आज भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन कर रहे हैं, इसी के साथ साथ दिव्यांग खिलाड़ियों के मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में प्रधानमंत्री मोदी की सकारात्मक भूमिका की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संवेदनशील दृष्टिकोण और प्रेरक संदेश दिव्यांग खिलाड़ियों के जीवन में ऊर्जा का स्रोत बनते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में ऐसा वातावरण तैयार हुआ है जहां दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मान, अवसर और प्रोत्साहन मिल रहा है।

राजेश भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने बीते 2 वर्षों के दौरान दिव्यांग खिलाडियों के लिए जो मेहनत की है उसका श्रेय वे डीसीसीआई के जनरल सेक्रेटरी रवि चौहान और डब्ल्यूसीआईए के अध्यक्ष और डीसीसीआई के जॉइंट सेक्रेटरी स्क्वार्डन लीडर अभय प्रताप सिंह (सेनि) को देते हैं जो लगातार दिव्यांग खिलाड़ियों को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों में लगे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रगति का सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में देखने को मिला जब भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने ळ-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप फॉर द ब्लाइंड 2025 में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर भारत का गौरव बढ़ाया। राजेश भारद्वाज के अनुसार यह विजय दिव्यांग समाज की अदम्य क्षमता और अटूट साहस का प्रतीक है। राजेश भारद्वाज ने बताया कि इस अवसर पर उन्हें देश के गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के यहां से शुभकामना सन्देश प्राप्त हुए और उन्होंने इस आयोजन के लिए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस आयोजन में खेल प्रेमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर के मैनेजर हरि कृष्ण भी उपस्थित रहे और सभी लोगों और खिलाडियों ने सहयोग के लिए उनका विशेष आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि वे भविष्य में दिव्यांगों के बीच होने वाले मुकाबलों के लिए ऐसा ही प्रोत्साहन दशार्ते रहेंगे।

भाकियू द्वारा जन जागरण अभियान के तहत बैठक कर कार्यकताओं को दी गई जिम्मेदारियां

समाज जागरण

संभल।भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा बुधवार को ग्राम - सारंगपुर में जिला महासचिव अनमोल कुमार के नेतृत्व में जन जागरण बैठक का आयोजन किया गया ! बैठक की अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा एवं संचालन प्रवेन्द्र यादव ने किया !

बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि जन जागरण अभियान का मुख्य उद्देश्य किसान एकता को मजबूत करना और किसानों की आवाज को अधिक प्रभावी बनाना है ! संगठन की शक्ति बढ़ाने के लिए गांव-गांव जाकर किसानों और मजदूरों को उनके हकों के प्रति जागरूक करना और संगठन से जोड़ना है। आगामी दिनों में किसान महापंचायतें और बड़े सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जाएगी ताकि किसानों की एकजुटता प्रदर्शित की जा सके। किसानों के शोषण और उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष की आगामी रणनीति और कार्यक्रमों, धरना - प्रदर्शन को तेज किया जाएगा ! जिससे कि किसान की दशा में सुधार हो सके ! कार्यकारिणी द्वारा संगठन विस्तार करते हुए खेमपाल यादव को जिला मंत्री, तालिब अली को ग्राम अध्यक्ष, यासीन अली को ग्राम महासचिव, सुमित मौर्य को ग्राम सचिव, डॉ विश्वास को ग्राम महासचिव, प्रमोद सागर को ग्राम सचिव, आमिर अली को ग्राम सचिव, राहुल यादव को ग्राम सचिव, कोशिंदर सागर को ग्राम सचिव, कुलदीप सागर को ग्राम सचिव, विनेश यादव को ग्राम सचिव, पन्नालाल प्रजापति को ग्राम महासचिव एवं सुशील सागर को ग्राम सचिव नियुक्त किया गया ! जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी को प्रमाणपत्र एवं पटका देकर सम्मानित किया गया ! साथ ही संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा द्वारा ग्राम सारंगपुर में बैठक करने के लिए श्रीपाल यादव एवं अमानत अली का हृदय से आभार व्यक्त किया गया !

मुख्य रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, तहसील प्रभारी प्रवेन्द्र यादव, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, मो. हसन, श्रीपाल यादव, अमानत अली, रामवतार यादव, नरेश यादव, शौकीन अहमद, हनीफ, मुराद अली, पन्नालाल प्रजापति, लेखराज सागर, प्राण सुख सागर, मुनीश अली, डॉ. शाहिद अली, डॉ. विश्वास आदि कार्यकताओं सहित तमाम लोग उपस्थित रहे

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने लिया बढ़ चढ़कर भाग

समाज जागरण

चंदौसी। डॉ भीमराव अंबेडकर कल्याण समिति के तत्वाधान में जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग की ' सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 'का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल पथरा में किया गया। विद्यालय के 160 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया जिनमें से 150 उपस्थित तथा 10 अनुपस्थित रहे। प्रश्न पत्र 'अ' तथा ' ब ' सेट में थे जिनमें विस्तृत विभिन्न विषयों के प्रश्न , स्थानीय प्रश्न एक एक अंक के 100 प्रश्न 90 मिनट की अवधि में पूछे गए। प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय उत्तर सहित तथा सरल सहज होने के कारण

प्रतिभागी अत्यंत प्रसन्न मुद्रा में दिखाई दे रहे थे।

केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में विद्यालय के संचालक महानंदन गौतम तथा प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी केंद्र प्रभारी रहे। कक्ष निरीक्षकों में सीमा अग्रवाल, सुशीला, क्षमता, आरती सिंह, शालू, रंजीत कौर,राजकुमारी, योगेश, काजल,दुर्गेशनंदिनी, रेशमा ने अपनी ड्यूटी संभाली।

इस अवसर पर रिनी अग्रवाल, आभा रानी, अश्विनी शर्मा, शिवगणेश शर्मा, रमन शर्मा,गीता, श्याम सिंह आदि उपस्थित रहे। कक्ष व्यवस्था में सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, रंजीत कुमार, रमन शर्मा रहे।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिला अस्पताल मे तीमारदारों का खाना चूहों द्वारा खाए जाने की घटना के प्रति व्यक्त की कड़ी नाराजगी

प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पुरुष एवं महिला चिकित्सालय को संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के दिए निर्देश

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने 02 दिसंबर, 2025 को विभिन्न समाचार पत्रों तथा सोशल मीडिया पर जिला चिकित्सालय में तीमारदारों का खाना चूहों द्वारा खाये जाने का समाचार प्रकाशित हो रहा है। उन्होंने प्राचार्या, स्वशासी महात्मा विदुर राजकीय चिकित्सालय, बिजनौर, मुख्य चिकित्साधीक्षक, पं० दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय, बिजनौर तथा मुख्य चिकित्साधीक्षिका, पं० दीनदयाल उपाध्याय महिला चिकित्सालय, बिजनौर के प्रति उक्त स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए यह स्थिति सन्तोषजनक नहीं है तथा इससे जिला चिकित्सालय में समुचित सफाई व्यवस्था का न होना परिलक्षित होता है। साथ ही एक ओर जहाँ मरीजों व उनके तीमारदारों में असुरक्षा की भावना जाग्रत होना स्वभाविक है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा व्यवस्था के लचर होने से विभाग की छवि धूमिल होती है।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने उक्त सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधीक्षक, पं० दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सालय, बिजनौर को सचेत करते हुए निर्देशित किया कि जिला संयुक्त चिकित्सालय में पर्याप्त सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायें साथ ही इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न होने पाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इस सम्बन्ध में सम्बन्धित कर्मचारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कार्यवाही की जाये तथा यदि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति होने पर भी इसे गम्भीरता से लेते हुए दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाए।

जिला सीनियर बार एसोसिएशन संभल की हुई बैठक, अधिवक्ताओं ने रखे अपने विचार

समाज जागरण

संभल। जिला सीनियर बार एसोसिएशन संभल की बैठक बार कक्ष में नगर संभल में डॉ८. सुरेश कुमार एसओसी चकबंदी अधिकारी संभल के सम्मान में बैठक हुई। बैठक में सभी अधिवक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। परिचय वार्ता के उपरांत माधव मिश्रा एडवोकेट द्वारा समस्याओं के निस्तारण

के लिए समस्त प्रक्रिया पर विचार रखे गए अरविंद सिंह एडवोकेट ने कहा की कार्यशैली ऐसी हो जिससे न्याय प्रक्रिया प्रभावित न हो वहीं उमेश शर्मा एडवोकेट ने कहा कि किसी भी अधिवक्ता की पत्रावलियों का निस्तारण नियमानुसार किया जाए। इसके साथ ही नरेश कुमार यादव एडवोकेट के साथ अन्य अधिवक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान शाहिद हुसैन एडवोकेट, उमेश कुमार शर्मा एडवोकेट, राकेश रस्तोगी एडवोकेट आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

एडीएम ने बूथों पर जाकर किया निरीक्षण

समाज जागरण

चंदौसी। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत एडीएम प्रदीप वर्मा एवं एसडीएम आशुतोष तिवारी ने बूथों पर जाकर किया निरीक्षण। नगर क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया।सीता रोड स्थित रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय में बूथ संख्या 167 से 173 तक 7 बूथ है जिनके 5 बीएलओ अपने कार्य करते मिले एवम 2 फील्ड में एसआईआर प्रपत्र प्राप्त करने गए थे।अपर

जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने वहाँ उपस्थित बीएलओ से शीघ्रता से कार्य निपटाने को कहा।तथा जो मतदाता नही मिल रहे उनकी सूची मतदान स्थल पर चस्पा करने का आदेश दिया।साथ ही वहाँ उपस्थित सामाजिक एवम राजनीतिक कार्यकर्ताओ से कहा बीएलओ का सहयोग करें तथा बचे प्रपत्रों का गहनता से अवलोकन करके मतदाताओं की पहचान करके उन तक पहुंचने का प्रयास करें।उप जिलाधिकारी चन्दौसी आशुतोष तिवारी ने कहा जो मतदाता दूसरी जगह प्रपत्र जमा कर चुके है या मृतक है उनके परिवार से संपर्क करके उनकी सहमति से हटाये।इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल,तरुण कुमार नीरज,डॉ टीएस पाल,रोहित दिवाकर,देवेंद्र गुप्ता,दिनेश चीनी,कुलदीप वार्ष्णेय, लोकेश मौर्य, मुनीश वार्ष्णेय,आकाश शर्मा, रोशन लाल,नीरज शर्मा के साथ ही राशन डीलर मधु गुप्ता एवम बीएलओ अवनीश कुमार,उज्ज्वल शर्मा, दीप्ति शर्मा, सुखवीर पाल,सत्यवीर मिले।

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद जी का 39वां जन्मदिन नजीबाबाद कार्यालय पर धूमधाम से मनाया गया

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद कार्यालय पर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना लोकसभा सांसद भाई चंद्रशेखर आजाद जी का 39वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर प्रमुख रूप से मुरादाबाद मंडल प्रभारी एवं साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी, भीम आर्मी के ज़िला अध्यक्ष प्रशांत महासागर, भाईचारा समिति के मंडल अध्यक्ष ललित कुमार, ज़िला उपाध्यक्ष सुखबीर प्रधान, विधानसभा अध्यक्ष अशोक कुमार, ज़िला प्रभारी साबू प्रधान, नजीबाबाद नगर अध्यक्ष सुल्तान कुरैशी, नगर उपाध्यक्ष असलम

अंसारी, शादमान शेख, तस्लीम अहमद, पूर्व प्रधान नफीस अहमद, अयाज अंसारी, अफाक अंसारी, दीपक सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नेताओं ने चंद्रशेखर आजाद जी के संघर्ष, नेतृत्व और सामाजिक न्याय की लड़ाई पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया और सांसद जी के लंबे एवं संघर्षशील जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं और सभी ने मिलकर संगठन की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर अभियान के अंतर्गत लेकर सपाईयों ने की समीक्षा बैठक

समाज जागरण

सम्भल। जिला सम्भल में समाजवादी पार्टी की बैठक नवाब आशिक पैलेस संभल में संपन्न हुई। बैठक में जिले की समीक्षा करने आए जिला संभल के एस आई आर प्रभारी जनाब कमाल अख्तर साहब विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता एस आई आर में लगकर घर-घर जाकर वोटो को ठीक करने का काम करें एवं विधानसभा अध्यक्ष बी एल ए बनाकर पार्टी को जल्द से जल्द ऑनलाइन करने का काम करें जिससे आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ सके एवं उन्होंने चारों विधानसभाओं के विधानसभा अध्यक्षों से भी चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक असमोली पिंकी सिंह यादव ने कहा कि मेरी विधानसभा का कार्य लगभग पूरा हो चुका है विधानसभा अध्यक्ष से लेकर पार्टी के सभी जोन सेक्टर प्रभारी कार्यकर्ता पदाधिकारी लगे हुए हैं जल्द ही पूरा करके विधानसभा को मजबूत करने का काम किया जाएगा जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि जिले प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी एवं नगर ब्लॉक अध्यक्ष कार्यकर्ता गण लगकर एस आई आर का काम

जल्द से जल्द निपटने का काम करें विधायक संभल प्रतिनिधि नबाब सोहेल इकबाल महमूद साहब ने आए हुए प्रभारी एवं अतिथि सभी का फूलमाला पहनकर स्वागत किया एवं उन्होंने कहा कि संभल विधानसभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री जनाब नवाज इकबाल मोहम्मद साहब के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मजबूती से लगे हुए हैं जल्द ही सभी मिलकर एस आई आर का कार्य पूरा कर लेंगे। इस दौरान बैठक में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी चंदौसी विमलेश कुमारी प्रमोद यादव पूर्व जिला अध्यक्ष ब्लॉक संभल प्रभारी इफ्तार साहब जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान असमोली उमेश यादव चंदौसी अमित यादव गुन्नौर इरफान प्रधान सभल विधायक केपी यादव प्रदेश उपाध्यक्ष युवजनसभा सुनील यादव सईद अख्तर इसराइली बिट्टू कश्यप जिला अध्यक्ष युवजन सभा पप्पू यादव मुलायम सिंह यूथ बिगरेड वरिष्ठ नेता लड्डन मियां मोहम्मद आदिल शोभित कुमार काका रवि शखधार प्रतीक नानू गुल्लू यादव देवव्रत यादव फैजान शाही मनीष यादव साबिर खान जैफ कुरेशी इंद्रजीत यादव जैकी भाई अशरफ किदवई बिटन मलिक चैरमेन रामनिवास दिवाकर सूर्य प्रताप यादव यावर फराज ठा के पी सिंह अमरीश यादव मनोज शमा वीरपाल सिह यादव साबिर खान फराज असगर एस पी विलल शेख सददन अजय जाटव ठाकुर विजेंद्र सिंह संजीव यादव डॉक्टर हो राम सिंह जाटव मुशर्रफ प्रधान जी बीरन यादव आदि उपस्थित रहे । बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने किया।

युवक को मारी गोली

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर अम्हेड़ा में युवक को गोली मार दी गई। घायल युवक को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है मंगलवार रात करीब 10 बजे हल्दौर थाना क्षेत्र के ग्राम अम्हेड़ा निवासी नवाजिश एक मदरसे के पास अपने मोबाइल फोन पर बात कर रहा था तभी पीछे से आए तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे तमंचे से गोली मार रूप से घायल हो गया। गोली लगने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। नवाजिश के परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हल्दौर ले गए। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने पुलिस द्वारा तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है

विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट नरेन्द्र कुमार यादव की प्रभावी पैरवी से नाबालिग बालिका को मिला न्याय

समाज जागरण

चंदौसी। जनपद सम्भल की विशेष पॉक्सो न्यायालय ने नाबालिग बालिका के साथ लज्जा भंग करने के उद्देश्य से लैंगिक हमला करने के प्रकरण में अभियुक्त रामबीर पुत्र चंद्रपाल निवासी ग्राम वहीपुर थाना धनारी को दोषसिद्ध करार देते हुए 03 वर्ष का कारावास एवं 5000 अर्थदंड से दंडित किया।

विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट, अवधेश सिंह की अदालत ने विशेष सत्र परीक्षण संख्या 22/2021 (अपराध संख्या 28/2019, थाना धनारी) में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि समाज में बालिकाओं की मयार्दा और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि

है। ऐसे कृत्य करने वाले अपराधी किसी सहानुभूति के पात्र नहीं हैं। यह निर्णय न केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध दंडादेश है, बल्कि समाज के लिए एक सशक्त संदेश भी है कि न्यायपालिका बेटियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और तत्पर है।

इस मुकदमे की प्रभावी पैरवी विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट नरेन्द्र कुमार यादव द्वारा की गई। उन्होंने न्यायालय में तथ्यपरक, दृढ़ एवं साक्ष्य-आधारित दलीलें प्रस्तुत कीं। इसके साथ ही गवाहों के बयानों, चिकित्सीय प्रमाणों एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संगठित विश्लेषण कर अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय को यह विश्वास दिलाया कि अभियुक्त दोषमुक्त नहीं हो सकता। यादव जी की तथ्यनिष्ठ और संवेदनशील पैरवी के परिणामस्वरूप पीड़िता को न्याय मिला और समाज को यह भरोसा कि कानून हर बेटी के साथ खड़ा है।

टीएमयू में नर्सिंग के स्पोर्ट्स इवेंट ब्रह्मोत्सव का शंखनाद

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के वीसी प्रो. वीके जैन ने कहा, स्पोर्टस स्टुडेंट्स के जीवन का अभिन्न अंग है। विशेषकर नर्सिंग स्टुडेंट्स खेलों को आत्मसात करें। उन्होंने छात्र-छात्राओं की हौसलाफजाई करते हुए कहा, स्टुडेंट्स के शरीरिक और मानसिक ग्रोथ के लिए ब्रह्मोत्सव इवेंट में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। वीसी प्रो. जैन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की स्पोर्ट्स एंड कल्चरल इवेंट- ब्रह्मोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि प्रो. वीके जैन ने शांति के प्रतीक कबूतर और गुब्बारे उड़ाकर चार दिनी ब्रह्मोत्सव का शंखनाद किया। इस मौके पर डायेक्टर गवर्नेंस श्रीमती नीलिमा जैन, फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. आरके द्विवेदी, आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. निशीथ मिश्रा, नर्सिंग कॉलेज की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. जेसलीन एम., पार्श्वनाथ नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. श्योली सेन, ज्वाइंट रजिस्ट्रार डॉ. वैभव रस्तोगी आदि की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने कल्चरल प्रोग्राम्स की प्रस्तुति भी दी।

रंगारंग परिधानों में नर्सिंग छात्रों के चार ग्रुपों- वायु, नीर, आकाश और अग्नि ने मार्च पास्ट में प्रतिभाग किया। मार्च पास्ट की भव्यता और अनुशासन देखते ही बनता था। इन चार ग्रुपों में मार्च पास्ट का प्रथम पुरस्कार टीम अग्नि की झोली में गया। द्वितीय पुरस्कार टीम नीर और तृतीय पुरस्कार पर टीम वायु का कब्जा रहा। ओपनिंग सेरेमनी के बाद खेल प्रतियोगिताओं में तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग और तीर्थंकर पार्श्वनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने खूब पसीना बहाया । ब्रह्मोत्सव के तहत टग ऑफ वार और कबड्डी की प्रतियोगिताएं हुईं। टग ऑफ वार की प्रतियोगिता के ब्वायज ग्रुप में वायु टीम और गर्ल्स ग्रुप में नीर टीम 2-1 से विजेता रहीं। इस मौके पर प्रो. विजी मोल, डॉ. सपना सिंह, प्रो. जितेन्द्र सिंह, प्रो. अनुषी सिंह, डॉ. सुमन वशिष्ठ, डॉ. रामकुमार गर्ग के संग-संग स्पोर्टस कोर्डिनेटर्स-श्रीमती पूजा झा, श्री सतीश प्रजापति, श्री रितिक कुमार, श्री विनय लाल आदि की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। श्री चंद्रशेखर टग ऑफ वार के निर्णायक रहे।

फिलिपींस की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पैरामेडिकल की टीएमयू की तीन सीनियर्स

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद की तीन सीनियर फैकल्टीज ने यूनिवर्सिटी ऑफ फिलिपींस की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का प्लेटफॉर्म साझा किया। इस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की थीम- फॉरेंसिक्स ऑफ द फॉरगॉटनः अनकवरिंग मेमोरी, कल्चर एंड आइडेंटिटी इन द ग्लोबल साउथ रही। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में टीएमयू के कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज की मेडिकल लैब टेक्निक्स की एचओडी प्रो. रूचि कांत, फॉरेंसिक के एचओडी श्री रवि कुमार और सीनियर फैकल्टी श्री योगेश कुमार ने अपने-अपने टॉपिक्स पर व्याख्यान दिए। ऑनलाइन आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में प्रो. रूचि कांत ने बायोकेमिकल पाथवेज ऑफ

रेजिलिएंसः अंडरस्टैंडिंग हेल्थ, जेंडर, एंड एजिंग इन पोस्ट-क्राइसिस कॉनटेक्स्ट्स, श्री रवि कुमार ने एमर्जिंग फ्रंटियर्स इन फॉरेंसिक साइंस एजुकेशन एंड इनोवेशनः बिल्डिंग कैपेसिटीज फॉर द ग्लोबल साउथ और श्री योगेश कुमार ने टैफोनॉमी एंड फॉरेंसिक एंटोमोलॉजीः रिकन्स्ट्रक्टिंग डेथ एंड मेमोरी इन ट्रॉपिकल एनवायरनमेंट्स पर अपने-अपने विचार साझा किए।

प्रो. रूचि कांत ने कहा, लचीलापन (रेजिलिएंस) समन्वित न्यूरोएंडोक्राइन, इम्यून और मेटाबॉलिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न होता है। संकट के बाद का तनाव कोर्टिसोल नियमन, सूजन, न्यूरोप्लास्टिसिटी और आंत-मस्तिष्क सिग्नलिंग को बदल देता है। लिंग और उम्र इन मार्गों को हार्मोनल बदलावों जैसे एस्ट्रोजन, टेस्टोस्टेरोन, मेनोपॉज और एंड्रोपॉज के माध्यम से प्रभावित करते हैं। जैविक, सामाजिक और लिंग-विशिष्ट तंत्रों को मजबूत करने से रिकवरी तेज होती है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। श्री रवि कुमार ने बताया, फॉरेंसिक में क्या-क्या गैप्स हैं और कैपेसिटी बिल्डिंग क्यों जरूरी है। उन्होंने एआई, नैनोटेक्नोलॉजी, वर्चुअल अटोप्सी, थ्रीडी इमेजिंग, इथिक्स एंड पॉलिसी चैलेंजेज, रोल ऑफ यूनिवर्सिटीज एंड इंटरनेशनल कोलाबोरेशन, करिकुलम मॉर्डनाइजेशन एंड रिकमांडेशन की फॉरेंसिक साइंस में भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री योगेश कुमार ने फोरेंसिक टैफोनोमी पर प्रकाश डालते हुए बताया,मृत्यु के बाद मानव शरीर के साथ क्या होता है। बाहरी वातावरण में शरीर के साथ जो कुछ भी होता है, वह पौधों, जानवरों, मिट्टी, पर्यावरण कई अन्य प्राकृतिक कारकों से हुए परिवर्तन का परिणाम होता है। शव पर पाए जाने वाले कीड़ों, जैसे ब्लो फ्लाई के लार्वा के जीवन चक्र का विश्लेषण करके, फोरेंसिक एंटोमोलॉजिस्ट यह अनुमान लगा सकते हैं कि व्यक्ति की मृत्यु कब हुई।

इंटरनेट/ई-पंचायत सुविधा के क्रियान्वयन की स्थिति

समाज जागरण

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत, पंचायती राज मंत्रालय देश के सभी राज्यों और केन्द्र - शासित प्रदेशों (यूटी) में ई-पंचायत मिशन मोड परियोजना (एमएमपी) का क्रियान्वयन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य पंचायतों को अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी बनाकर उनके कामकाज में सुधार लाना है। इस पहल के एक भाग के रूप में, मंत्रालय ई-ग्रामस्वराज का संचालन कर रहा है जोकि योजना एवं लेखा संबंधी एक ऐसा ऑनलाइन अनुप्रयोग है, जिसे नियोजन, बजट और लेखा जैसी पंचायत की गतिविधियों को सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। मंत्रालय ने ग्राम पंचायतों (जीपी) के लिए विक्रेताओं/सेवा प्रदाताओं को ऑनलाइन भुगतान करने हेतु ई-ग्रामस्वराज को सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के साथ भी एकीकृत किया है। पंचायतें वार्षिक पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने और अपलोड करने के लिए ई-ग्रामस्वराज पोर्टल का उपयोग करती हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान ई-ग्रामस्वराज के अंतर्गत पंजाब सहित विभिन्न राज्यों द्वारा की गई प्रगति अनुलग्नक-कमें दी गई है।

इसके अलावा, डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करने हेतु दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा देश की सभी ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु भारत नेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है। अब तक, कुल 2.69 लाख ग्राम पंचायतों/पारंपरिक स्थानीय निकायों (टीएलबी) में से 2.18 लाख जीपी/टीएलबी को भारतनेट परियोजना के तहत हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करके सेवा हेतु तैयार किया जा चुका है।

संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के उद्देश्य और प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं

पूर्ववर्ती राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान को 2018-19 से 2021-22 की अवधि के लिए लागू किया गया था और बाद में इस योजना को 15वें वित्त आयोग के साथ वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए लागू करने हेतु संशोधित किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) योजना का कुल वित्तीय परिव्यय 5911 करोड़ रुपये है, जिसमें केन्द्र का हिस्सा 3700 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 2211 करोड़ रुपये है। हालांकि, पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्यों/ केन्द्र - शासित प्रदेशों को जारी की गई वर्षवार धनराशि निम्नानुसार है ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद (आईआरएमए) के माध्यम से संशोधित आ-रजीएसए का एक बाह्य मूल्यांकन किया गया है। इस अध्ययन में 16 राज्यों के 60 जिलों के 120 ब्लॉकों की 600 ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए एक बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, विभागीय अधिकारियों, प्रशिक्षकों/संकाय और राज्य/जिला आरजीएसए इकाइयों सहित 6,000 से अधिक हितधारकों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, नीति आयोग ने परिणामों पर पूरक साक्ष्य प्रदान करने हेतु आ-रजीएसए का एक स्वतंत्र मूल्यांकन भी करवाया है। इन मूल्यांकनों से संकेत मिलता है कि योजना के व्यवस्थित एवं बहुस्तरीय क्षमता निर्माण, जिसमें कक्षा/विषयगत मॉड्यूल, अनुभव भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) और डिजिटल शिक्षण का संयोजन शामिल है, ने पंचायत संचालन, योजना और कार्यान्वयन (जीपीडीपी सहित), डिजिटल शासन, नागरिक सहभागिता और वित्तीय प्रबंधन में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की क्षमताओं को बढ़ाया है। प्रशिक्षण के बाद के मूल्यांकनों में ज्ञान और व्यवहार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो अधिक प्रभावी स्थानीय शासन और सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में सहयोग करती है। राज्य के अधिकारियों के साथ बैठकों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से इस योजना के कार्यान्वयन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। आरजीएसए की केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी), किसी राज्य की वार्षिक कार्य योजना (एएपी) को मंजूरी देते समय, कार्यान्वयन की प्रगति और निधियों के उपयोग पर विचार करती है। निधि जारी करने के नियमन हेतु वित्त मंत्रालय के निदेर्शों के अनुसार, राज्यों/केन्द्र - शासित प्रदेशों को उपयोग प्रमाणपत्र (यूसी) और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नियमित रूप से याद दिलाया जाता है।यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 से राज्यों/केन्द्र - शासित प्रदेशों में कार्यान्वित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर), पदाधिकारियों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करके पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को सक्षम बनाना है ताकि वे नेतृत्वकारी भूमिकाओं हेतु अपनी शासन संबंधी क्षमताएं विकसित कर सकें और पंचायतों को प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बना सकें। संशोधित आरजीएसए योजना के अंतर्गत, पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों तथा अन्य हितधारकों के क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण को बुनियादी अभिविन्यास एवं पुनश्चर्या प्रशिक्षण, विषयगत प्रशिक्षण, विशेष प्रशिक्षण, पंचायत विकास योजना प्रशिक्षण आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है।

बावली इंटर कॉलेज में विकलांगता दिवस पर प्रतिभाओं ने नई उम्मीदें जगाई

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर सबका मन जीता
प्रोफेसर सुरेंद्र पाल तोमर और पूजा उज्ज्वल ने बच्चों को प्रेरित किया
दिगंबर जैन इंटर कॉलेज की छात्रा केसी ने चारों प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पाया

समाज जागरण बागपत।

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, नावली में अंतरराष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। पोस्टर, भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं में बच्चों ने जो उत्साह दिखाया, उसने साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। कार्यक्रम में बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए आयोजित संगोष्ठी ने माहौल को और प्रेरणादायी बना दिया।

इसमें सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुरेंद्र पाल तोमर और अर्थशास्त्र प्रवक्ता श्रीमती पूजा उज्ज्वल ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने बच्चों को जीवन में आने वाली चुनौतियों से जूझने, खुद पर विश्वास रखने और समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं के प्रेरक विचारों ने बच्चों और अभिभावकों दोनों को गहराई से प्रभावित किया। प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरों पर दिखी चमक कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण थी।

इस दौरान सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया दिगंबर जैन इंटर कॉलेज, बड़ौत की छात्रा कुमारी केसी ने, जिसने चारों प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर प्रथम स्थान हासिल किया। उसकी इस उपलब्धि की सराहना पूरे मंच से की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना और उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना था, जिसे इस आयोजन ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

सेंट आर वी में चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

समाज जागरण बागपत।

सेंट आर वी कॉन्वेंट स्कूल में चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह (पूर्व सांसदबागपत), समाजसेवी अनुराग जैन, निदेशिका चारू जैन, उपनिदेशक एडवोकेट प्रथम जैन तथा प्रधानाचार्य पंकज शर्मा ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए किया। इसके बाद भव्य मार्च पास्ट के साथ कार्यक्रम को गति दी गई, जिसमें विद्यालय के चार सदन अमेजॉन, एवरेस्ट, नाईल तथा पेसिफिक के छात्रों ने पूरे अनुशासन, गौरव और ऊर्जा के साथ कदमताल करते हुए विद्यालय की खेल भावना को प्रस्तुत किया ' इसके बाद मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह (पूर्व सांसद बागपत) तथा समाजसेवी अनुराग जैन द्वारा शांति और सदभावना के प्रतीक कबूतर उड़ाए गये। सत्यपाल सिंह ने मशाल जलाकर खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता के प्रथम दिन विभिन्न प्रकार की दौड़ हुई, जिसमें 200 मीटर लड़को की दौड़ में सन्नी व देव प्रथम, लवकित व कार्तिक द्वितीय तथा अक्षित और अरमान तृतीय स्थान पर रहे तथा लड़कियों के दौड़ में श्रेया प्रथम फलक व अवनी द्वितीय तथा कृतिका व वंशिका तृतीय स्थान पर रही। शॉट पुट में लड़कियों में अदिति नैन प्रथम, मानवी द्वितीय तथा अवनी तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में वंदना मलिक, दीपा डांगी, संदीप कुमार, ईशान नागपाल, बेबी आर्या, अरुण तोमर, अंकुर चौधरी, अपूर्वा सिंह, प्रखर जैन, आकाश त्यागी, सिमान मिर्जा, इमरान, सन्नी राज वत्स, वंदना बिन्दल, दीपा तोमर, पूजा मलिक, आरती चौधरी, रुपल सैनी, सुष्मा शर्मा, निशा नैन, आँचल जैन, सुशीला वर्मा, दीपा जैन, बेबी तोमर, शालिनी, नमन जैन, सागर गर्ग, कशिश जैन, भावना कुमारी, पिंकी जैन, तनु राणा, शकुंतला जैन,पलक जैन, निशा शर्मा, आस्था, काजल डांगी, अंजलि डांगी, प्रिन्सी जैन, रशमी तोमर, पूजा चौहान, रीना गोस्वामी, आयुषी तोमर, नेहा तोमर, राधा मलिक, निधी देशवाल राजन जैन का पूर्ण योगदान रहा।

पंचकल्याणक स्थल से हटाई थमाकौल, प्रशासन के निदेर्शानुसार किया संशोधन

समाज जागरण बागपत।

आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य एवं श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर कमेटी बड़ौत के तत्वावधान में 7 दिसंबर से बड़ौत के दिगंबर जैन कॉलेज ए फील्ड में प्रारंभ होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के लिए बनाये जा रहे विशाल पंडाल से प्रशासन के निदेर्शानुसार सभी थमाकौल की सीट पांडाल के अंदर और बाहर से हटा ली गई है। प्रशासन की गाइडलाइन के अंतर्गत आवश्यक संशोधन भी कर दिए गए हैं। मीडिया प्रभारी वरदान जैन ने बताया कि कल एस डी एम बड़ौत द्वारा नोटिस के बाद पंचकल्याणक समिति ने पंकज जैन अध्यक्ष एवं महामंत्री अजय जैन काले के निदेर्शानुसार सुबह से ही थमाकौल हटाने का कार्य शुरू कर दिया था। जैन समाज भी चाहता है कि पंचकल्याणक का सभी कार्य प्रशासन की अनुमति के साथ सानंद संपन्न हो। दरअसल पंचकल्याणक की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है।चौबीस तीर्थंकरों की 24 प्रतिमाएं पंचकल्याणक के माध्यम से शुद्ध होकर श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर दिल्ली रोड पर विराजमान होनी है।महामंत्री अजय जैन काले ने बताया कि आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में 7 दिसंबर को घटयात्रा एवं मंडप प्रतिष्ठा, 8 दिसंबर को गर्भ कल्याणक,9 दिसंबर को जन्म कल्याणक,10 दिसंबर को तप कल्याणक,11 दिसंबर को केवल ज्ञान महोत्सव एवं 12 दिसंबर को मोक्ष कल्याणक महोत्सव के साथ प्रतिमाओं का शुद्धिकरण पूर्ण होगा। सभी प्रतिमाए मंदिर जी में विराजमान होगी। आज अतिथि भवन में पंचकल्याणक महोत्सव के यज्ञनायक प्रभात जैन संतोष ज्वेलर्स को समाज द्वारा तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। समस्त जैन समाज द्वारा मंगलाचार के माध्यम से भक्ति संगीत द्वारा झूमते गाते हुए खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज ने सभी को पंच कल्याणक महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पंच कल्याणक के संबंध में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में पंकज जैन,अजय जैन, धनेंद्र जैन,अरविंद जैन मुन्ना, सुखमाल चंद जैन,राजकुमार जैन, आनंद जैन, प्रवीण जैन,सौरभ जैन,राकेश जैन,चेतन लाल जैन, सतीश जैन,अशोक जैन,अनुज जैन, अमित जैन, अंकुर जैन आदि उपस्थित थे।

किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास, विरोध करने पर पिलाया जहरीला पदार्थ

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव में घर में अकेली किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने घुसकर दुष्कर्म का प्रयास किया आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने जहरीला पदार्थ पिला दिया। परिजनों ने आनन-फानन में शामली के अस्पताल में भर्ती कराया।पीड़ित पिता ने तहरी देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस जांच में जुटी हुई है। बुधवार को थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि विगत मंगलवार को पीड़ित परिवार सहित शादी समारोह में गया हुआ था और घर पर उसकी 14 वर्षीय पुत्री अकेली थी। पीड़ित का आरोप है की तभी परिवार की गैर मौजूदगी में पड़ोसी युवक उसके घर में घुस गया और उसकी अकेली पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। उसकी पुत्री के द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट कर दी और जान से मारने की नीयत से जहरीला पदार्थ भी पिला दिया। पीड़ित जब अपने परिवार सहित घर पर आया तो उसकी नाबालिक पुत्री बेहोश पड़ी हुई थी परिजन आनन-फनन में शामली के निजु अस्पताल में ले गए।

निजी डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर उसकी पुत्री को जिला अस्पताल भेज दिया जहां पर उसका इलाज जारी है और हालत नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पिता ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि एक व्यक्ति की तहरीर मिली है पुलिस जांच कर रही है जांच का उचित कार्रवाई की जाएगी

जैन संत सौरभ सागर जी महाराज ने पंचकल्याणक का बताया अर्थ

समाज जागरण बागपत।

आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज ने अतिथि भवन बडौत में प्रवचन देते हुए कहा कि प्रत्येक तीर्थंकर के जीवन में जो पांच कल्याणकारी, सातिशय घटनाएं घटती हैं उन्हें ही पंचकल्याणक कहते हैं। पंच शब्द का अर्थ कल्याणकारी मंगलमय महोत्सव है इनके प्रेरणाकारी प्रसंग भव्य जीवो को संसार के पार निमित्त बनते हैं यह कल्याणक जो गर्भ जन्म तप केवल ज्ञान और मोक्ष है वह तीर्थंकरों के ही होते हैं। जो जीव में पूर्व जन्म में विश्व कल्याण की भावना वात्सल्य भाव, संपूर्ण जीवों को सुखी देखना चाहता है करुणा से परि पूर्ण होता है सबकी मंगल कामना करता है उसे ही तीर्थंकर पद का पूर्ण बंध होता है जो जगत पूज्य सोसो इंद्र द्वारा वंदनीय तीर्थंकर पद को प्राप्त करता है। तीर्थंकर पद को पाने वाला जीव मां के गर्भ में आने से 6 माह पूर्व से ही जन्म होने तक अर्थात 15 मह तक इंद्र की आज्ञा से धन कुबेर द्वारा प्रतिदिन तीन बार 3 प्वाइंट पांच कोड़ी रतनो की वर्षा की जाती है, दिक्क कुमारी द्वारा प्रतिदिन तीन बार रतनो की वर्षा, माता की परिचर्या, गर्भ शोधन की क्रिया होती है तीर्थंकर की माता को गर्भ से पूर्व शुभ सोलह स्वप्न दिखाई देते हैं जिनका वह सुबह उठकर अपने पति से उनका फल पूछती है पति उनको उनको सपनों का फल बताते हैं फल का अर्थ जानकर सभी प्रजाजन वह इंद्रगण और देवगन भी गर्व कल्यानक महोत्सव मनाते हैं । जब तीर्थंकर का जन्म होता है तो तीन लोगों में हर्ष का वातावरण छा जाता है 24 घंटे नरक में यातनाएं भोगने वाले नारकीय जीवो को भी एक क्षण के लिए सुख शांति का अनुभव होता है भव्य जीवो के भाग्य खुल जाते हैं इंद्रो का आसान कंपाए मान होता है तथा उन्हें ज्ञात होता है कि तीर्थंकर का जन्म हो गया है तब वह सदल बल तीर्थंकर का जन्म कल्याणक मनाने चल पड़ते हैं।

आदमपुर में लापरवाह सफाई कर्मी से ग्रामीण परेशान, डीपीआरओ से कार्रवाई की मांग तेज

समाज जागरण बागपत।

ग्राम आदमपुर (ब्लॉक बिनौली) के ग्रामीण वर्षों से खराब सफाई व्यवस्था से परेशान हैं। चार साल से तैनात सफाई कर्मी सलाउद्दीन के लगातार लापरवाही भरे रवैये के खिलाफ ग्रामीणों ने जिला पंचायत राज अधिकारी से शिकायत कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि सफाई कर्मी न तो नियमित रूप से ड्यूटी करता है और न ही गाँव में किसी कार्यक्रम या शादी समारोह के समय सफाई के लिए मौजूद रहता है। आरोप है कि उसने अपनी जगह किसी अन्य व्यक्ति को लगा रखा है, लेकिन वह भी काम ठीक से नहीं करता। इससे पूरे गाँव में गंदगी का माहौल बना हुआ है और लोग काफी परेशान हैं। शिकायतकर्ता मिंटू कुमार का कहना है कि गाँव की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जबकि ग्रामीण कई बार उससे सफाई कराने की मांग कर चुके हैं, लेकिन उसने कभी ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने डीपीआरओ से मांग की है कि सलाउद्दीन को तत्काल आदमपुर से हटाया जाए और उसकी जगह सफाई कर्मचारी सुदेश कुमार को तैनात किया जाए, जो अपना काम ईमानदारी से करता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उच्च अधिकारियों तक मामला पहुंचाएंगे। गाँव में साफझसफाई की बदहाल स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों की यह मांग अब तेजी से चर्चा में है।

सड़क पर अतिक्रमण करने का आरोप,तीन का चालान

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी दो पक्षों ने एक दूसरे पर रास्ते पर सामान डालकर अतिक्रमण करने व दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गाली-गलौज सहित मारपीट करने का आरोप लगाकर थाने पर तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों का चालान किया है।बुधवार को थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी ग्रामीण फरहत हुसैन ने बताया कि गांव के उसके पड़ोसी आजम अली ने रास्ते पर सामान डालकर व अपने घर के बाहर सीढ़ियां बनाकर अतिक्रमण कर रखा है। रास्ते पर अतिक्रमण हो जाने से पीड़ित सहित आने जाने वाले राहगीरों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि जब कोई ग्रामीण व पीड़ित विरोध करता है तो आरोपी उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट भी करता है। दूसरी और दूसरे पक्ष के आजम अली ने भी अपने पड़ोसी फरहत हुसैन पर चबूतरा बनाकर अतिक्रमण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है। दोनों पक्षों ने अतिक्रमण हटाने की मांग करते हुए कार्रवाई करने की गुहार लगाकर तहरीर दी है। पुलिस ने मामले में, यासीन, यासिन ,व लिलू को हिरासत में लेकर चालान कर दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है, दो पक्षों की तहरीर मिली थी तीन लोगों का चालान कर दिया है।

युवक का गोली लगा शव मिला, आत्महत्या की आशंका

— पानीपत के राणा माजरा का रहने वाला था युवक,
पास में ही पड़ा मिला तमंचा
— परिजनों ने चार लोगों पर हत्या का लगाया आरोप

समाज जागरण

शामली कैराना।(फुरकान जंग) गन्ने के खेत में हरियाणा के पानीपत जिले के गांव राणा माजरा निवासी एक युवक का गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। पास में ही तमंचा पड़ा मिला। इससे आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं, मृतक के परिजनों ने चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही तमाम बिंदुओं पर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

बुधवार प्रातः करीब 11 बजे क्षेत्र के गांव भूरा–बराला मार्ग पर भूरा के जंगल में किसान पवन शर्मा के गन्ने के खेत में एक युवक का गोली लगा शव पड़ा हुआ मिला। सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मृतक के पास ही तमंचा भी पड़ा था, जिसमें खोखा कारतूस फंसा था। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड व एक बाइक की आरसी से उसकी शिनख्त परवेज निवासी गांव राणा माजरा थाना सनौली जनपद पानीपत हरियाणा के रूप में हुई। उधर, एएसपी सुमित शुक्ला फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने गहनता के साथ निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि मृतक दो भाइयों में बड़ा था और अविवाहित था। वह पानीपत स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, मृतक के भाई अरमान ने आरोप लगाया कि करीब पांच दिन पूर्व उसके भाई परवेज को दो युवक अपने दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर ले गए थे। तभी से उसका कोई पता नहीं चल पा रहा था। उसने चारों लोगों पर भाई की हत्या करने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, परवेज के हरियाणा के घरौंडा से किसी मुकदमे में वांछित होने की चर्चा है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। एएसपी सुमित शुक्ला का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। वह किसी मुकदमे में वांछित था या नहीं, इसके बारे में भी जानकारी की जाएगी। पुलिस तमाम बिंदुओं पर जांच–पड़ताल कर रही है।

चाट के काम पर गए युवक के साथ मारपीट, कार्रवाई की मांग

समाज जागरण कांधला।

कस्बा निवासी एक युवक ने चाट के काम पर गए अपने साथियों सहित ठेकेदार पर बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है। कस्बा निवासी अमन ने बताया कि एक महा पूर्व कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक व्यक्ति पीड़ित व अन्य युवकों को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में चाट के काम पर ले गया था। आरोप है की देर रात्रि ठेकेदार सहित कई लोगों ने पीड़ित को शराब पीकर बंधक बना लिया। और पीड़ित के साथ जमकर मारपीट की सुबह सवेरे पीड़ित के परिजन पहुंच गए और पीड़ित को बंधन मुक्त कराया। बुधवार को युवक ने अपने परिजनों के साथ थाने पर पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित को जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान गंभीर रूप से घायल, मेरठ में चल रहा इलाज

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव अट्ठा निवासी बाइक सवार किसान अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किसान टीकाराम की स्थिति नाजुक बताई जा रही है और मेरठ के आनंद हॉस्पिटल में उसका उपचार जारी है।जानकारी के अनुसार, किसान टीकाराम मंगलवार देर शाम अपनी बाइक से खेत का काम निपटाकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह बुढ़ाना रोड स्थित रेलवे फाटक के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।हादसे के बाद मौके पर मौजूद राजगीरों ने तुरंत किसान के परिजनों को सूचना दी। परिजन घायल को पहले शामली के निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें मेरठ रेफर कर दिया गया। मेरठ के आनंद हॉस्पिटल में किसान का इलाज जारी है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने थाने पर कोई भी शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

मैरिज होम के बाहर से ग्रामीण की बाइक चोरी

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी एक ग्रामीण की मैरिज होम के बाहर से चोरों ने बाइक चोरी कर ली पीड़ित ग्रामीण ने थाने पहुंचकर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस जांच में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी ग्रामीण करण सिंह ने बताया कि वह गांव के ही राधा कृष्ण मैरिज होम में दावत खाने के लिए गया था और अपनी बाइक मैरिज होम के बाहर खड़ी कर रखी थी। पीड़ित का आरोप है की तभी किसी चोर ने मौका पाकर उसकी बाइक चोरी कर ली। जब पीड़ित खाना खाकर वापस लौटा तो मोटर साइकिल अपने स्थान पर नहीं थी।खोजबीन करने के बाद भी बाइक का कहीं सुराग नहीं लगा। पीड़ित ग्रामीण ने बुधवार को थाने पर पहुंचकर तहरीर देकर अपनी बाइक को बरामद करने की गुहार लगाई है पुलिस चोर की तलाश में जुटी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग के टीका उत्सव का शुभारंभ

समाज जागरण

कैराना। एक दिसंबर से 31 दिसंबर तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा शून्य से पांच साल तक के बच्चों का टीकाकरण करने हेतु टीका उत्सव का शुभारंभ किया गया। बुधवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भाजपा नेता अनिल चौहान ने टीका उत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने अपील की है कि अपने बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य व बीमारियों से बचाव हेतु टीका अवश्य लगवाना चाहिए, जिससे बच्चे स्वस्थ रहे। चिकित्साधीक्षक डॉ. शैलेंद्र चौरसिया ने बताया कि एक दिसंबर से 31 दिसंबर तक ब्लॉक क्षेत्र में 268 स्थानों पर एएनएम कैंप लगाकर बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाव हेतु टीके लगाएगी। इस अवसर पर ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक अतुल गर्ग आदि मौजूद रहे।

बिल्ली मारकुंडी के 37 खदानों को बन्द करने के आदेश से बढ़ी चिंता, हजारों मजदूरों की आजीविका पर बढ़ा संकट

क्रेशर ऑनर्स एसोसिएशन ने पत्र भेज मजदूरों, परिवहन कर्मियों व व्यापारियों की समस्याओं से कराया अवगत

समाज जागरण/
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। जिले में 37 खदानों को बंद करने के आदेश के बाद खनन क्षेत्र से जुड़े मजदूरों, परिवहन कर्मियों और स्थानीय कारोबारों में गहरी चिंता की स्थिति बन गई है। 15 नवंबर को हुई दुर्घटना में 7 श्रमिकों की मौत के बाद पहले से ही संवेदनशील माहौल था, ऐसे में खदान बंदी ने हजारों परिवारों की आजीविका पर नया संकट खड़ा कर दिया है।डाला-बिल्ली क्रशर ऑनर्स एसोसिएशन ने खान सुरक्षा निदेशक वाराणसी क्षेत्र को भेजे गए पत्र में कहा है कि खदान बंद होने से प्रशासनिक प्रक्रिया तो प्रभावित होगी ही, साथ ही रोज कमाने-खाने वाले मजदूरों की स्थिति सबसे अधिक चुनौती पूर्ण हो जाएगी। सुबह से कई खनन क्षेत्रों में मजदूरों को काम न मिलने पर असमंजस की स्थिति देखी गई। परिवहन और निर्माण कार्यों पर भी इसका असर दिखाई देने लगा है।एसोसिएशन ने बताया कि ई-टेंडरिंग खदानों से प्रतिदिन 5 से 12 लाख रुपये तक की रॉयल्टी जमा होती है, जो प्रदेश के राजस्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अचानक बंदी से यह राजस्व प्रभावित होगा और खनन पर आधारित छोटे व्यवसायों की गतिविधियां भी धीमी पड़ सकती हैं। कई मजदूरों और ट्रांसपोर्टरों ने चिंता व्यक्त की कि यदि स्थिति लंबी चली तो उनके परिवारों के सामने आर्थिक दिक्कतें बढ़ जाएंगी।2012 में हुई इसी तरह की बंदी का उल्लेख करते हुए एसोसिएशन अध्यक्ष अजय सिंह व सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि उस समय पूर्वांचल के कई हिस्सों में रोजगार के अवसर कम हो गए थे और मजदूरों का पलायन बढ़ गया था। वर्तमान परिस्थितियों में भी एक बार फिर वही स्थिति दोहराए जाने की आशंका जताई जा रही है। एसोसिएशन का कहना है कि सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करना अनिवार्य है और खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए, लेकिन बंदी के प्रभावों पर भी समग्र रूप से विचार जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि श्रमिकों की सुरक्षा और उद्योग के हितों को संतुलित रखते हुए आदेश पर पुनर्विचार किया जाए, ताकि रोजगार, सरकारी राजस्व और चल रहे विकास कार्य प्रभावित न हों।

साइबर टीम की पहल, कराये रुपये वापस, लोगों ने किया पुलिस की भूरि भूरि प्रसंशा

समाज जागरण/
अनिल कुमार अग्रहरी

कोन/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा के दिशा निर्देशन में एवं प्रभारी निरीक्षक कोन के कुशल नेतृत्व में स्थानीय थाना के साइबर टीम के द्वारा आवेदक सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र स्व० शिवशंकर निवासी ग्राम रानीडीह थाना कोन जनपद सोनभद्र द्वारा गलती से किसी गलत नम्बर पर पैसा भेज दिया गया था जिसके संबंध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराया गया था उक्त प्रकरण के संबंध में थाना स्थानीय के साइबर टीम द्वारा NCRP पोर्टल का अवलोकन कर आवश्यक साक्ष्य संकलित कर सम्बन्धित बैंक से पत्राचार के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करते हुए गलत टान्सफर हुए धनराशि कुल 4085/- को आवेदक के मूल खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया। जिस पर आवेदक द्वारा थाना स्थानीय के साइबर टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की गयी। धनराशि वापस कराने वाली टीम में मुख्य रूप से प्र0नि0 संजीव कुमार सिंह कोन, उ0नि0 शशिकान्त सिंह चौकी प्रभारी रानीडीह थाना कोन, का0 रोहित यादव थाना कोन शामिल रहे।

प्री-इंस्टॉल नहीं रहेगा संचार साथी, सरकार ने आदेश लिया वापस

विभाग ने आगे कहा कि 1.4 करोड़ उपयोगकताओं ने इस ऐप को डाउनलोड किया और वे प्रतिदिन 2,000 धोखाधड़ी की घटनाओं की जानकारी दे रहे हैं भारत सरकार ने स्मार्टफोन विनिमार्ताओं को अगले साल मार्च तक सभी हैंडसेट में संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल (प्री-इंस्टॉल) करने का जो निर्देश दिया था, उसे विवाद को देखते हुए वापस ले लिया गया है। सरकार के इस कदम से खूब राजनीतिक हंगामा हुआ और सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखी गई। दूरसंचार विभाग ने आज कहा कि स्मार्टफोन विनिमार्ताओं को पहले ऐप इंस्टॉल करने का आदेश नहीं दिया गया था और यह निर्णय सरकार द्वारा पिछले महीने जारी निर्देश के बाद ऐप डाउनलोड में भारी वृद्धि देखने के बाद लिया गया। दूरसंचार विभाग ने एक बयान में कहा, ह्यसंचार साथी की बढ़ती स्वीकृति को देखते हुए सरकार ने मोबाइल विनिमार्ताओं के लिए इसे पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है।अधिकारियों के अनुसार विभाग इस संबंध में परिपत्र जारी करेगा। सरकार का यह बयान इस स्पष्टीकरण के एक दिन बाद आया है कि ऐप को डिलीट भी किया जा सकता है।

"एआई की दुनिया में विश्वास ही सबसे बड़ा मूल्य" – एक्सएलआरआइ में 'मनकृति 2.0' का सफल आयोजन

समाज जागरण 03.12.2025
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के पीजीडीएम (जीएम) छात्रों ने एआइ नेक्सस क्लब के बैनर तले ह्यमनकृति 2.0ः ट्रस्ट, ट्रुथ एंड ट्रांसफॉर्मेशन-बिल्डिंग रिस्पॉन्सिबल एआइ फॉर द नेक्स्ट डिकेडह्न का आयोजन किया. इस एआइ कॉन्क्लेव में उद्योग जगत के विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं और तकनीकी नेताओं ने हिस्सा लिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की रूपांतरणकारी शक्ति, बदलते कारोबारी परिदृश्य तथा भविष्य के नेतृत्व मॉडल पर अपने विचार साझा किए. कार्यक्रम की शुरूआत एक्सएलआरआइ के एसोसिएट डीन (एक्सओएल) एवं मार्केटिंग विभाग के प्रख्यात प्रो. गिरिधर रामचंद्रन के उद्घाटन संबोधन से हुई. उन्होंने कहा कि आने वाला दशक उन्हीं कॉर्पोरेट लीडरों का होगा, जो इनोवेशन को विवेक के साथ संतुलित रखेंगे तथा यह समझेंगे कि एआइ की दुनिया में ह्यविश्वासह्न ही सबसे बड़ा मूल्य है. उन्होंने छात्रों से अपील किया कि वे एआइ को सिर्फ तकनीकी साधन न मानकर जिम्मेदारी के रूप में अपनाएँ, जिसमें नैतिकता, स्पष्ट उद्देश्य और मानवीय संवेदना केंद्र में हों.

29 नवंबर 2025 को आयोजित इस वार्षिक कॉन्क्लेव में तीन प्रमुख पैनल चर्चा हुईं. पहला पैनल ह्यइंजीनियरिंग इंटेलिजेंसह्न में विशेषज्ञों ने पीओसी से आगे बढ़कर स्केलेबल, एक्सप्लेनेबल और बिजनेस-रेडी एआइ की जरूरत पर बल दिया. उन्होंने बताया कि एआइ की परिपक्वता मजबूत डेटा गवर्नेंस, क्लाउड-नेटिव प्लेटफॉर्म, एमएलऑप्स और स्पष्ट बिजनेस लक्ष्यों के संयोजन से ही संभव है.

दूसरे पैनल रीडिफाइनिंग टैलेंट ने भविष्य के कार्यस्थल पर चर्चा की. वक्ताओं ने कहा कि एआइ मानव क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि उन्हें सशक्त बना रहा है. आने वाले रोल अधिक हाइब्रिड होंगे, जिनमें तकनीकी समझ के साथ समस्या-समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व और सहानुभूति जैसी क्षमताएं अनिवार्य होंगी. सतत सीखना और अनुकूलन भविष्य के पेशेवरों के मूल मंत्र बताए गए.

तीसरे पैनल एआई एथिक्स बाय डिजाइन में पारदर्शिता, निष्पक्षता, गोपनीयता और वैश्विक एआई शासन पर व्यापक चर्चा हुई. विशेषज्ञों ने कहा कि बायस मिटिगेशन, एक्सप्लेनेबिलिटी और प्राइवेसी अब विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता हैं. जो संस्थान नैतिक ढांचे को मजबूती से अपनाएँगे, वही विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर पाएंगे.

कॉन्क्लेव में उद्योग जगत के चुनिंदा दिग्गज लीडरों ने विचार साझा किए, जिनमें अप्टिव, केर्नी, ईवाई, कान्वेरा, एक्सेंचर, बीसीजी, नील्सनएआई, आईबीएम, डेल, माइक्रोसॉफ्ट और पीडब्ल्यूसी जैसी संस्थाओं के वरिष्ठ विशेषज्ञ शामिल थे.

कार्यक्रम का समापन प्रो. सुनील सारंगी के संबोधन से हुआ. उन्होंने कहा कि एआइ की तीव्र प्रगति के बीच मानव मूल्य और सामाजिक सरोकार ही असली दिशा प्रदान करते हैं. उन्होंने छात्रों से जिज्ञासा, विनम्रता और करुणा के साथ नेतृत्व करने की अपील की. आयोजन के सफल संचालन में फादर एस. जॉर्ज एसजे, फादर डोनाल्ड डिसिल्वा एसजे, प्रो. संजय पात्रो, प्रो. सुनील सारंगी और प्रो. गिरिधर रामचंद्रन के मार्गदर्शन की सराहना की गई. कार्यक्रम प्रो. कनगराज अय्यालुसामी और सुश्री हरिप्रिया बी के नेतृत्व में एआई कमेटी ने सफलतापूर्वक संपन्न किया.

विद्या भारती चिन्मय विद्यालय का 40वी वार्षिक एथलेटिक मीट आयोजित

समाज जागरण 03.12.2025
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

टेल्को स्थित विद्या भारती चिन्मय विद्यालय के मिनी स्टेडियम में बुधवार, 3 दिसंबर को विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्री विष्णु चंद्र दीक्षित के मार्गदर्शन एवं प्राचार्या श्रीमती मीना विल्खू के निर्देशन में 40वीं वार्षिक एथलेटिक मीट आयोजित की गई । दिवस विशेष के मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंध समिति की कोषाध्यक्षा सुश्री मृदुला सचदेव उपस्थित थीं। प्रार्थना, पुष्पांजलि अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ। कक्षा नवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने मार्चपास्ट किया। तदुपरांत मुख्यातिथि ने खेल उत्सव के आरंभ की औपचारिक घोषणा की और मशाल प्रज्वलित की। एक स्वस्थ खेल भावना के तहत स्कूल कैप्टन ने खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण करवाया। मुख्य अतिथि सुश्री मृदुला सचदेव ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर कक्षा सातवीं के छात्रों ने मंत्रोच्चार पर सूर्य नमस्कार के विभिन्न आसनों का मनमोहक प्रदर्शन किया। इसी के साथ विभिन्न स्पधाएँ आरंभ हुईं। पुरस्कार वितरण के साथ दिवस विशेष का समापन हुआ।

मार्च पास्ट प्रतियोगिता का विजेता वरुणा हाउस रहा; वहीं व्योमा हाउस दूसरे स्थान पर रहा।

दिवस विशेष पर वरुणा को सबसे अनुशासित हाउस घोषित किया गया।और उपविजेता समीरा हाउस रहा।

वार्षिक एथलेटिक मीट में विभिन्न आयु वर्गों के अनुसार व्यक्तिगत चैंपियनशिप के परिणाम घोषित किए गए, जिनमें अंडर-12 गर्ल्स वर्ग में इंद्रा हाउस की आर्या झा, -अंडर 12 बॉयज में इंद्रा हाउस के चंदन महतो, अंडर-14 गर्ल्स में वरुणा हाउस की अन्वी सिंह, अंडर-14 बॉयज में इंद्रा हाउस के करण मुंडा,अंडर-17 गर्ल्स में वरुणा हाउस की इशिका माझी, अंडर-17 बॉयज में वरुणा हाउस के मंजीत कर्मकार, अंडर-19 गर्ल्स में वरुणा हाउस की मायारानी पात्रा, तथा अंडर-19 बॉयज में इंद्रा हाउस के विशाल मंडल व्यक्तिगत चैंपियन घोषित हुए। हाउस चैंपियनशिप के अंतर्गत अंडर-12 गर्ल्स में इंद्रा हाउस (संग्रहकर्ताः आर्या झा), अंडर-12 बॉयज में इंद्रा हाउस (संग्रहकर्ताः चंदन महतो), अंडर-14 गर्ल्स में समीरा हाउस (संग्रहकर्ताः सुरभि सिंह), अंडर-14 बॉयज में इंद्रा हाउस (संग्रहकर्ताः करण मुंडा), अंडर-17 गर्ल्स में वरुणा हाउस (संग्रहकर्ताः इशिका माझी), अंडर-17 बॉयज में सोमा हाउस (संग्रहकर्ताः अतुल बाड़ा), अंडर-19 गर्ल्स में वरुणा हाउस (संग्रहकर्ताः मायारानी पात्रा) तथा अंडर-19 बॉयज में इंद्रा हाउस (संग्रहकर्ताः विशाल मंडल) विजेता रहे।

ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी का विजेता वरुणा हाउस और उपविजेता इन्द्रा हाउस रहा।

विद्यालय प्राचार्या श्रीमती मीना विल्खू के अनुसार शैक्षिक सत्र के दौरान सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में खेलकूद का विशेष महत्त्व है; यह विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक और भावनात्मक कल्याण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास में तो वृद्धि करता ही है; इससे उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं व विजेताओं को बधाई दीं।

श्रीभूमि में लगातार बढ़ रही गाय चोरी की घटनाओं से दहशत, पुलिस-प्रशासन की निष्क्रियता पर रोष

ग्रामीणों ने डीसी सहित उच्च अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की

श्रीभूमि संवाददाता, समाज जागरण

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर क्षेत्र में लंबे समय से लगातार हो रही गाय चोरी की घटनाओं ने स्थानीय निवासियों में भय और असंतोष का माहौल पैदा कर दिया है। क्षेत्र के कई गांवों में दिन-दहाड़े और रात के अंधेरे में संगठित तरीके से गाय चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे लोग आर्तकित हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले चोरी की घटनाएं रात तक सीमित थीं, लेकिन अब चोर दिन में भी खुलेआम निर्भीक होकर गाय उठा ले जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में विहाईरडाला, हुलासनगर और पेछायाला सहित कई इलाकों से गाय चोरी की शिकायतें दर्ज की गई हैं। शनिवार रात विहाईरडाला निवासी अलमास उद्दीन के गोदाम से एक बैल और एक गाय चोरी हो गई। शुक्रवार रात हुलासनगर से एक गाय के गायब होने की जानकारी मिली, जबकि उससे एक दिन पूर्व पेछायाला गांव से दो से तीन गायों के चोरी होने की खबर सामने आई।

लगातार बढ़ती इन घटनाओं पर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका आरोप है कि पुलिस प्रशासन और ग्राम सुरक्षा दल पूरी तरह निष्क्रिय बने हुए हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद न तो रात में गश्त बढ़ाई गई और न ही चोर गिरोहों पर सख्त कार्रवाई की कोई पहल दिखाई देती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण ही चोरों का मनोबल बढ़ता जा रहा है और वे लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

गाय पालन गरीब किसानों की आजीविका का मुख्य स्रोत है, ऐसे में बार-बार गाय चोरी होने से कई परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति पूरी तरह अनियंत्रित हो सकती है।

ग्रामीणों ने जिले के उपायुक्त (डीसी) सहित उच्च प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए मांग की है कि क्षेत्र में तुरंत सख्त गश्ती, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी, और ग्राम सुरक्षा दल को सक्रिय करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि गाय चोरी की इन लगातार वारदातों पर रोक लगाई जा सके।

असम दुमदुमा में तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था स्वर्ण जयंती समारोह हेतु लाई खुंटा (मुल स्तंभ) स्थापित।

समाज जागरण गोरख नाथ गुप्ता

असम के तिनसुकिया जिला के दुमदुमा चाय नगरी दुमदुमा में आगामी 9 दिसंबर से 13 दिसंबर को विभिन्न कार्य सूची के साथ आयोजित तिनसुकिया जिला पत्रकार संस्था के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन तथा 24 वां द्विवार्षिक अधिवेशन कार्यक्रम हेतु दुमदुमा नगर खेल मैदान में मंडप निर्माण का लाई खुंटा (मुल स्तंभ)स्थापित किया गया। इस अवसर पर दुमदुमा नगर खेल मैदान में आज दिन के 11 बजे विधिवत रूप से मांगलिक पूजा के साथ दिसाम सत्र के सत्राधिकार बाबुल दाहोतिया ने समारोह के मूल मंडप का लाई खुंटा स्थापित किया।इस कार्यक्रम में स्वागत समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ प्रणव ज्योति डेका, अनुज कलिता, मुख्य सचिव अभिजीत खाटनियार और राणा सोनार, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ ऋषि दास, सचिव राणा ज्योति नेउग, तिनसुकिया पत्रकार संस्था के अध्यक्ष कमल तालुकदार, दुमदुमा प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज दत्त, काकोपथार प्रेस क्लब के अध्यक्ष रातुल कलिता, सैखोवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष शांतनु गोस्वामी, तिनसुकिया जिला छात्र संघ के अध्यक्ष प्रतीम नेउग असम जातीयता वादी युवा छात्र परिषद के सह सचिव सुरजीत मोरान, अखिल मोरान छात्र संस्था के कार्यालय सचिव पद्मजीत मोरान, दुमदुमा आंचलिक छात्र संस्था के सभापति समुज्ज्वल सोनोवाल ,साधारण सचिव विराज गोहाईं, दुमदुमा आंचलिक युवा छात्र के सभापति व साधारण सचिव क्रमशः हीरक ज्योति मोरान, छत्रपति मोरान, दुमदुमा शतदल शाखा साहित्य सभा के सभापति देवेन डेका, असम विज्ञान समिति के दुमदुमा शाखा के सचिव धीरेन डेका के अलावा जिला के विभिन्न शहरों के पत्रकार ,अनुष्ठान, प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि और सांस्कृतिक कर्मी उपस्थित थे

गरीब आदिवासी परिवार की 5 वर्षीय अर्चना बर्मन आग से बुरी तरह झुलसी

उपचार के लिए तत्काल सरकारी सहायता की मांग, CM-स्वास्थ्य मंत्री-स्थानीय विधायक का ध्यान आकर्षित

श्रीभूमि संवाददाता,
दैनिक समाज जागरण

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुल्लभछड़ा के पास स्थित रांखल गांव के भेटारबंद जीपी में एक अत्यंत गरीब आदिवासी परिवार की 5 वर्षीय बच्ची अर्चना बर्मन भयावह आग लगने की दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दिल दहला देने वाली घटना 28 नवंबर की सुबह हुई, जब ठंड से बचने के लिए घर के बाहर जल रही लकड़ियों में अचानक आग फैल गई और मासूम अर्चना उसकी चपेट में आ गई।

परिवार ने तत्काल आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बच्ची गंभीर रूप से झुलस चुकी थी। उसे पहले दुल्लभछड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सिलचर मेडिकल में भर्ती कराने के बावजूद कई दिनों तक उचित सुधार न होने पर परिवार को मजबूर होकर बच्ची को ग्रीन हिल्स अस्पताल ले जाना पड़ा। वहाँ लंप इंफेक्शन और ऑक्सीजन की समस्या के कारण उसे पुनः स्थानांतरित कर एक प्राइवेट नर्सिंग होम, जीवन ज्योति मेडिकल, ले जाया गया।

आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार के सामने इलाज का खर्च वहन करना मुश्किल हो गया। एडमिशन के लिए पैसे न होने पर

इलाज पूरी तरह रुकने की स्थिति बन गई। इसी बीच, सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी होने के बाद रामकृष्णनगर के सोनबिल के पूर्व एनएफ रेलवे चीफ इंजीनियर प्रद्युत दास ने सामाजिक कार्यकर्ता आशीष चक्रवर्ती द्वारा साझा किए गए वीडियो को देखकर परिवार से संपर्क किया और सिलचर पहुंचकर 11,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उनकी पहल पर बच्ची का इलाज फिर से शुरू हो सका।

हालाँकि बच्ची की स्थिति में सुधार के लिए अभी भी उन्नत उपचार की आवश्यकता है, जो परिवार के सामर्थ्य से बाहर है। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष चक्रवर्ती लगातार लोगों से मदद जुटा रहे हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण सरकारी हस्तक्षेप अब अनिवार्य हो गया है। बच्चे के पिता नीलमणि बर्मन ने बताया कि वर्तमान चिकित्सा खर्च वह वहन नहीं कर सकते और यदि सरकारी सहायता नहीं मिली तो बच्ची का उपचार रुक सकता है।

स्थानीय लोगों ने भी सवाल उठाए हैं कि जब सिलचर मेडिकल कॉलेज सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में जाना जाता है, तो जलन पीड़ित मासूम को प्राइवेट नर्सिंग होम में क्यों ले जाना पड़ा? यह व्यवस्था में गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है।

इस दुखद परिस्थिति में मासूम बच्ची के जीवन को बचाने के लिए ग्रामीणों एवं परिवार ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल और स्थानीय विधायक विजय मालाकार से तत्काल सरकारी सहायता प्रदान करने की अपील की है, ताकि अर्चना को सर्वोत्तम चिकित्सा मिल सके और वह जल्द स्वस्थ होकर घर लौट सके।

राताबाड़ी में सनसनीः याबा टैबलेट और पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार

श्रीभूमि पुलिस व राताबाड़ी थाना के संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता

दैनिक समाज जागरण

श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी क्षेत्र में पुलिस की संयुक्त छापेमारी में पिस्तौल और याबा टैबलेट बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मंगलवार शाम श्रीभूमि पुलिस के डीएसपी ऋतु राज मजूमदार तथा राताबाड़ी थाना प्रभारी बिमल छेत्री की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर शुगारमिल तिमाथा क्षेत्र में छापा मारा। छापेमारी के दौरान त्रिपुरा के धर्मनगर जिले के निवासी देबज्योति बनिक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, युवक के पास से 7.56

एमएम की पिस्तौल और 22 ग्राम याबा टैबलेट बरामद हुई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी का संबंध अवैध हथियार तस्करी गिरोह से हो सकता है। इस घटनाक्रम से राताबाड़ी क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। थाना पुलिस ने बताया कि मामले में और कौन लोग शामिल हो सकते हैं, इसकी जांच जारी है।

गिरफ्तार युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

"मैडम, पैड महंगा होता है..." आईएएस अस्मिता लाल ने सुनी पुकार, 'निरा' बनकर आया बागपत का स्थायी समाधान

- अब न चुप्पी, न संकोचः बेटियों की आवाज से जन्मी 'निरा', कॉटन री-यूजेबल पैड मॉडल को लागू करने वाला देश का प्रथम जिला बागपत

- बागपत प्रशासन के संकल्प से बदलती तस्वीर—महंगाई, संकोच और कचरे के संकट का एक ही समाधानः 'निरा'

- बागपत की बेटियों ने कहा "हमें समाधान चाहिए"; जिलाधिकारी ने दिया जवाब—'निरा' कल से घर-घर पहुंचेगा

समाज जागरण

बागपत दिनांक 03 दिसंबर 2025 - अब न तो बागपत की महिलाओं और बालिकाओं की पहुँच से सुरक्षित पैड दूर रहेगा और न ही माहवारी की परेशानियों पर यह चुप्पी होगी। जिस मुद्दे पर कभी घरों में बात तक नहीं होती थी, वही समस्या जब मिशन शक्ति संवाद के दौरान स्कूलों में पढ़ने वाली बेटियों और गांव की महिलाओं ने सीधे जिलाधिकारी के सामने रखी, तो प्रशासन ने तय किया कि अब इस दर्द को अनदेखा नहीं किया जाएगा। हर माह होने वाली परेशानी, खर्च का बोझ, असुरक्षित साधनों का जोखिम और कचरे का संकट—इन सबका समाधान अब बागपत प्रशासन अपने साथ लेकर आया है। यह समाधान है निरा—कॉटन आधारित, सुरक्षित, पुनःप्रयोग योग्य सेनेटरी पैड, जो कल से जिले में महिलाओं और किशोरियों तक पहुंचने जा रहा है।

जिलाधिकारी आईएएस अस्मिता लाल के संवेदनशील नेतृत्व में रामा मेडिकल कॉलेज के सीएसआर और यूनिसेफ इंडिया एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से कल नगर पालिका बड़ौत में रविदास मंदिर वार्ड संख्या 01 में दोपहर 12.00 बजे आयोजित विशेष समारोह में निरा पहल शुरू की जाएगी जिसमें महिलाओं को 100% कॉटन से बने री-यूजेबल सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएंगे जिन्हें दो से तीन साल तक इस्तेमाल किया जा सकता है। बागपत इस मॉडल को लागू करने वाला देश का प्रथम जिला है। इन पैड्स में प्लास्टिक या केमिकल का उपयोग नहीं किया गया है, जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है और पर्यावरण पर भी बोझ नहीं पड़ता। यह महिलाओं की गरिमा, स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़ा संपूर्ण समाधान है। ये सुरक्षित हैं, प्लास्टिक-रहित हैं, केमिकल-रहित हैं और ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक रूप से भी बेहद राहत देने वाले हैं।

बागपत में महंगे पैड की समस्या जितनी बड़ी है, उससे बड़ा संकट है डिस्पोजेबल पैड्स का बढ़ता कचरा। गांवों में नालियों, खेतों, सड़कों और कूड़ा स्थलों पर पड़े इस कचरे से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। कई जगह इन्हें जलाया भी जाता है, जिससे हवा, पानी और मिट्टी तीनों प्रभावित होती हैं। सफाई कर्मियों के लिए भी यह जोखिम का कारण बनता है। निरा इस समस्या को जड़ से कम करेगा, क्योंकि इसके पैड पर्यावरण-अनुकूल हैं और कचरा लगभग न के बराबर होता है। इसे देखते हुए प्रशासन मानता है कि री-यूजेबल पैड ही जिले के लिए सबसे व्यावहारिक विकल्प हैं।

बागपत में कुछ समय पहले हुए महिलाओं संग हक की बात कार्यक्रम और बालिका विद्यालयों में जिलाधिकारी के भ्रमण के दौरान जब कई लड़कियों और महिलाओं ने जिलाधिकारी के सामने माहवारी से जुड़ी अपनी दिक्कतें, खर्च का बोझ और सुरक्षित साधनों की कमी खुलकर बताई, तो जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने वहीं तय कर लिया था कि इसका कोई टिकाऊ समाधान जिले को देना ही होगा। इसी संकल्प का परिणाम है कि कल से जिले में निरा पहल शुरू होने जा रही है, जो महिला स्वास्थ्य और पर्यावरण—दोनों के लिए एक नया विकल्प लेकर आई है।

निरा की एक और खासियत यह है कि यह केवल पैड वितरण तक सीमित नहीं है। प्रशासन इस पहल को व्यापक जागरूकता अभियान के रूप में चलाएगा। कार्यक्रम में उपयोग की सही विधि, स्वच्छता के मूल नियम और संक्रमण से बचाव पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर महिलाओं के लिए सरल भाषा में उपयोग गाइड भी तैयार की गई है, जिसमें यह बताया गया है कि पैड को कैसे धोना, सुखाना और सुरक्षित रखना है।

महिलाओं में इस नई पहल को लेकर उत्साह भी दिख रहा है। निरा जमीनी जरूरतों से जुड़ा हुआ समाधान है। जिला प्रशासन की योजना इससे आगे बढ़कर भी है। आने वाले महीनों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पैड निर्माण कार्य से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है। इससे गांवों में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और महिलाएँ आर्थिक रूप से और सशक्त होंगी। स्कूलों में किशोरियों को विशेष निरा किट भी दी जाएगी, जिसमें पैड्स के साथ स्वच्छता पुस्तिका भी शामिल होंगी।

समग्र रूप से देखा जाए तो निरा बागपत में महिलाओं के स्वास्थ्य, जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाली पहल है। प्रशासन की कोशिश है कि यह पहल न केवल समस्या को कम करे, बल्कि जिले में एक नई सोच भी स्थापित करे—कि माहवारी जीवन की सामान्य प्रक्रिया है और इसे सुरक्षित, सम्मानजनक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से संभालना परिवार एवं समाज की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी आईएएस अस्मिता लाल के नेतृत्व में बागपत में महिलाओं एवं बेटियों के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित कर मिशन शक्ति को नई मजबूती दी जा रही है जिसमें हाल ही में आयोजित हमारी बेटी हमारी कुलदीपक, आंचल ब्रेस्टफीडिंग बूथ जैसी नवाचारी पहल शामिल है जिसमें अब निरा पैड्स मुहिम भी जुड़ गई।

रामजग बनाम श्रीपति प्रकरण : 14 साल पुरानी जमीनी लड़ाई का हुआ अंत, अदालत ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

समाज जागरण
सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश

लगभग 14 वर्षों से चले आ रहे चर्चित रामजग मिश्रा बनाम श्रीपति मिश्रा विवाद में अदालत ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए वादी राम यज्ञ (उर्फ.रामजग) के पक्ष में संबंधित मकान और जमीन की डिक्री कर दी। क्षेत्र में इस निर्णय का व्यापक स्वागत किया जा रहा है और ग्रामीणों ने कहा है कि यह फैसला न्यायपालिका पर विश्वास को और मजबूत करता है।

90 वर्षीय वृद्ध से धमकी व मारपीट कर कराया गया था बैनामा

यह मामला वर्ष 2010 का है, जब लगभग 90 वर्ष के वृद्ध राम यज्ञ से उनके भतीजे श्रीपति ने कथित रूप से मारपीट व धमकी देकर जमीन का बैनामा करा लिया था। आरोप है कि श्रीपति ने अपने रिश्तेदार सिद्धू के साथ मिलकर वादी को दहशत में रखा और इलाज के बहाने ले जाकर दबावपूर्वक दस्तावेज लिखवा लिए। वादी पक्ष के अनुसार, श्रीपति ने यह तक धमकी दी कि यदि जमीन नहीं लिखी गई तो वह वादी के इकलौते बेटे—जो अमेरिका में रहते हैं—को फंसाकर फांसी तक दिलवा देगा। भय और विवशता की स्थिति में वृद्ध ने बैनामा कर दिया था।

उपकारों के बावजूद हुआ विश्वासघात

स्थानीय लोगों ने बताया कि राम यज्ञ का परिवार वर्षों से श्रीपति मिश्रा के परिवार का सहारा रहा है। वादी के अमेरिका निवासी बेटे राम मिश्रा और बहू किरन मिश्रा ने श्रीपति की बेटी की शादी से लेकर उनके बेटे मोहन उर्फ संदीप मिश्रा की पढ़ाई व नौकरी तक में सहायता की।

साथ ही श्रीपति मिश्रा के इलाज और घर निर्माण में भी कई लाखों रुपये करके राम मिश्रा द्वारा ही करवाया गया था । लोगों का कहना है कि इसके बावजूद पीठ पीछे हुए इस विश्वासघात ने पूरे क्षेत्र को वर्षों तक दुख और आक्रोश में रखा।

अदालत ने कहा — दबाव और भय में कराया गया बैनामा मान्य नहीं

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि वृद्धावस्था, मारपीट, धमकी और भय दिखाकर कराया गया बैनामा वैधानिक रूप से स्वीकार्य नहीं है। साथ ही बैनामा कराने पर कोई भी प्रतिफल के रूम में नहीं दिया गया था अदालत ने वादी राम यज्ञ के पक्ष में मकान और जमीन की डिक्री जारी करते हुए संपत्ति का स्वामित्व वापस बहाल कर दिया।

श्रीपति मिश्रा के ही समधी सिद्धू शुक्ल समेत रिस्तेदार ही बने थे गवाही अदालत ने यह भी कहा कि रामयज्ञ मिश्रा की बेटी तहसील कादीपुर से सटे जिला अम्बेडकरनगर में रहती है वह उनको जानकारी भी दे सकते थे लेकिन रामयज्ञ मिश्रा की तरफ से कोई भी गवाही बैनामे में नहीं थी साथ ही वादी का पूरा परिवार समृद्ध और आर्थिक रूप से मजबूत होने के कारण बैनामा करने की किसी भी तरह की किसी भी सम्भावना से इंकार किया सूत्रों की माने तो इस पूरे षड़यंत्र को अंजाम देने में कादीपुर निवासी शुक्ला बिल्डिंग मटेरियल के संचालक और श्रीपति मिश्रा के समधी सिद्धू शुक्ला का हाथ बताया जा रहा है ' ग्रामीणों ने इस फैसले को सत्य की जीत और न्याय का उत्सव बताया है। लोगों ने कहा कि अदालत ने पुनः साबित कर दिया कि सत्य परेशान हो सकता है, पर पराजित नहीं।

क्षेत्र में खुशी की लहर

फैसले के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से चले आ रहे इस विवाद में आया यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए राहत है, बल्कि समाज के लिए भी बड़ा संदेश है कि न्याय देर से सही, मिलतो अवश्ये है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत पोस्टर पेंटिंग भाषण का आयोजन किया गया

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) रा० व० भा० विद्यालय पिपली (सिरसा) के विद्यार्थियों द्वारा सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत पोस्टर पेंटिंग रैली, भाषण का आयोजन किया। इस में प्रवक्ता प्रमोद कुमार ने बच्चों को स्वछता के प्रति जागरुकता लाने के लिए पोस्टर में पेंटिंग प्रतियोगिता का व प्रवक्ता जगदीप सिंह ने दैनिक जीवन में शौचालयों की सफाई के महत्व को बताया। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों पर बने हुए शौचालया को साफ सुथरा रखने व वातावरण को साफ रखने के बारे में बच्चों को अवगत करवाया। बच्चों द्वारा स्वच्छता व शौचालयों की

सफाई के बारे में एक रैली का आयोजन किया इस में जवाहर सिंह प्रवक्ता,सुकांत शर्मा प्रवक्ता गणित, श्री अमीत अमित कुमार चौधरी साईस अध्यापक भी जवाहर सिंह प्रवक्ता पंजाबी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों द्वारा शौचालय सवारे, जिंदगी निस्वारे (स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण) हमारा शौचालय हमारा भविष्य स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता के स्लोगन लगाकर बच्चों को जागरूक किया गया

डबवाली के गांव आसाखेड़ा में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का दिग्विजय सिंह चौटाला ने किया उद्घाटन

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने बुधवार को डबवाली क्षेत्र के गांव आसाखेड़ा में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर उनका स्वागत किया। विधानसभा चुनाव के दौरान दिग्विजय सिंह चौटाला ने गांव में आंबेडकर प्रतिमा स्थापित करवाने का वादा किया था। आज प्रतिमा अनावरण के साथ उन्होंने अपने चुनावी संकल्प को पूरा करते हुए ह्यकथनी और करनीह्ल के अंतर को खत्म करने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा

कि बाबा साहेब ने देश को समानता, न्याय और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाया है। गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित होना आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेगी। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए दिग्विजय चौटाला का आभार व्यक्त किया और कहा कि पहली बार किसी नेता ने किया हुआ वादा समय पर पूरा किया है।

भारत ने नेपाल को 95 रनों से दी बड़ी मात

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी पर भारतीय खिलाड़ी तुषार पॉल को मिला मैन ऑफ द मैच का खिताब

समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। सांसद खेल उत्सव के तहत विश्व दिव्यांग दिवस पर हरियाणा के भिवानी में पीसीसीएआई द्वारा पहले दिन भारत और नेपाल के बीच मुकाबला हुआ । मुकाबले की जानकारी देते हुए प्रवक्ता अशोक कुमार भारद्वाज ने बताया कि भारत नेपाल के टी 20 मुकाबले के चलते भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल के समक्ष 20 ओवर में भारतीय टीम कप्तान तुषार पोल की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के चलते 205 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके मुकाबले में दूसरी इनिंग खेलते हुए नेपाल की टीम भारतीय टीम के गेंदबाज नदीम और विनोद के समक्ष ज्यादा समय नहीं टिक पाई,

नदीम ने तीन विकेट लिए तो वहीं विनोद ने भी तीन विकेट लेकर भारत को मजबूत किया। इसके चलते नेपाल की टीम 110 रनों पर ऑल आउट हो गई और यह मुकाबला भारत ने 95 रनों से जीत लिया । इस मुकाबले में भारतीय टीम कप्तान तुषार पाल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 33 बोल पर 11 चौक और दो छक्के जड़ कर भारतीय टीम के स्कोर में 66 रनों की बड़ी भागीदारी शामिल की । जिसके चलते उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। मैन ऑफ द मैच पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बृजलाल सराफ और पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया ने तुषार पॉल को 5100 का नगद पुरस्कार व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

सलीमपुर में वीटा चिलिंग प्लांट का उद्घाटन होने और बहल में लुवास का पशु विज्ञान केंद्र बनने से पशुपालन को मिलेगा बढ़ावा और किसानों की आय में होगी वृद्धि: पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

किसान के घर पैदा हुआ हूं और जीवनभर किसान और गरीब की खुशहाली के लिए प्रयासरत रहूंगा:पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल

समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 3 दिसम्बर । पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि किसान के घर पैदा हुआ हूं और जीवनभर किसान और गरीब की खुशहाली के लिए प्रयासरत रहूंगा। किसान को पुराने ढर्रे को छोड़ नई तकनीक से खेती करनी होगी तभी उसकी आय बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती में तो लागत बढ़ रही है और आय कम हो रही है इसलिए किसानों को बागवानी, पशुपालन, मधुमक्खी पालन तथा मछली पालन की नई तकनीक को अपनाना चाहिए। भिवानी के सिवानी जैसे खारे पानी के क्षेत्र में पैदा हुआ सफेद झींगा आज अमेरिका सहित विकसित देशों में जाता है।उनके पूर्व कृषि मंत्री रहते किसान हित में नई-नई योजनाएं लागू की गई जिससे किसानों को सीधा फायदा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नीतिगत फैसले लेकर की हर वर्ग की भलाई के लिए अंतोदय की भावना से काम कर रही है सभी वर्गों को इससे सीधा फायदा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि फसल उत्पादन के साथ-साथ किसान को प्रोसेसिंग पर ध्यान देना चाहिए, जिससे उसका कारोबार और आमदनी बढ़े। सरकार इसके लिए सहायता राशि प्रदान कर

रही है, जिसका किसानों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के तहत भिवानी जिला के एक लाख 17 हजार किसानों के खातों में 23 करोड़ 59 लाख रुपए डाले गए।

पूर्व कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार नीतिगत फैसले लेकर छोटे किसानों को लाभांवित कर रही है। उनके कृषि मंत्री के कार्यकाल में जापान दौरे के दौरान कृषि एवं बागवानी को बढ़ावा देने के लिए जापान से एक प्रतिशत ब्याज पर तीन हजार करोड़ रुपए का लोग टर्म ऋण लिया गया था, जिससे आज कृषि, पशुपालन, बागवानी तथा सूक्ष्म सिंचाई योजना की अनेक परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को परंपरागत खेती की बजाय फल-फूल, सब्जी उत्पादन, बागवानी और मधुमक्खी पालन, मछली पालन, प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करना आदि पर ध्यान देना चाहिए ताकि किसान की आय बढ़े। उन्होंने कहा कि सरकार सूक्ष्म सिंचाई योजना पर 85 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, इसलिए किसानों को इस योजना को अपनाना चाहिए। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत देश तेज गति से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। भाजपा ने नीति बनाकर देशहित में काम किया है, भारत की आज विश्व में अलग ही पहचान बनी है, देश ने अपने खोई हुई साख को फिर से हासिल किया है। केंद्र सरकार की तरह प्रदेश की भाजपा सरकार ने जनहितकारी नीतियां लागू कर लोगों का विश्वास जीतने का काम किया है। बिना खर्ची और बिना पर्ची तथा योग्यता के आधार पर नौकरी प्रदान करने से युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के बारे में सोचती है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेना मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और सरकार ने नई टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है।

इस दौरान जिला पार्षद रविंद्र मंडोली, सुनील शर्मा, बहल के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, सुशील केडिया, सरपंच साधुराम पनियार, डॉ वीरेंद्र श्योराण, चेयरमैन बंटी तायल, महेश गांधी, कृष्ण बिसलवास, सतेंद्र मान, बलवंत गोठड़ा, रामकिशन टीकेवाला, एडवोकेट संदीप सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

तीन दिवसीय भारत-नेपाल दिव्यांग यूनिटी क्रिकेट कप का श्री गणेश

एकता व सद्भावना को समर्पित 3 से 5 दिसंबर तक खेली जा रही यह अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता

समाज जागरण,
(महेन्द्र प्रजापत बहल)

भिवानी, 3 दिसंबर। सांसद खेल उत्सव के तहत विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जी लिट्रा क्रिकेट ग्राऊंड में फिजिकल चैलेंजेड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीसीसीएआई) द्वारा भारत व नेपाल के बीच तीन दिवसीय राष्ट्रीय टी-20 मैचों का शुभारंभ किया गया।

तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में भारत व नेपाल के अपने-अपने देश के विभिन्न राज्यों से चुने हुए क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय एकता व सद्भावना को समर्पित भारत-नेपाल यूनिटी दिव्यांग क्रिकेट कप के पहले दिन आज नेपाल ने टॉस जीतकर बॉलिंग शुरू की तथा दिव्यांगों को समर्पित इस प्रतियोगिता में अपने खेल जौहर दिखाया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर पहुंचे हांसी से हरियाणा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.एसएस मान, भिवानी से विधायक,एसोसिएशन के चेयरमैन घनश्याम सर्राफ , पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया , दूसरी इनिंग के मुख्य अतिथि समाजसेवी बृजलाल सराफ, अध्यक्ष सीजीएम पवन कुमार ने बताया कि दिव्यांगजनों को मुख्य धारा से जोडड़े तथा उन्हे आम लोगों के समकक्ष दर्जा दिलवाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन सरकारों तथा विभिन्न सेवा समितियों द्वारा किया जाता है। इसी दिशा में पीसीसीएआई ने बड़ा कदम उठाते हुए भारत व नेपाल के बीच इस तीन दिवसीय भारत-नेपाल यूनिटी क्रिकेट कप का आयोजन करवाया है, ताकि दिव्यांग खिलाडिड्रों को अंतर्राष्टीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच मिल सकें।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग क्रिकेट को अब विश्व में एक अलग पहचान मिली है। वर्ष 2026 के मार्च महीने में हैदाराबाद में भारत व दुबई के बीच अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा तथा मई-जून माह में नेपाल के काठमांडू में भारत व नेपाल की टीमों के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच होंगे।

उन्होंने कहा कि लंदन के लॉर्डस के मैदान में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम इंग्लैंड की टीम को इसी वर्ष हराकर टूनार्मेंट जीत चुकी है, यह ना केवल दिव्यांगों, बल्कि देश के लिए भी गौरव की बात है।

तीन दिवसीय दिव्यांग क्रिकेट कप के दौरान आज भारतीय टीम के कप्तान तुशार को तथा नेपाल के कप्तान रामप्रसाद खरे के बीच टॉस करवाकर मैच की शुरूआत की गई, जिसमें नेपाल ने टॉस जीतकर बॉलिंग

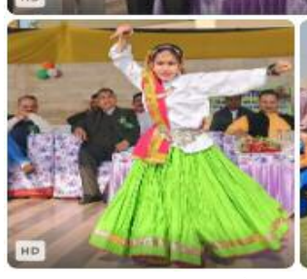

का निर्णय लिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया, जिसका दर्शकों ने खूब लुत्फ उठाया। इस मैच के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर नेपाल टीम के कप्तान रामप्रसाद खरे ने बताया कि भारतीय टीम के साथ उन्हे जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने का मंच मिला है, वह समाज में दिव्यांगों को समानता के तल पर लाने का मंच है। इस एकरूपता को लाने के लिए नेपाल ने 2017-18 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट शुरू किया था तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज नेपाल की टीम दिव्यांग क्रिकेट खेल रही है।

उन्होंने कहा कि अभी दिव्यांग क्रिकेट में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी सुधार की जरूरत है। डिसेबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के अध्यक्ष एसएस मान, पीसीसीएआई के उपाध्यक्ष सचिन जैन ने कहा कि दिव्यांग क्रिकेट को लेकर प्रदेश व राज्य सरकारें निरंतर खिलाडिड्रों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उसके अलावा सामाजिक स्तर पर भी दिव्यांग क्रिकेट को बड़ा सहयोग मिल रहा है, जिसके चलते आज विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय मैचों का आयोजन हो पा रहा है।

ये हस्तियां रही मौजूदः-

इस अवसर पर मुख्यअतिथि एसएस मान, विधायक घनश्याम सर्राफ, समाज सेवी बृजलाल सर्राफ, समाजसेवी नरेश गर्ग ढिगावा, महंत चरणदास महाराज , निदेशक सावित्री यादव, गोवर्धन आचार्य,राजकुमार सुनसुना महासचिव, समाजसेवी लक्ष्मण गौड, नेपाल टीम के चेयरमैन सुल्टिम सेरपा, नेपाल टीम के कॉर्डिनेटर अतुल त्यागी , कॉर्डिनेटर हितेष देवली, टुनार्मेंट कॉर्डिनेटर अविनाश शर्मा, कॉमेंट्रेट अभिषेक तिवारी, इंडिया टीम मैनेजर शुभम शर्मा, एडवोकेट सुनील पंवार, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, एडवोकेट सुनील पंवार, एडवोकेट संजय अग्रवाल , अमन सर्राफ, रमेश रानी कुरुक्षेत्र, गुड्डी दादरी, रोहित अग्रवाल, गोल्ड मेडलिस्ट डॉ देवेंद्र कुमार, मदन गोपाल, संजय सैनी, ओमवीर कौशिक, पंकज लोहिया, हंसराज चहल, राजेश कोच मोनी कोच, समाजसेवी राजेश बिष्ट, स्वदेशी क्लब टीम के अध्यक्ष अशोक शर्मा सहित अनेक खेल प्रेमी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संसद प्रश्नः अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) निधि

आरडीआई योजना उदीयमान क्षेत्रों को लक्षित करती है, जिनमें ऊर्जा सुरक्षा और ट्रांज़िशन और जलवायु कार्रवाई शामिल हैं; गहन-प्रौद्योगिकी जिसमें क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष शामिल हैं; एआई और कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा में इसका अनुप्रयोग; जैव प्रौद्योगिकी, बायोमैन्युफैक्चरिंग, सिंथेटिक बायोलॉजी, फार्मा, चिकित्सा उपकरण; और डिजिटल अर्थव्यवस्था, जिसमें डिजिटल कृषि शामिल है। अन्य प्रस्तावित क्षेत्र वे प्रौद्योगिकियाँ हैं जिनका स्वदेशीकरण रणनीतिक कारणों से या आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण है और कोई भी अन्य क्षेत्र या प्रौद्योगिकी जिसे जनहित में आवश्यक समझा जाए।

अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) अपनी अनुसंधान गतिविधियों को राष्ट्रीय रणनीतिक मिशनों के साथ एक संरचित कार्यक्रम सेट के माध्यम से संरेखित करता है, जिसे प्राथमिकता-प्रेरित और मिशन-ओरिएंटेड अनुसंधान का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी पहलें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुशासनात्मक और अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी फंडिंग को बढ़ावा देती हैं, राज्य विश्वविद्यालयों की आरएंडडी क्षमताओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ एकीकृत करके मजबूत करती हैं और अनुसंधान में निजी-क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाती हैं। फाउंडेशन अनुसंधान क्षमता के निर्माण के लिए सीमित फेलोशिप, सेमिनार और कार्यशाला कार्यक्रमों का भी समर्थन करता है। अलाइनमेंट के लिए एक प्रमुख तंत्र उच्च-प्रभाव वाले क्षेत्रों में उन्नति के लिए मिशन (एमएएचए) है, जो बहु-संस्थागत, बहु-विषयक और बहु-अन्वेषक सहयोगों के माध्यम से सॉल्यूशन-ओरिएंटेड, मिशन-मोड अनुसंधान पर केंद्रित है। एमएएचए के तहत, एएनआरएफ ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गतिशीलता, 2डी सामग्रियाँ, मेडटेक, और विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए एआई में प्राथमिकता मिशनों की पहचान की है और उन्हें लॉन्च किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि अनुसंधान प्रयास राष्ट्रीय रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों की ओर निर्देशित हों।

नवीन आरडीआई योजना, जिसका नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) नोडल मंत्रालय के रूप में कर रहा है, को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के तहत एक स्पेशल पर्पस फंड (एसपीएफ) और एक इंडिपेंडेंट बिजनेस यूनिट के माध्यम से, दो-स्तरीय वित्तपोषण तंत्र का उपयोग करके परिचालित किया जा रहा है। प्रथम स्तर पर, एएनआरएफ के भीतर एसपीएफ कोष के संरक्षक के रूप में कार्य करता है, जबकि द्वितीय स्तर पर, कार्यान्वयन द्वितीय-स्तरीय निधि प्रबंधकों (एसएलएफएम) द्वारा किया जाता है, जिनमें वैकल्पिक निवेश निधि, विकास वित्त संस्थान, एनबीएफसी और लक्षित अनुसंधान संगठन जैसे टीडीबी, बीआईआरएसी, और आईआईटी रिसर्च पार्क शामिल हैं। फाइनेंशियल सपोर्ट कम इंटरेस्ट पर दीर्घकालिक अनसिक्योर्ड लोन, जहाँ उचित हो वहाँ स्टार्टअप्स के लिए इक्विटी समर्थन और डीप-टेक फंड-ऑफ-फंड्स संरचनाओं में योगदान के माध्यम से प्रदान की जाती है। डीएसटी ने प्रासंगिक मंत्रालयों और हितधारकों के परामर्श से कार्यान्वयन दिशानिर्देश और द्वितीय-स्तरीय निधि प्रबंधकों के लिए चयन प्रक्रिया तैयार की है, इन्हें वित्त मंत्रालय की सहमति के साथ एएनआरएफ कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया है। डीएसटी ने विशेष वित्तीय नियम भी तैयार किए हैं जिन्हें वित्त मंत्रालय से अनुमोदन के बाद इसी तरह अपनाया गया है।

आरडीआई योजना के तहत शैक्षणिक अनुसंधान और बाजार-उपयुक्त उत्पादों के बीच के अंतराल को कम करने के लिए अपनाया गया एक प्रमुख तंत्र टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल्स (टीआरएल) पर संरचित समर्थन है। नए ढाँचे के तहत, एएनआरएफ बुनियादी और प्रारंभिक-चरण के विकास से लेकर टीआरएल-4 तक के अनुसंधान का समर्थन करेगा, जबकि आरडीआई निधि प्रोटोटाइप, पायलट प्रदर्शन और स्केल-अप गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए टीआरएल-4 और उससे ऊपर के लिए सहयोग प्रदान करेगी। यह समन्वयित दृष्टिकोण प्रयोगशाला अनुसंधान से व्यावसायिक रूप से तैनात की जा सकने वाली प्रौद्योगिकियों तक एक सुचारु बदलाव को सक्षम बनाता है।

कोई भी मंत्रालय या विभाग जो आरडीआई योजना के तहत किसी विशेष प्रौद्योगिकी या क्षेत्र को शामिल करना चाहता है, वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) को एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे प्रस्तावों को जाँच के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की कार्यकारी परिषद (ईसी) के समक्ष रखा जाता है। ईसी की सिफारिशों के आधार पर, प्रस्ताव को फिर उचित निर्णय के लिए सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह (ईजीओएस) को संदर्भित किया जाता है। यह तंत्र सुनिश्चित करता है कि विभिन्न मंत्रालयों के प्रयास समग्र आरडीआई-केंद्रित वित्तपोषण ढाँचे के भीतर एक संरचित और समन्वित तरीके से एकीकृत हों।

क्षेत्रीय विधायक विषेश रवि ने करोलबाग अजमल खां पार्क में ओपन जिम का किया उद्घाटन

समाज जागरण, बादल हुसैन

नई दिल्ली, करोलबाग अजमल खां पार्क में लगे ओपन जिम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विषेश रवि ने किया। इससे पहले भी क्षेत्र में विधायक के द्वारा कई ओपन जिम लोगों के लिए चालू किए गए हैं। पार्क में लोगो के लिए ओपन जिम की सुविधा दी गई है। ओपन जिम शुरू होते ही लोगों ने उत्साह के साथ व्यायाम किया इस ओपन जिम में कई उपकरण लगाए गए हैं इस अवसर पर विधायक विषेश रवि ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जिम आने वालें लोग व्यायाम करके अपने शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त रख सकते हैं। स्वस्थ शरीर में ही मस्तिष्क का

निवास होता है। वहीं निगम पार्षद उर्मिला गोतम ने कहा कि शहरवासियो को व्यायाम करते हुए स्वच्छ वातावरण मिलेगी, ताकि उनकी सेहत बनी रहे यही उनकी प्रयास है।नए ओपन जिम खुलने से स्थानीय लोग काफी खुश हैं अब लोगों को महंगे जिम में जाने की जरूरत नहीं। सभी लोग इस जिम का लाभ उठा सकते हैं।इस मौके पर लोगों ने जन प्रतिनिधियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया, इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद थे।

CM नायब सिंह सैनी की बड़ी कार्रवाई

हरियाणा के CM नायब सिंह सैनी ने सरकारी कार्यों में लापरवाही और अनियमितता के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक बार फिर एक बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करते हुए PWD विभाग के तीन अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

हरियाणा के CM नायब सिंह सैनी ने सरकारी कार्यों में लापरवाही और अनियमितता के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक बार फिर एक बड़ा कदम उठाया है. लाला लाजपत राय यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंस, लखनौर साहिब में बन रहे डिप्लोमा कॉलेज के निर्माण कार्य में अनियमितताएं सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ने कार्रवाई करते हुए PWD विभाग के तीन अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है.

काशी तमिल संगमम 4.0: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पहले शैक्षणिक सत्र का सफल आयोजन, उत्तर-दक्षिण संवाद और सांस्कृतिक एकता को मिली नई दिशा

काशी तमिल संगमम 4.0 के तहत बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम शैक्षणिक सत्र में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विविधताओं में निहित समानताएँ ही हमें एक सूत्र में जोड़ती हैं और यही हमारी भारतीय पहचान का मूल आधार है। पं. ओंकारनाथ ठाकुर सभागार में हुए इस सत्र का विषय काशी इन तमिल इमैजिनेशनः महाकवि सुब्रमण्यम भारती एंड हिज लेगेसी रखा गया, जिसमें तमिलनाडु से आए 216 छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि श्री अमीश त्रिपाठी ने अपने संबोधन की शुरूआत मैं माता तमिल को प्रणाम करता हूँ कहकर की और काशी व तमिलनाडु की सांस्कृतिक समानताओं पर विस्तार से चर्चा की। भारतीय संस्कृति विविधता का सम्मान करते हुए एकता को पोषित करती है। उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक प्रसंगों और सभ्यतागत एकता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें इस साझा विरासत को आत्मसात करना चाहिए और काशी तमिल संगमम जैसी पहलें इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

वक्ता प्रो. आर. मेगनाथन (एनसीईआरटी) ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन, दर्शन और साहित्यिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारती के ह्यशक्ति, भक्ति और ज्ञान पर आधारित विचारों, उनकी राष्ट्रवादी चेतना, वैश्विक दृष्टि और श्री अरबिंदो के साथ उनके वैचारिक संवाद की चर्चा की। उन्होंने अचमिल्लै अचमिल्लैह्व जैसी कविताओं को उद्धृत करते हुए बताया कि भारती ने राष्ट्र की एकता और मानवता की सार्वभौमिकता को कैसे अपनी रचनाओं के केंद्र में रखा। सत्र में एनसीईआरटी द्वारा निर्मित भारती पर आधारित डॉक्यूमेंट्री तथा तमिल भाषा सीखने हेतु विकसित ट्यूटोरियल भी प्रदर्शित किया गया।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि काशी तमिल संगमम उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संवाद और समझ को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय राज्यों में मौजूद समानताएँ हमारी विविधता को कम नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता को और अधिक समृद्ध बनाती हैं। कुलपति ने शब्द नामक एआई आधारित अनुवाद उपकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक संवाद को और सुलभ बना रही है और केटीएस का उद्देश्य भी ह्लएकता के विविध आयामों को पहचानना और उनका उत्सव मनानाह्ल है। कार्यक्रम में प्रो. पी. वी. राजीव (आईएमएस, बीएचयू) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए काशी तमिल संगमम की पृष्ठभूमि और बीएचयू के व्यापक शैक्षणिक व सांस्कृतिक महत्व को प्रस्तुत किया। वहीं डॉ. जगदीशन टी. ने महाकवि भारती के काशी से जुड़ाव, उनकी कृतियों, आधुनिक तमिल साहित्य में उनके योगदान और तमिलह्लकाशी संबंधों को गहरा करने में उनकी भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित तमिल बाल पुस्तकों के अनुवाद का विमोचन कुलपति प्रो. चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लावण्या (आईआईटीझबीएचयू) ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरवन कुमार ई. (आईआईटीझबीएचयू) ने प्रस्तुत किया। तमिलनाडु से आए छात्र प्रतिनिधिमंडल को भारत कला भवन और कला संकाय की कला दीर्घा के भ्रमण के माध्यम से भारत की कला, संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर से परिचित कराया गया। यह भ्रमण डॉ. निश्चंत (उपह्लनिदेशक, भारत कला भवन) और डॉ. सुरेश चंद्र जांगिड (प्रदर्शनी समन्वयक) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अमीश त्रिपाठी ने भी इस भ्रमण में सहभागिता की। बाद में भारतीय भाषाएँ विभाग के तमिल खंड में आयोजित पैनल चर्चा में डॉ. जगदीशन ने 1945 में स्थापित तमिल विभाग की शैक्षणिक विरासत का परिचय दिया। प्रो. गंगाधरण ने महाकवि भारती और उनके साहित्यिक योगदान पर विचार रखे, जबकि भारती की पौत्री डॉ. जयंती मुरली ने काशी में उनके छात्र जीवन, उनकी भाषाह्लविदग्धता और काशी के उनके व्यक्तित्व पर पड़े प्रभाव के महत्वपूर्ण प्रसंग साझा किए। प्रसिद्ध तमिल कवि इसैकवि रामनन ने काशी की प्राचीनता, उसके सांस्कृतिकह्लधार्मिक महत्व और भारती के राष्ट्रवादी विचारों को रेखांकित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीझबीएचयू के क-3 फाउंडेशन में नवाचार और स्टार्टअप पारितंत्र का अवलोकन भी किया, जहाँ प्रो. मनोज कुमार मेश्राम ने जोस्टेल, क्रिकबज, शॉपक्लूज और क्लीन इलेक्ट्रिक जैसे स्टार्टअप उदाहरणों के माध्यम से संस्थान की उद्यमिता यात्रा को विस्तार से समझाया। प्रतिनिधियों ने आर्यो ग्रीन टेक लैब का भी भ्रमण किया और तकनीकी अनुसंधान व नवीन समाधानों को नजदीक से जाना।

सीडीसी सुविधा में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में छात्रों को स्टार्टअप वातावरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, आधुनिक कृषि तकनीकों और व्यवसायिक संचार में एआई के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का संचालन सुश्री सिमरन दुबे ने किया और स्वागत भाषण डॉ. राजकिरण प्रभाकर (आईएमएस) ने दिया। सत्रों में सुश्री श्वेता सिंह ने प्रोस्टेट कैंसर के उपचार हेतु विकसित लिक्विड बायोप्सी तकनीक पर व्याख्यान दिया, श्री मृत्युञ्जय सिंह ने डेटा प्राइवेसी और साइबर अपराधों पर जानकारी दी, सुश्री मिथिलेश सिंह ने एग्रो-टूरिज्म और आधुनिक कृषि नवाचारों पर प्रकाश डाला, श्री रोहित तिवारी (केपलर एआई) ने शिक्षा क्षेत्र में एआई की भूमिका समझाई और श्री आयुष साहू ने होटल व अस्पताल क्षेत्र में बहुभाषी एआई संचार तकनीक का प्रदर्शन किया।

काशी तमिल संगमम 4.0 का यह प्रथम शैक्षणिक सत्र ज्ञान, संस्कृति, नवाचार और उत्तरह्लदक्षिण संवाद को नई ऊर्जा देने वाला साबित हुआ, जिसने काशी और तमिलनाडु के प्राचीन और गहरे सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया।

3000 रुपये मांगने के आरोप में ट्रैफिक इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी ।। ट्रैफिक विभाग में तैनात इंस्पेक्टर शिवाकांत शुक्ला को रिश्वत लेने के गंभीर आरोपों के चलते पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने लाइन हाजिर कर दिया है। इंस्पेक्टर पर आरोप है कि उन्होंने ई-रिक्शा छोड़ने के लिए 3000 रुपये की मांग की और वाहन मालिक से होमगार्ड को दिलवाने की कोशिश की।

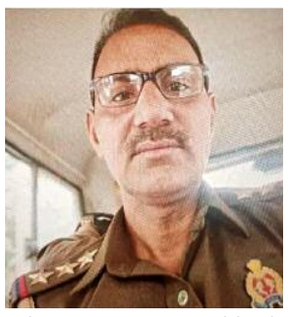

पीड़ित पक्ष ने इस मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी, जिसके बाद एडिशनल सीपी ने तत्काल जांच शुरू कराई। जांच के दौरान होमगार्ड ने भी इंस्पेक्टर का नाम सामने रखा। जब अधिकारियों ने इंस्पेक्टर से जवाब मांगा तो वे संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में असफल रहे। इसके बाद उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने इंस्पेक्टर शिवाकांत को सोमवार शाम लाइन हाजिर करते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया। इतना ही नहीं, इंस्पेक्टर के खिलाफ एक और विभागीय जांच भी प्रारंभ कर दी गई है।

इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग के भीतर भी चर्चा तेज है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस विभाग की इस सक्रियता को आम जनता द्वारा भी सराहा जा रहा है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस तरह की कड़ी कार्रवाइयों से ट्रैफिक व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

कज्जाकपुरा आरओबी 10 दिन में देगा शहर को गति

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। पोर्टेबल फ्रेम तकनीकी से बनने वाले कज्जाकपुरा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की सातवीं बार मियाद बढ़ाई गई। अंतिम डेट लाइन 30 नवंबर थी और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार खुद निरीक्षण कर राजकीय सेतु निगम को एक दिसंबर से कज्जाकपुरा रेलवे ओवरब्रिज चालू करने का निर्देश दिए थे लेकिन आरओबी को चालू होने में 10 दिन और लगेंगे।

अंडरपास पर रखे बो स्ट्रिंग गर्डर से कंक्रीट ढलाई कर जोड़ने का काम पूरा हो चुका है। अब फाइनल टच देने के साथ पिच रोड बनाने का काम तेजी से चल रहा है जिससे आवागमन शुरू किया जा सके। हालांकि, इस आरओबी को लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों होना है, ऐसे में अधिकारी शुरू करने को लेकर कुछ भी बोलने से कतराते रहे।

सितंबर-2019 में कज्जाकपुरा आरओबी का काम शुरू हुआ था। काम पूरा करने की तिथि जून-2022 थी। काम में तेजी नहीं होने पर शासन ने समयावधि बढ़ाते हुए मार्च-2024 कर दिया है। काम तेजी से कराने का निर्देश देते हुए शासन ने तिथि में संशोधन करते हुए दिसंबर-2023 कर दिया गया। काम संतोषजनक नहीं होने पर शासन ने मार्च-2024 और फिर जून-2025 कर दिया है। अंतिम डेट लाइन 30 नवंबर थी लेकिन विभागीय पेच और अधिकारियों की लापरवाही चलते काम पूरा नहीं हो सका। क्षेत्रीय लोगों को हो रही परेशानी : कज्जाकपुरा रेलवे क्रासिंग बंद करने को लेकर भी काफी दिनों तक जद्दोजद होता रहा। जिलाधिकारी के हस्तक्षेप करने पर ट्रैफिक विभाग ने उसे बंद करने की अनुमति दी। रेलवे क्रासिंग पर बो स्ट्रिंग गर्डर रखने के साथ करीब एक साल पहले बना दिया गया है। उसके साथ रेलवे क्रासिंग बंद कर दिया गया। रेलवे अंडरपास पर भी बो स्ट्रिंग गर्डर रखने के लिए भी आवागमन बंद किया गया है। छोटे वाहन किसी तरह निकल रहे थे लेकिन समय-समय पर इन्हें भी रोक दिया जाता रहा। इससे क्षेत्रीय लोगों को काफी परेशानी होती है। इसको लेकर क्षेत्रीय लोग कई बार आंदोलन तक कर चुके हैं लेकिन उनकी समस्याओं को नजर अंदाज कर दिया जाता है।

व्यापारी ने मां गंगा में कूदकर दी जान

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। दशाश्वमेध घाट पर बुधवार सुबह 67 साल के कारोबारी सुरेन्द्र केशरी उर्फ मुन्ना ने गंगा में कूदकर जान दे दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दराज में एक सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आ रही हैं इसमें लिखा है कि 11 लाख के लोन और एक व्यापारी की ओर से पैसा हड़पने से वह परेशान है। एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि जिस व्यापारी पर आरोप है, उससे पूछताछ की जाएगी। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के बड़ादेव मोहल्ले सुरेंद्र केसरी की इलेक्ट्रॉनिक सामानों की दुकान है। इनकी तीन लड़कियां और एक लड़का है। बीते दिन ढाई बजे अपने कर्मचारी के साथ घर से बिना बताए निकले।

दशाश्वमेध घाट पर गंगा में कूद कर आत्महत्या कर ली। कर्मचारी ने बताया कि उसको नाश्ता करने के लिए भेज कर खुद गंगा में कूद गए। परिवार वाले मौके पर गए। खोजने पर गणेश घाट पर शव दिखा।

हरहुआ धान क्रय केंद्रों पर धान खरीददारी पकड़ने लगी रफ्तार

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी हरहुआ विकास खण्ड में कुल चार धान क्रय केंद्र स्वीकृत किये गए हैं। आयर केंद्र को छोड़कर पंजीकृत किसानों से खरीदारी रफ्तार पकड़ने लगी है।

बी पैक्स भैठौली के सचिव अभय सिंह के अनुसार 100 किसानों ने पंजीकृत करा लिया है जिसमें से 22 किसानों से 699.20 क्विंटल धान की खरीददारी हुई है जिसमें से 17 किसानों का भुगतान हो गया शेष का जल्द ही हो जाएगा।डिलीवरी अभी तक नहीं हुई है। किसान उमराव सिंह निवासी महदेपुर ने कहा कि आयरिश स्कैन न होने से परेशानी है सरकार अंगूठे लगाने की व्यवस्था करे। बी पैक्स पर किसान रविन्द्र सिंह,रामबृक्ष सिंह,ओमप्रकाश सिंह निवासी भैठौली व उदयनाथ सिंह, उमराव सिंह ,रामजी सिंह निवासी महदेपुर ने सत्यापन प्रणाली को सरल बनाने की बात उठाई।

बी पैक्स आयर के सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र के अनुसार अभी तक मशीन व बोरा उपलब्ध नहीं हुआ।जियो टैगिंग हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि लखनऊ से कोड मिलते ही सभी व्यवस्था करा दी जाएगी। इसलिए खरीद बाधित है।

खाद्य विभाग के विपणन शाखा गोसाईपुर मोहाव न01 व न02 पर वरिष्ठ विपणन निरीक्षक प्रियंका पांडेय के अनुसार कुल 250 किसानों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। कुल 796 क्विंटल धान की खरीददारी हो चुकी है। भुगतान का कार्य जल्द कर दिया गया। सत्यापन की गति धीमी होने से थोड़ी परेशानी हो रही है लेकिन खरीद की रफ्तार गति पकड़ने लगी है।

घरेलू महिला हिंसा के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। घरेलू महिला हिंसा के खिलाफ सैकड़ो महिलाए और युवाओ ने बुधवार को कपड़फोड़वा लहिया बाजार में कैंडल मार्च निकाला। जुलूस में शामिल महिलाओं ने महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। महिला हिंसा बन्द करो, भीख नही अधिकार चाहिए जीने का सम्मान चाहिए, औरत भी जिन्दा इंसान नही भोग की वह सामान, यौन हिंसा पर रोक लगाओ के नारे लगाई। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं का एक आवाज में नारा था कि वह घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएंगी। न तो वह स्वयं हिंसा का शिकार बनेंगी न ही दूसरों को बनने देंगी।

कैंडल मार्च में शामिल प्रदर्शनकारियों ने सरकार से महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा की मांग की। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने कहा कि जब तक समाज में घरेलू महिला हिंसा और जेंडर समानता के प्रति जागरुकता और संवेदनशीलता नहीं आएगी, तब तक बहन बेटियां सुरक्षित नहीं रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनी व संचालन अनीता और धन्यवाद रिया ने किया। कैंडिल मार्च में मुख्य रूप से शकुंतला, सुमन, तारा, रेखा, रीता,गीता,कोमल, नीतू,रिया, शान्ति, सरोज, अनीता, सोनी, मनीष, श्यामसुंदर, रामबचन,मनीषा आशा राय शामिल रहे।

विश्व दिव्यांग दिवस पर बाटे कम्बल और ट्राई साइकिल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। विश्व दिव्यांग दिवस पर बुधवार को मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी बाबा ने क्षेत्र के दिव्यांग भाई बहनों को कम्बल और ट्राई साइकिल वितरण किया इस मौके पर उनके साथ कैंट एसीपी नितिन तनेजा उपस्थित हो कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अपने हाथों कम्बल

वितरित किया।इस मौके पर डंपी तिवारी ने कहा कि ट्राई साइकिल की सहायता से दिव्यांगों को आने-जाने में सुविधा होगी। दिव्यांगों के सशक्तीकरण के लिए इस तरह के विशेष कार्यक्रम नियमित तौर पर आयोजित करने की आवश्यकता है, जिससे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को ट्राइसाइकिल मिल सके।हम सभी लोग मिल कर दिव्यांग भाई लोगो का सेवा सदैव करते रहेंगे जिससे उन्हें और बल मिल सके।उनके साथ सीमा चौधरी,विपुल दुबे,दुर्गेश पांडेय,अमन मिश्रा,विजय शंकर पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हरहुआ रिंग रोड चौराहे पर पिकअप-स्कूल बस में जोरदार टक्कर, दोनों वाहन पलटे; बड़ा हादसा टला

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत वाजिदपुर स्थित रिंग रोड चौराहे पर बुधवार सुबह लगभग 7 बजे पिकअप और स्कूल बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन चौराहे पर ही पलट गए। हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन घटना से कुछ देर के लिए रिंग रोड पर आवागमन बाधित हो गया और चौराहे पर जाम की स्थिति बन गई।

सूचना मिलते ही हरहुआ चौकी प्रभारी अभिषेक राय के निर्देश पर पैंथर दस्ते के सिपाही मुकेश चौहान और राकेश सरोज मौके पर पहुंचे। दोनों ने तत्परता दिखाते हुए पलटी हुई गाड़ियों को किनारे कराया और जाम समाप्त कर आवागमन सुचारू कराया।

जानकारी के मुताबिक 'सीएट पब्लिक स्कूल ऐढे' की स्कूल बस चला रहे बस चालक अजय कुमार, निवासी दानुपुर, सुबह बच्चों को लेने बाबतपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही बस वाजिदपुर रिंग रोड चौराहे पर पहुंची, उसी समय प्रयागराज से मछली लेकर बलिया जा रही एक पिकअप ने तेज रफ्तार में बस को टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से बस बीच सड़क पर पलट गई और पिकअप भी बगल में उलट गई।पिकअप में चालक मोनू कुमार निवासी प्रयागराज तथा खलासी गणेश कुमार मौजूद थे।

स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत दौड़कर दोनों को बाहर निकाला। बस में केवल चालक अजय कुमार और खलासी दीपक यादव थे, जिन्हें मामूली चोटें आईं। सूचना पर पहुंची 1033 एंबुलेंस टीम ने पिकअप चालक मोनू कुमार और बस खलासी दीपक यादव का मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया।

ग्रामीणों का कहना है कि बस चालक चौराहे पर तेज गति में प्रवेश कर रहा था, जबकि पिकअप चालक भी वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा था। अचानक दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना की स्थिति देखकर ऐसा लग रहा था कि चालक गंभीर रूप से घायल होंगे, लेकिन सौभाग्य से सभी सुरक्षित बच गए।

स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली कि स्कूल बस में बच्चे सवार नहीं थे। यदि बस बच्चों को लेकर जा रही होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने घटनास्थल से वाहनों को हटाकर सामान्य स्थिति बहाल कर दी। वाहनों की लंबी लाइन धीरे-धीरे पास हो जाने पर पुलिस ने भी राहत की सांस ली।

बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बहराइच देहात संस्था के तत्वाधान मे एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत गोबरहा में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति (VLCPC) की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

बैठक में ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा, रसोइया, पंचायत सहायक, कोटेदार, शिक्षा मित्र, सफाईकर्मी सहित अन्य ग्राम स्तरीय हितधारकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बैठक की शुरूआत देहात संस्था के परिचय तथा संस्था द्वारा बच्चों के अधिकार और सुरक्षा को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी से हुई। इसके पश्चात समिति के ढांचे, जिम्मेदारियों और ग्राम स्तर पर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में VLCPC की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम, मानव तस्करी की रोकथाम तथा बच्चों के हित में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही ग्रामीण महिलाओं और समुदाय के सदस्यों ने भी बैठक में सहभाग कर बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के विषय पर अपनी जागरूकता व सहयोग दिखाया।

बैठक को सफल बनाने में देहात संस्था की टीम रचना मिश्रा, विंध्यवासिनी और अदनान अंसार, पुलिस बॉल कल्याण अधिकारी गोल्डी त्रिपाठी, राजमन यादव, शिवानंद यादव आगनबाड़ी किरण कुमारी, प्रधान इलियास की अहम भूमिका रही।

कम लागत में अधिक उपज का साधन है जैविक खेती

किसान मेले में उमड़ी किसानों की भीड़,दी गई जैविक खेती की जानकारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

मिर्जापुर।। नमामि गंगे योजना द्वारा संचालित बायोसर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पहाड़ी विकास खंड के सिंधोरा गांव में बुधवार को किसान मेले का आयोजन किया गया।जिसमे किसानों को आधुनिक कृषि के बाबत

नई जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर योगेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को जैविक खेती से कम लागत में अच्छी उपज की जानकारी देते हुए, खेत में हो रही कार्बन की कमी को बढ़ाने के लिए विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराया। डॉ सुरेश ने किसानों को बीजामृत और जीवामृत बनाने और उसके प्रयोग के बारे में जानकारी दी।मेले में किसानों को जैविक खेती पर जोर देते हुए कम लागत से अधिक उपज की बारे में बताया।किसानों को शासन द्वारा किसानों के कल्याण हेतु चल रही योजनाओं, कृषि विविधीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सुदर्शन मौर्य, आदर्श सिंह,कल्पनाथ पाल, विनीत सिंह, मोहन सिंहसहित गांव के अन्य किसान उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकथाम पर सभी हितधारकों की भूमिका अहम

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बहराइच देहात इंडिया संस्था के तत्वाधान में एक्सेस टू जस्टिस (A2J) परियोजना के अंतर्गत आज पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रमपुरवा में बाल विवाह मुक्त भारत - 100 दिवसीय अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, विद्यालय कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी (हरदी)बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

जागरूकता सत्र के दौरान बच्चों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों–बाल विवाह की रोकथाम, बच्चों के अधिकार, सुरक्षा, शिक्षा का महत्व तथा बाल विवाह के दुष्परिणाम–पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें सही निर्णय लेने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम मे लगभग 450 प्रतिभागियों ने बाल विवाह रोकथाम पर शपथ ली। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित कुमार पाण्डेय (प्रधानाध्यापक),महेंद्र प्रताप ,शिवम् शुक्ला, अरविंद , अश्वनी, मुन्ना आर्या (प्रवक्ता) वेद प्रकाश पाण्डेय (SI), रणजीत यादव(कंस्टेबल) सहित देहात संस्था की टीम–प्रोग्राम एसोसिएट – चन्द्र प्रकाश अवस्थी एवं दीपक शुक्ला की अहम भूमिका रही।

कस्तूरबा गांधी गिलौला के किशोरियों का एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट कराया गया

समाज जागरण
ओंकार नाथ चौधरी

जनपद श्रावस्ती आदित्य बिड़ला कैपिटल फाउंडेशन के सहयोग से एक्शन एड द्वारा संचालित नई पहल परियोजना के अंतर्गत जनपद श्रावस्ती के विकासखंड गिलौला के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गिलौला में एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट कराया गया जिसमें किशोरियों को महाराजा सुहेल देव स्मारक पार्क चितौरा झील का विजिट कराया गया और जहां बच्चों महाराजा सुहेल देव के इतिहास के विषय में जानकारी दी गई और महाराजा सुहेल देव के भव्य स्मारक

व प्रतीक चिन्हों को बच्चों ने देखा साथ ही पार्क में लगे भिन्न भिन्न प्रकार के पेड़ पौधों के बारे में जानकारी दी गई बच्चों ने पार्क में झूलों का आनंद लिया उपरोक्त गतिविधि में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन ममता जी व समस्त स्टाफ के साथ एक्शन एड से गुलिस्ता आरा, दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

बालश्रम करना व कराना दंडनीय अपराध है

समाज जागरण ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर व अपर पुलिस अधीक्षक जनपद बलरामपुर के आदेशानुसार एवं पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती ज्योति श्री

(नोडल अधिकारी) के निर्देशन में महिला उ0 नि 0 निलोफर बानो, कांस्टेबल असलम सिद्दीकी, कांस्टेबल श्याम बहादुर शर्मा व महिला कांस्टेबल पूजा द्वारा थाना कोतवाली देहात के अंतर्गत चंद्रप्रकाश मेमोरियल विद्यालय में चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया गया

बाल तस्करी से आजादी 3.0 अभियान के अन्तर्गत बालश्रम,बालभिक्षावृत्ति, बाल विवाह,बचपन बचाओ आन्दोलन - एक युद्ध नशे के विरुद्ध आदि के बारे में आम जनमानस को जागरूक किया गया होटल ढाबा वर्कशॉप मालिकों को हिदायत दी गई कि बाल श्रम करना व कराना दंडनीय अपराध है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के उद्देश्य

समाज जागरण

पूर्ववर्ती राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान को 2018-19 से 2021-22 की अवधि के लिए लागू किया गया था और बाद में इस योजना को 15वें वित्त आयोग के साथ वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए लागू करने हेतु संशोधित किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) योजना का कुल वित्तीय परिव्यय 5911 करोड़ रुपये है, जिसमें केन्द्र का हिस्सा 3700 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 2211 करोड़ रुपये है। हालांकि, पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्यों/ केन्द्र - शासित प्रदेशों को जारी की गई वर्षवार धनराशि निम्नानुसार हैः

ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद (आईआरएमए) के माध्यम से संशोधित आरजीएसए का एक बाह्य मूल्यांकन किया गया है। इस अध्ययन में 16 राज्यों के 60 जिलों के 120 ब्लॉकों की 600 ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए एक बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, विभागीय अधिकारियों, प्रशिक्षकों/संकाय और राज्य/जिला आरजीएसए इकाइयों सहित 6,000 से अधिक हितधारकों को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, नीति आयोग ने परिणामों पर पूरक साक्ष्य प्रदान करने हेतु आरजीएसए का एक स्वतंत्र मूल्यांकन भी करवाया है। इन मूल्यांकनों से संकेत मिलता है कि योजना के व्यवस्थित एवं बहुस्तरीय क्षमता निर्माण, जिसमें कक्षा/विषयगत मॉड्यूल, अनुभव भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) और डिजिटल शिक्षण का संयोजन शामिल है, ने पंचायत संचालन, योजना और कार्यान्वयन (जीपीडीपी सहित), डिजिटल शासन, नागरिक सहभागिता और वित्तीय प्रबंधन में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की क्षमताओं को बढ़ाया है। प्रशिक्षण के बाद के मूल्यांकनों में ज्ञान और व्यवहार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो अधिक प्रभावी स्थानीय शासन और सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण में सहयोग करती है।

राज्य के अधिकारियों के साथ बैठकों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से इस योजना के कार्यान्वयन पर कड़ी निगरानी रखी जाती है। आरजीएसए की केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी), किसी राज्य की वार्षिक कार्य योजना (एएपी) को मंजूरी देते समय, कार्यान्वयन की प्रगति और निधियों के उपयोग पर विचार करती है। निधि जारी करने के नियमन हेतु वित्त मंत्रालय के निदेर्शों के अनुसार, राज्यों/केन्द्र - शासित प्रदेशों को उपयोग प्रमाणपत्र (यूसी) और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नियमित रूप से याद दिलाया जाता है।

यह योजना वित्तीय वर्ष 2022-23 से राज्यों/केन्द्र - शासित प्रदेशों में कार्यान्वित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर), पदाधिकारियों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करके पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को सक्षम बनाना है ताकि वे नेतृत्वकारी भूमिकाओं हेतु अपनी शासन संबंधी क्षमताएं विकसित कर सकें और पंचायतों को प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बना सकें। संशोधित आरजीएसए योजना के अंतर्गत, पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों तथा अन्य हितधारकों के क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण को बुनियादी अभिविन्यास एवं पुनश्चर्या प्रशिक्षण, विषयगत प्रशिक्षण, विशेष प्रशिक्षण, पंचायत विकास योजना प्रशिक्षण आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रशिक्षणों के अलावा, यह योजना निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं पंचायत पदाधिकारियों के अनुभव भ्रमण (एक्सपोजर विजिट) तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल एवं सामग्री के विकास आदि के लिए भी सहायता प्रदान करती है।

इसके अलावा, नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) के अंतर्गत उत्कृष्ट संस्थानों के माध्यम से पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के क्षमता निर्माण तथा प्रशिक्षण हेतु एक नई पहल भी शुरू की गई है। मंत्रालय विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है और राज्यों के बीच सीखने के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करता है।

संशोधित आरजीएसए योजना के अंतर्गत, ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने हेतु सीमित पैमाने पर कंप्यूटर उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अलावा, मंत्रालय ई-ग्रामस्वराज, ग्राम मंच, मेरी पंचायत ऐप जैसे विभिन्न वेब-आधारित पोर्टल चलाता है जो पंचायती राज संस्थाओं को विकेंद्रीकृत नियोजन, पारदर्शी निधि-प्रवाह एवं व्यय ट्रैकिंग, परिसंपत्ति एवं कार्य प्रबंधन, तथा नागरिक-केन्द्रित शासन में सहायता प्रदान करते हैं।

केंद्र ने मिजोरम में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग अनुदान के रूप में 15 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए

केंद्र सरकार ने मिजोरम में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15.20 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। यह धनराशि वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित है। राज्य के स्वायत्त ज़िला परिषद क्षेत्रों सहित सभी पात्र ग्राम परिषदें इस राशि के अंतर्गत आती हैं। भारत सरकार, पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से, ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) के लिए राज्यों को 15वें वित्त आयोग के अनुदान जारी करने की अनुशंसा करती है, जिन्हें बाद में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है। आवंटित अनुदानों की अनुशंसा की जाती है और उन्हें एक वित्तीय वर्ष में दो किस्तों में जारी किया जाता है। आरएलबी द्वारा वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए गैर-बंध (अनटाइड) अनुदानों का उपयोग किया जाएगा।

कोडार गौशाला का क्रूर सच: भूख से तड़पकर मर रहे गौवंश

प्रधान-सचिव का भ्रष्टाचार सिंडिकेट बेलगाम — प्रशासन सिर्फ कागज रंगने में व्यस्त !

समाज जागरण

फतेहपुर कोडार ग्राम पंचायत की गौशाला से सामने आई भयावह तस्वीरों ने पूरे जिले के प्रशासनिक ढांचे की पोल खोलकर रख दी है। भूख, प्यास और बदहाली से तड़पते गौवंशों की मौत और उनके शवों को कुत्तों द्वारा नोचे जाने के वायरल वीडियो ने जनमानस को हिलाकर रख दिया है। शासन-प्रशासन जहां गौ संरक्षण का दम भरता है, वहीं कोडार गौशाला में हालात मौत की गवाही दे रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान और सचिव का गठजोड़ पूरे ब्लॉक में भ्रष्टाचार का ऐसा नेटवर्क चलाए हुए है, जिसके आगे अधिकारी भी घुटने टेक देते हैं। सरकारी धन कागजों पर खर्च दिखाया जाता है जबकि जमीन पर भूख, गंदगी और मौत का तांडव जारी है। गौशाला में मौत का नंगा नाच – चारा नहीं, पानी नहीं, और फिर भी फाइलों में सब ठीक! गौशाला के अंदर की स्थिति शर्मनाक ही नहीं, बल्कि दिल दहला देने वाली है–सूखे चारे के नाम पर झाड़ू भर पुआल

पानी की व्यवस्था शून्य

बीमार, कमजोर और तड़पते मवेशी और मृत पशुओं पर झपटते कुत्ते जिन्हें गौमाता कहकर वोट मागे जाते हैं, वे कोडार में कुत्तों का भोजन बन रही हैं।ग्रामीणों ने बताया कि गौपालक, सफाईकर्मी और सुविधा व्यवस्था सब कागजों में दर्ज है, जमीनी हकीकत में कुछ भी नहीं। सरकारी धन को लूट खसोट योजना बना दिया गया है। प्रधान-सेक्रेटरी सिंडिकेटः भ्रष्टाचार का ऐसा मॉडल, जिस पर कोई हाथ नहीं डालता। ग्रामीणों के अनुसार सचिव खुलेआम कहता है –मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता, ऊपर तक हाथ है।

प्रधान साहब का अपना प्रोटोकॉल सिस्टम है–

लखनऊ से पूरी प्रधानी चलाते हैं और गांव में उनके लोग योजनाओं की रकम निकालने, बिल पास कराने

और हिसाब हजम करने में लगे रहते हैं। गांव में चर्चा है कि पंचायत में करोड़ों की अनियमितताएँ छुपाने के लिए कागजों पर फर्जी विकास की गाथाएँ लिखी जाती हैं। कोडार गौशाला उन्हीं की एक जिंदा मिसाल है।

जांच सिर्फ दिखावटी कार्रवाई शून्य !

अशोथर के बीडीओ राहुल मिश्रा ने स्वीकार किया है कि अनियमितताएँ मिली हैं और रिपोर्ट सीडीओ को भेज दी गई है। सीडीओ पवन मीना ने गंभीरता जताई, लेकिन कार्रवाई अभी तक फाइलों तक ही सीमित है।

प्रश्न उठता है –

क्या जिला प्रशासन प्रधान-सचिव सिंडिकेट के आगे बेबस है।क्या कागजी कार्रवाई ही मृत पशुओं का न्याय है?जिले के जिम्मेदार अधिकारी को मामले की पूरी जानकारी है, फिर भी न प्रधान न सचिव– किसी पर एक्शन नहीं।

क्या यही है जीरो टॉलरेंस।? *योगी सरकार की योजनाओं पर सवालः क्या पंचायतों में कानून की जगह दबंगई चल रही है?भ्रष्टाचार की खुली दुकान चला रहे प्रधान और सचिव प्रशासन की नाक के नीचे खुला खेल खेल रहे हैं।अगर यही हाल रहा तो गौ संरक्षण सिर्फ भाषणों और पोर्टलों तक सीमित रह जाएगा

ग्रामीणों का तीखा सवाल

क्या गांव का सचिव और प्रधान योगी सरकार के कानून से ऊपर हैं? क्या जिलाधिकारी और सीडीओ भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई से बच रहे हैं? गांव की चेतावनी– सिंडिकेट न टूटा, तो सड़क पर उतरेगा पूरा गांव ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है किःप्रधान और सचिव को निलंबित किया जाए,गौशाला की वित्तीय जांच की जाए

दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो

मवेशियों की तुरंत समुचित व्यवस्था की जाए, अन्यथा गांव में धरना प्रदर्शन और सीडीओ कार्यालय का घेराव किया जाएगा यह मामला सिर्फ एक गौशाला का नहीं– यह पूरे तंत्र की संवेदनहीनता का आइना है। गौमाता के नाम पर राजनीति करने वालों के लिए कोडार गौशाला की यह शर्मनाक दशा एक करारा सवाल है – जब वोट के समय गायें पूजी जाती हैं, तो उनके मरने पर जवाबदेही क्यों नहीं? कोडार की यह सच्चाई अब छुप नहीं सकती– भूख से मरते गौवंश और भ्रष्टाचार की गंध उठाती फाइलें, दोनों ही प्रशासन की असफलता का पदार्फाश कर रही हैं।

मकान के अन्दर सट्टा खेलते हुए आठ लोगो को किया गिरफ्तार

उनके कब्जे से 25 हजार चार सौ नब्बे रु0 बरामद किये !

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद ! थाना लाइनपार पुलिस ने एक मकान के अन्दर सट्टा खेलते हुए आठ लोगो को गिरफ्तार कर उनके पास 25 हजार 490 रु एवं 06 मोबाइल फोन और 02 केलुकुलेटर सहित सट्टे की पर्चियां बरामद की पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में जनपद में अवैध जुआ एवं सट्टे के कारोबार को रोकने के लिये चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर रविशंकर प्रसाद के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना लाइनपार पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर चन्द्रवार गेट के पास संतनगर में देशी शराब के ठेके के पास बने काली चरन के मकान में सट्टा लगवाते हुए आठ लोगो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 25 हजार 490 रुपये , 06 मोबाईल फोन , 02 कैलकुलेटर एवं सट्टे की पर्ची बरामद की है। पुलिस ने गिरफ्तार किये गये लोगो के नाम हरिकिशन पुत्र सूबेदार सिंह निवासी मुस्तफाबाद थाना दक्षिण, शिवम पुत्र रुमाल सिंह निवासी मोहल्ला ओम नगर लाइनपार ,हरि पुत्र वेघराम निवासी ओम नगर थाना लाइनपार, शिवम पुत्र राजन लाल निवासी चन्द्रवार गेट टीला मोहल्ला थाना दक्षिण ,राहुल पुत्र अशोक कुमार निवासी बासठ थाना दक्षिण, श्याम सुन्दर पुत्र महाराज सिंह निवासी मोहल्ला गंज थाना उत्तर, रामसनेही पुत्र कल्लू निवासी चन्द्रवार गेट पुल के पास थाना लाइनपार, गोविंद राम पुत्र सुनेहरी लाल निवासी फुलवाड़ी हनुमान बगीची से आगे थाना दक्षिण फिरोजाबाद बताये है।

संत जनूबाबा स्माारक इंटर कालेज में लगी सैनिट पैड की मशीन

कालेज की हर छात्रा को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वस्थ माहौल मिलेगा

आपातकालीन स्थितियों में होने वाली परेशानी से मिलेगी राहत

समाज जागरण

शिकोहाबाद। नगर के संत जनू बाबा स्मारक इंटर कॉलेज में मिनी फाउंडेशन के नेतृत्व में एक सैनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन लगाई गई है। यह जनपद के किसी भी स्कूल में पहली पहल है। इससे स्कूल की छात्राओं को असमय होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी साथ ही उनमें सुरक्षा,सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति सजगता की भावना जागृत होगी। विद्यालय के चेयरमैन डा. रामकैलाश यादव ने इस कार्य में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि महिला स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर मिनी फाउंडेशन लगातार बड़े कदम उठा रही है। बुधवार को कालेज में लगी

इस मशीन से छात्राओं को तत्काल और सुरक्षित सुविधा उपलब्ध करायेगी। इससे स्कूल में पढ़ने आने वाली लड़कियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। मशीन लगाने की पहल डा. रामकैलाश और मिनी फाउंडेशन की संयुक्त पहल है।छात्राओं के लिए बड़ी सुविधा नई मशीन के लगने से होगी। अब छात्राओं को माहवारी के दौरान तुरंत और सुरक्षित रूप से सैनिटरी नैपकिन प्राप्त हो सकेंगे। इससे आपातकालीन स्थितियों में होने वाली परेशानी,झिझक और असुविधा में कमी आएगी। चेयरमैन ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि कॉलेज की हर छात्रा को सुरक्षित,सम्मानजनक और स्वस्थ माहौल मिले। यह मशीन उनकी पढ़ाई और दैनिक सुविधा दोनों में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

राधानगर में दो दबंगों का आतंक: राघवेन्द्र द्विवेदी और अमित गुप्ता पर जेवर हड़पने, धमकी और मारपीट के गंभीर आरोप

गिरो जेवर लौटाने से इनकार, दबंगई की हद – दुकानें बंद कर पीटा, जान से मारने की धमकी; पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला निपटाकर पीड़ितों को बेबस छोड़ा

राघवेन्द्र की धमकी–मरवा दूँगा हिस्सा ले और चुप हो जा, अमित गुप्ता ने दुकान में बुलाकर पिटवाया–दोनों के खिलाफ FIR की मांग पर भी पुलिस खामोश

राधानगर में दो दबंग सराफों का खौफ–गिरो जेवर हड़पने, गुंडों से पिटवाने, धमकियां देने और झूठे मुकदमे लगाने का खेल; पुलिस ने मामूली धाराओं में केस लिख कर निभाई खानापूर्ति ! व्यापारी दहशत में, इलाका सुलगा

समाज जागरण

फतेहपुर राधानगर थाना क्षेत्र में सराफा कारोबार पर दो दबंगों का आतंक इस कदर हावी है कि व्यापारी घर छोड़ने की बात कर रहे हैं। गिरवी जेवर न लौटाने, मारपीट, वसूली, धमकी, फर्जी मुकदमे की साजिश और गुंडों के सहारे दहशत फैलाने के आरोपों से पूरा इलाका थर्रा उठा है। दो अलग-अलग मामलों में सराफा व्यापारी राघवेन्द्र द्विवेदी और

अमित गुप्ता पर बेहद संगीन आरोप लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि राधानगर पुलिस ने दोनों मामलों में सिर्फ मामूली धाराओं में मुकदमा लिखकर खानापूर्ति कर दी, जिससे पीड़ित व्यापारी पूरी तरह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।इलाकाई व्यापारियों ने सवाल उठाया–क्या राधानगर में कानून दबंगों की जेब में है? पहला मामलाः राघवेन्द्र द्विवेदी पर गिरवी जेवर हड़पने, धमकी और फर्जी मुकदमे की साजिश का आरोप,सराफा व्यापारी प्रमोद गुप्ता का आरोप है कि राघवेन्द्र द्विवेदी ने गिरो रखे जेवरात को हड़प लिया। जब उन्होंने जेवर लौटाने की बात की तो जवाब मिला– सोना-चांदी महंगा हो गया है सामान नहीं दूँगा, जो करना है कर लो !जब प्रमोद ने शिकायत की तो दबंग राघवेन्द्र ने धमकाया– 25 प्रतिशत हिस्सा ले और चुप हो जा, नहीं तो पहले तुझे खत्म करा दूँगा बाद में खुद को लटका लेना ! प्रमोद ने बताया कि राघवेन्द्र ने उनकी दुकान बंद कराने और उन्हें बदनाम करने की साजिश में ₹5 लाख के झूठे आरोप लगा दिए।अब स्थिति यह है कि *व्यापारी दुकान नहीं खोल पा रहा, परिवार दहशत में है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।

दूसरा मामलाः अमि *त गुप्ता पर दुकान बंद कर गुंडे बुलाकर पिटाई करने का गंभीर आरोप खुशवक्त राय नगर गेट के पास दुकान चलाने वाले मनोज गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपने ग्राहकों के जेवर देवीगंज के कारोबारी अमित गुप्ता के पास धन के बदले गिरवी रखे थे*। लेकिन जैसे ही मनोज ने पैसे लौटाकर जेवर माँगे, अमित गुप्ता भड़क गया और बोला –जेवर नहीं दूँगा ज्यादा अकड़ दिखाओगे तो सबक सिखा दूँगा !22 नवंबर को मनोज जब दुकान पहुँचे तो– दुकान का शटर गिरा दिया गया ,3-4 अज्ञात गुंडे बुलाए गए, अमित और उसके साथियों ने बर्बर तरीके से पिटाई की गंभीर रूप से घायल मनोज सदर अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों मामलों में पुलिस की भूमिका संदिग्ध–मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज !पीड़ितों का आरोप बेहद गंभीर है, पुलिस ने दोनों दबंगों से हाथ मिलाकर हल्की धाराओं में मुकदमा लिख दिया। किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। दबंग हमे फोन करके धमका रहे–तुम्हें मरवा देंगे पुलिस कुछ नहीं कर सकती। यह खुला सवाल है– क्या राधानगर में पुलिस दबंगों की ढाल बन चुकी है? परिवारों में दहशत–एक व्यापारी ने घर गिरवी रखा, दूसरे की हालत अस्पताल में गंभीर प्रमोद गुप्ता : दुकान बंद, घर गिरवी, परिवार रो-रोकर बेहाल, मनोज गुप्ताः गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती, घरवालों में डर और तनाव,दोनों परिवारों ने कहा–अगर पुलिस ने मदद न की, तो हम अपने बच्चों को लेकर राधानगर छोड़ देंगे। बड़ा सवाल– सराफा कारोबार पर किसका राज? पुलिस क्यों चुप ?स्थानीय व्यापारियों ने खुला आरोप लगाया–राघवेन्द्र और अमित गुप्ता का क्षेत्र में गुंडा-तंत्र है। पुलिस भी इनके इशारे पर काम करती दिख रही है। इलाके में चर्चा है कि दोनों कारोबारियों का दबदबा इतना है कि–शिकायतें दबवा दी जाती हैं पीड़ितों को उल्टा धमकाया जाता है।पुलिस मामूली धाराओं में केस लिखकर लीपापोती कर देती है।जनता की मांग–दोनों दबंगों की तत्काल गिरफ्तारी हो, कड़े आरोपों में FIR दर्ज हो,व्यापारी और स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं–गिरो जेवर हड़पने का हिसाब हो,मारपीट, धमकी, जबरन वसूली की धाराएँ बढ़ाई जाएँ, दबंगों की गिरफ्तारी हो, सराफा कारोबार को अपराधियों की पकड़ से मुक्त कराया जाए, पीड़ित परिवारों को सुरक्षा दी जाए, राधानगर की जनता का सीधा सवाल–क्या पुलिस दबंगों के आगे बेबस है? जब व्यापारी ही सुरक्षित नहीं, जब शिकायतकर्ता ही पीटे जा रहे है पुलिस की अगली कार्रवाई ही सच उजागर करेगी

पुलिस ने मुठभेड़ में पॉक्सो का अभियुक्त पकड़ा,गोली लगने से हुआ घायल

समाज जागरण

फि रोजाबाद। थाना उत्तर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने उसके पास से असलाह बरामद किया है।

पुलिस की अभियुक्त से नगला पान सहाय के जंगलों में मुठभेड़ हुई। पुलिस को उसके बारे में पता चला था। प्रभारी निरीक्षक अन्जीश कुमार थाना उत्तर पुलिस बल के साथ वहा पहुंच गए। पुलिस ने नगला पान सहाय के जंगलों के पास सघन चैकिंग अभियान चलाया। चैकिंग के दौरान सामने से एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया।

पुलिस को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा कर उसकी घेराबंदी की। खुद को घिरता हुआ देखकर संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस टीम

पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने भी जवाबी कार्यवाही की। जवाबी फायरिंग में संदिग्ध व्यक्ति पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान शानू पुत्र रहीश के रूप में हुई। वह हबीबगंज थाना रामगढ़ का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर, 01 जिंदा कारतूस 315 बोर व 01 खोखा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया उसके खिलाफ 28 नवंबर को पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 65(1) बीएनएस ₹(2) पोक्सो एक्ट बीएनएस पंजीकृत किया था। मामले में एसएसपी ने दो टीमों का गठन किया था।

कन्नौजः बेसिक स्कूल के बच्चो को बुधवार के दिन अतिरिक्त पोषण के लिए मिलता है दूधः बीएसए

समाज जागरण बृजेश चतुवेर्दी

कन्नौज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने बताया जनपद के सभी विद्यालयों में पी.एम. पोषण (मध्यान्ह भोजन) योजना को पूर्ण पारदर्शिता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ संचालित किया जा रहा है। बच्चों को स्वच्छ, पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक स्तर पर सुदृढ़ निगरानी की जा रही है, जिससे विद्यालयों में अध्ययनरत सभी बच्चों का स्वास्थ्य निरंतर बेहतर बना रहे। उन्होंने बताया कि जनपद के 1006 प्राथमिक विद्यालय, 250 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 194 कम्पोजिट विद्यालय, 30 अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालय, 13 सहायता प्राप्त मदरसे, 04 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय विद्यालय, 01 अनुदानित संस्कृत विद्यालय तथा 60 इंटर कॉलेज–इस प्रकार कुल 1576 विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभावी संचालन हेतु जिलाधिकारी की स्वीकृति के उपरांत प्राथमिक स्तर पर ₹6.78 तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर ₹10.17 प्रति छात्र की दर से कुल ₹5,35,94,172/- रु. की धनराशि संबंधित विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन निधि खातों में हस्तांतरित कर दी गई है। इस व्यवस्था से सुनिश्चित किया गया है कि विद्यार्थियों के पोषण में कहीं

कोई व्यवधान न आए और योजना का लाभ समयबद्ध रूप से प्रत्येक बच्चे तक पहुँचता रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आगे बताया कि बच्चों के शारीरिक विकास और ऊर्जा स्तर को सुदृढ़ करने हेतु प्रत्येक बुधवार को अतिरिक्त पोषण दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर मौसमी सब्जियों एवं सोयाबीन बड़ी से तैयार तहरी परोसी जाती है तथा प्राथमिक के विद्यार्थियों को 150 मि.ली. और उच्च प्राथमिक के विद्यार्थियों को 200 मि.ली. ताजा दूध वितरण किया जाता है। इसी क्रम में आज जनपद के सभी विद्यालयों में बच्चों को ताजा दूध उपलब्ध कराया गया, जिससे विद्यार्थियों के चेहरों पर विशेष उत्साह और आनंद देखने को मिला। उन्होंने कहा कि बुधवार को दूध वितरण की यह व्यवस्था बच्चों के पोषण स्तर को मजबूत करने, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और उन्हें अधिक सक्रिय व आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जनपद के सभी विद्यालयों में इस कार्यक्रम का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है, ताकि प्रत्येक बच्चा पोषणयुक्त भोजन का पूरा लाभ प्राप्त कर सके।

कन्नौजः नवजात शिशुओं के टीकाकरण उत्सव प्रारंभ, सीएमओ ने किया शुभारंभ

समाज जागरण बृजेश चतुवेर्दी

कन्नौज। नवजात शिशुओं को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण उत्सव का बुधवार को शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. स्वदेश गुप्ता ने फीता काटकर इस उत्सव का उद्घाटन किया।सीएमओ डॉ. स्वदेश गुप्ता ने बताया कि यह अभियान पूरे एक महीने तक चलेगा। इसके तहत स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर बच्चों का टीकाकरण करेंगे। इस अभियान में 0 से 5 साल तक के बच्चों को बुधवार और शनिवार को टीके लगाए जाएंगे। इस अभियान में अभिभावकों को आगे आकर सहयोग करना होगा, ताकि कोई बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे जाए। समय से टीका लगवाकर बच्चों को बीमारियों की चपेट में

आने से बचाया जा सकता है।

लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सीएमओ कार्यालय परिसर से टीकाकरण उत्सव का एक प्रचार वाहन भी रवाना किया गया। जोकि अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर टीका लगवाने के लिए अभिभावकों को जागरूक करेगा। इस दौरान डॉ. ब्रजेश शुक्ला ने लोगों को अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वातावरण को देखते हुए तमाम तरह की बीमारियां बच्चों में फैलने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में बच्चों को समय से टीका लगवाकर उन्हें बीमारियों से बचाया जा सकता है। माता-पिता को बच्चों के टीकाकरण क लिए आगे आना होगा, तभी ये अभियान सफल होगा।

कन्नौजः वक्फ सम्पत्तियों का आन लाइन पंजीकरण जारी

समाज जागरण बृजेश चतुवेर्दी

कन्नौज। जिले में वक्फ संपत्तियों के ऑनलाइन पंजीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 दिसंबर निर्धारित की गई है, जिसके लिए अब केवल दो दिन शेष हैं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा इस प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का एक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है। पंजीकरण प्रक्रिया में मोबाइल नंबर दर्ज करना, ओटीपी प्राप्त करना और फिर संपत्ति का विस्तृत विवरण तथा भू-राजस्व अभिलेखों की जानकारी

अपलोड करना शामिल है।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि जिले भर की वक्फ संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए विभाग ने शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपनी संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत कराया। यह प्रक्रिया अगले दो दिनों तक जारी रहेगी। वारसी पब्लिक स्कूल के मौलाना ने जानकारी दी कि उनके स्कूल में दो कंप्यूटर ऑपरेटरों की मदद से संपत्तियों का पंजीकरण करवाया जा रहा है और काफी संपत्तियां पहले ही पंजीकृत हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई मस्जिदें, कब्रिस्तान और मजारें निजी संपत्ति के दायरे में आती हैं, जिनके पंजीकरण के संबंध में सरकार की आगामी गाइडलाइन के अनुसार कार्य किया जाएगा।

कन्नौजः विश्व दिव्यांगता दिवस पर दिव्यांग बच्चो ने दिखाई असाधारण प्रतिभा

समाज जागरण बृजेश चतुवेर्दी

कन्नौज। विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर जनपद के डी.एन. कॉलेज तिर्वा परिसर में भव्य समारोह एवं एकेडमिक स्पोर्ट एंड कल्चरल मीट-2025 कार्यक्रम का सफल आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने अपनी दक्षता, आत्मविश्वास और प्रतिभा का असाधारण प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता (बालिका वर्ग), छूकर पहचानो, कुर्सी दौड़ (बालक वर्ग), गायन, नृत्यकला, लेखन, बॉल थ्रो, सुलेख, रंगोली, तथा कला प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। सभी प्रतिभागी बच्चों ने पूर्ण उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपनी असाधारण कलात्मक एवं खेल प्रतिभा का परिचय दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, उप जिलाधिकारी तिर्वा राजेश कुमार एवं प्राचार्य योगेन्द्र सिंह तोमर द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,

इसके उपरांत हरी झंडी दिखाकर 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। अपने संबोधन में पार्टी जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिव्यांग बच्चों में अपार क्षमता निहित होती है। उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे किसी भी क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकते हैं। आज का आयोजन उनकी इसी प्रतिभा को सम्मान देने का एक प्रयास है। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी तिर्वा राजेश कुमार ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांग बच्चों को पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे हमारी प्रेरणा हैं। आगामी समय में सक्षम एवं प्रतिभाशाली बच्चों को पैरा ओल म्पिक जैसी प्रतिष्ठित प्रति योगिताओं में प्रतिभाग कराया जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जनपद कन्नौज का नाम रोशन कर सकें। जिला बेसिक अधिकारी ने कहा कि जनपद स्तर पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करता है, बल्कि समाज को उनकी क्षमताओं को पहचानने और सम्मान देने का संदेश भी देता है। उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं गणमान्यों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया।

इस अवसर पर पैरा ओलम्पिक सचिव श्री पुनीत पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार एवं अमित मिश्रा, संजीव कटियार आदि द्वारा सहयोग दिया गया।

नारायण दिव्यांग सेवा समिति द्वारा अंतराष्ट्रीय विश्व विकलांग दिवस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया !

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद ! नारायण दिव्यांग सेवा समिति द्वारा अंतराष्ट्रीय विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग खेल महोत्सव के तहत कबड्डी, पंजा कुश्ती, ट्राई साइकिल दौड़, दिव्यांग रिंग फेंक, दिव्यांग गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन इस्लामिया इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर किया गया.।

समारोह की मुख्य अतिथि मेयर कामिनी राठौर ने दीप प्रज्ज्वलन कर खेल महोत्सव का शुभारम्भ किया, इस अवसर पर कामिनी राठौर ने कहा कि विश्व दिव्यांग दिवस पर संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें दिव्यांगजनों को पुरुस्कृत किया जाता है ! ये संस्थान का बहुत ही सराहनीय कार्य है। भाजपा नेत्री

अनुपम शर्मा ने कहा कि हमें दिव्यांग जनों का सम्मान करना चाहिए.

एस सी अग्रवाल ने कहा ऐसे दिव्यांगों के आयोजनों से प्रतिभाएँ सामने आती हैं।समारोह की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष दिलीप प्रजापति ने की,, समारोह का भव्य संचालन असलम भोला ने किया।

इस अवसर पर दिव्यांग विभाग से कृष्णमोहन सिंह, महेश अग्रवाल, राजेश दुबे आदर्श, मनोज नागर, दिनेश राठौर, प्रवीन कुमार, रविकांत,विकास गुप्ता राहुल कुमार, आदि सेकड़ों दिव्यांग जन उपस्थित रहें । पुरस्कार निम्न प्रकार दिए गए। ट्राई साइकिल में प्रथम आशिफ, द्वितीय राहुल राठौर,तृतीय लालाराम, पंजा कुश्ती में प्रथम भीकमपाल सिंह रामगढ़, द्वितीय रविकांत,,रिंग फेंक में प्रथम निखिल, द्वितीय अमित, संगीत गायन में प्रथम सोमबती द्वितीय मंजू,, कबड्डी में कप्तान रविकांत एवं उनकी टीम विजयी रही !

रीवा में श्रीजी कंपनी के अकाउंटेंट ने किया 7.11 करोड़ रुपये का फजीर्वाड़ा, रिश्तेदारों के खाते में किए ट्रांसफर

समाज जागरण

रीवा। श्रीजी कंपनी में एक बड़े वित्तीय घोटाले का मामला सामने आया है। कंपनी के रीवा कार्यालय में अकाउंट विभाग में कार्यरत कर्मचारी अतुल पाठक ने वर्ष 2018 से 2025 के बीच दस्तावेजों में हेरफेर और गलत तरीके से कंपनी को कुल 7 करोड़ 11 लाख रुपए का नुकसान पहुंचाया है। आरोपित अतुल पाठक ने यह फजीर्वाड़ा कई तरीकों से अंजाम दिया। उसने कंपनी के खाते से 4 करोड़ 95 लाख रुपए सीधे अपने निजी खातों में ट्रांसफर किए। इसके साथ ही, उसने अपनी पत्नी निशा पाठक के खाते में 36.59 लाख रुपए भेजे, और काशी प्रसाद पाठक, ममता पाठक, और सागर तिवारी के खातों में भी लाखों रुपए

जमा कर दिया। आरोपित ने कंपनी को मिलने वाले 1.30 करोड़ रुपए भी अपने खाते में डाल लिए। इतना ही नहीं, कंपनी द्वारा बनवाए गए घर खरीदने वाले लगभग 10 ग्राहकों से प्राप्त 1.21 करोड़ रुपए भी उसने कंपनी के खाते के बजाय अपने निजी खाते में जमा कर लिए। यह घोटाला गत जून 2025 में तब उजागर हुआ। जब कंपनी के भोपाल कार्यालय में कुछ कर्मचारियों के नौकरी छोड़ने के बाद अतुल पाठक का ट्रांसफर भोपाल कर दिया गया। उसकी जगह नियुक्त किए गए नए कर्मचारी ने जब दस्तावेजों की जांच की तो वित्तीय अनियमितता सामने आने लगीं। इसके बाद कंपनी ने ऑडिट कराया, जिसमें करोड़ों की हेराफेरी का यह पूरा मामला उजागर हो गया।

पत्नी के नाम से एफडी खुलवाई गई-:

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी ने हड़पे गए इस पैसे से रीवा, सतना और कटनी में कई प्लॉट खरीदे हैं। उसने अपनी पत्नी ममता पाठक के नाम पर कटनी में जमीन खरीदकर मकान बनवाया है और एक अन्य जमीन पर निर्माण कार्य जारी बताया गया है। इसके अलावा, आरोपी ने सोना, गोल्ड बॉन्ड और एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) में भी बड़ी राशि का निवेश किया है, जिसमें उसकी पत्नी के नाम से भी एफडी खुलवाई गई हैं। कंपनी की शिकायत पर विश्वविद्यालय पुलिस ने इस मामले में अतुल पाठक, पत्नी निशा पाठक, काशी प्रसाद पाठक, ममता पाठक, सागर पाठक सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

आवेदन पत्र की जांच की गई-:

श्रीजी कंपनी की तरफ से थाने में आवेदन पत्र देकर अपने ही कर्मचारियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला बताया गया था। इसके बाद आवेदन पत्र की जांच की गई। कंपनी द्वारा गए लगाया गया आरोप प्रमाणित पाए गए, जिस पर मामला पंजीकृत कर मामले को विवेचना में लिया गया है। - हितेंद्र नाथ शर्मा, थाना प्रभारी विश्वविद्यालय

फुनगा पुलिस चौकी ने अवैध गांजा तस्करी के दो वर्ष से फरार आरोपी को दबोचा

समाज जागरण

अनूपपुर जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में फुनगा पुलिस ने दो साल से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

घटना विवरण

2 दिसंबर 2023 को मुखबिर से सूचना मिली कि बिना नंबर की सफेद महिंद्रा बोलेरो पिकअप में मिनरल वाटर के कैरेट के नीचे बोरियों में छिपाकर अवैध गांजा बदरा से अनूपपुर की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। वाहन में बैठे दो व्यक्ति पुलिस को देखकर चलती पिकअप से कूदकर भाग निकले। वाहन की तलाशी में भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया गया। इस पर फुनगा चौकी में अपराध क्रमांक 500/23 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया था।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी

लगातार जांच के दौरान 30 नवंबर 2025 को मुखबिर की सूचना पर सायबर सेल से आरोपी की लोकेशन प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रकरण के फरार आरोपी कमलेश मरार पिता छतराम मरार, निवासी मरघटी, थाना हसौद, जिला शक्ति (छत्तीसगढ़) को गिरफ्तार किया और न्यायालय में प्रस्तुत किया।

कार्रवाई में शामिल टीम

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उनि सोने सिंह परस्ते, सउनि कोमल अरजरिया, कमल किशोर चंद्रोल, प्रआर रामेश्वर सिंह, अनिल तिवारी, सूर्यभान सिंह, मनीराम मोगरे, आरक्षक बीर सिंह पाल, अमन दुबे तथा सायबर शाखा से प्रआर राजेंद्र अहिरवार और पंकज मिश्रा की अहम भूमिका रही।

नगर में बढ़ती ठंड, अलाव व्यवस्था ठप - एक सप्ताह बाद भी अधिकारी बेपरवाह

जनप्रतिनिधियों के निर्देशों की अनदेखी, जनता परेशान—जिम्मेदारी किसकी? *सीएमओ मैहर या कलेक्टर मैहर?

समाज जागरण

मैहर। नगर में लगातार बढ़ती ठंड ने आमजन का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। कड़ाके की ठिठुरन से मजदूर वर्ग, बुजुर्ग, रात्री में यात्रा करने वाले राहगीर सहित दूर-दराज से मां शारदा देवी के दर्शन करने पहुँचने वाले भक्तों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी ने 24 नवंबर 2025 को मुख्य नगरपालिका अधिकारी को पत्र लिखकर नगर के प्रमुख चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में तत्काल अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए थे। निर्देश के सात दिन बाद भी शून्य कार्रवाई आश्चर्यजनक रूप से पत्र जारी हुए पूरा एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी नगरपालिका द्वारा अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई। इससे आमजन में नाराजगी बढ़ रही है तथा यह सवाल उठ रहा है कि– क्या अधिकारी जानबूझकर नपा अध्यक्ष को बदनाम करने की कोशिश कर

रहे हैं?क्या जनप्रतिनिधियों की बात सुनना अब अधिकारियों के एजेंडे में नहीं?

स्थानीय नागरिकों में चर्चा है कि–

"कहने को तो भाजपा सरकार है, नेतृत्व में सांसद, विधायक, अध्यक्ष सभी हैं, लेकिन अधिकारीझकर्मचारी किसी की भी नहीं सुन रहे। इसी का परिणाम है कि जनता ठंड में परेशान है और जनप्रतिनिधियों की छवि धूमिल हो रही है।"

जनता ठिठुर रही, रस्साकसी जारी

ठिठुरन भरी सर्द रातों में अलाव की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की लापरवाही से हालात बदतर होते जा रहे हैं।

जनता का कहना है कि–

"जनप्रतिनिधि और अधिकारी आपस में रस्साकसी करते रहें, पर कम से कम जनता की समस्या तो दूर करें।"

अब बड़ा सवाल

इस लापरवाही से यदि किसी प्रकार की कोई दुर्घटना या संकट उत्पन्न होता है तो उसकी जिम्मेदारी सीएमओ मैहर की होगी या कलेक्टर मैहर की? जनता जवाब चाहती है– और तत्काल राहत भी।

जिले में धान का उपार्जन शुरू, 25 खरीदी केन्द्रों में 151 किसानों से आज हुई 8203 क्विंटल धान खरीद

समाज जागरण

रीवा जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन शुरू हो गया है। पंजीकृत किसानों से सामान्य औसत किस्म का धान 2369 रुपए तथा ग्रेड-ए का धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। जिले में 2 दिसम्बर को 25 खरीदी केन्द्रों में 151 किसानों से 8203.77 क्विंटल धान की खरीद की गई है। ₹इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर ने बताया कि खरीदी केन्द्र बहुरीबांध, करहिया, नवागांव, बरहुला, बदवार, खैरा, मनिका, परसिया, सुदर्शन वेयरहाउस, मोहरवा, बम्हौरी, बिहरा, गुढ़, रघुराजगढ़, वीरखाम, खौर, गंगेव, पथरहा, पड़रिया, टीकर, जवा, सूर्यकांत वेयरहाउस, ओम कामता वेयरहाउस बैकुंठपुर, एसएस एग्रो सेंटर डेल्ही तथा मनिकवार खरीदी केन्द्रों में धान की आवक शुरू हो गई है। किसान उपार्जन के लिए धान सुखाकर लाएं। धान साफ-सुथरी रहे।

बड़ा खुलासा: सरकारी निर्माण में 'चोरी' का माल! कस्तूरबा गांधी छात्रावास की नींव में खपाई जा रही गोहरारू नदी की अवैध रेत, प्रशासन बना मूकदर्शक

प्यारी क्रमांक-1 में चल रहा अवैध खेल: रॉयल्टी बचाने के चक्कर में ठेकेदार कर रहा नदी का सीना छलनी

फुनगा पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका संदिग्ध, ग्रामीणों ने की मशीनें और ट्रैक्टर राजसात करने की मांग

समाज जागरण फुनगा/अनूपपुर।

जिले में कानून व्यवस्था का मखौल उड़ाते हुए एक गंभीर मामला सामने आया है। जिस प्रशासन पर अवैध उत्खनन रोकने की जिम्मेदारी है, उसी प्रशासन के नाक के नीचे सरकारी भवन के निर्माण में चोरी की रेत का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। मामला फुनगा क्षेत्र का है, जहाँ गोहरारू नदी को माफियाओं ने चारागाह बना लिया है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इस अवैध रेत का उपयोग किसी निजी मकान में नहीं, बल्कि प्यारी क्रमांक-1 में बन रहे कस्तूरबा गांधी छात्रावास में किया जा रहा है। सरकारी पैसे से बन रही इमारत,

लेकिन संसाधन 'चोरी' के?

खबर है कि प्यारी क्रमांक-1 में निमार्णाधीन कस्तूरबा गांधी छात्रावास के ठेकेदार द्वारा सरकारी राजस्व (रॉयल्टी) की चोरी की जा रही है। नियमानुसार, सरकारी निर्माण कार्यों में वैध खदान की रॉयल्टी वाली रेत लगनी चाहिए, लेकिन मुनाफे के लालच में ठेकेदार गोहरारू नदी के प्यारी, देखल और अमलाई घाटों से रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन करवा रहा है। सवाल उठता है कि क्या संबंधित इंजीनियर और अधिकारियों को इस "काले खेल" की जानकारी नहीं है, या सब कुछ मिलीभगत से चल रहा है? दिनदहाड़े चल रही चोरी, सो रहा सिस्टम ग्रामीणों के अनुसार, गोहरारू नदी में मशीनें और ट्रैक्टर-ट्रॉली दिन-रात गरज रहे हैं। नदी का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह नष्ट किया जा रहा है। फुनगा पुलिस की गश्त इन रास्तों पर नदारद रहती है और खनिज विभाग शिकायत के बाद भी मौके पर नहीं पहुँचता। ग्रामीणों का आरोप है कि यह चुप्पी इशारा करती है कि माफियाओं के तार बहुत ऊपर तक जुड़े हैं। जिम्मेदार अधिकारियों के लिए 3 बड़े सवाल: कस्तूरबा गांधी छात्रावास के निर्माण में लग रही रेत की रॉयल्टी रसीद (TP) की जांच अब तक क्यों नहीं की गई? जब प्यारी, देखल और अमलाई में खुलेआम जेसीबी चल रही है, तो खनिज विभाग ने अब तक कोई ट्रैकर जब्त (राजसात) क्यों नहीं की? सरकारी निर्माण में अवैध सामग्री का उपयोग होने पर निर्माण एजेंसी/ठेकेदार पर FIR कब दर्ज होगी? कार्रवाई नहीं हुई तो होगा आंदोलन विशेषज्ञों के मुताबिक, अवैज्ञानिक खनन से गोहरारू नदी के तट कट रहे हैं और जलस्तर रसातल में जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और एसपी अनूपपुर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कस्तूरबा गांधी छात्रावास में लग रही अवैध रेत की जांच कर ठेकेदार और खनन माफियाओं पर FIR दर्ज नहीं की गई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

धान खरीदी के समर्थन मूल्य में विसंगति को लेकर उमरिया युवा कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

उमरिया।युवा कांग्रेस की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष उमरिया अनुराग सिंह अंबुज जी के आह्वान पर युवा कांग्रेस के नव निर्वाचित पदा धिकारियों की बैठक आयोजित की गई। आगामी विभिन्न कार्यक्रम को लेकर युवा साथियों के बीच संवाद कर कांग्रेस को मजबूत करने की सहमति व्यक्त की गई। कार्यक्रम में कांग्रेस कमेटी उमरिया के जिलाध्यक्ष इंजी विजय कोल विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रदेश में धान खरीदी को लेकर जारी असंतोष के बीच उमरिया युवा कांग्रेस ने सोमवार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर सरकार द्वारा वादा किए गए समर्थन मूल्य में की जा रही कमी का कड़ा विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि मध्य प्रदेश सरकार ने धान की खरीदी ₹3100 प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर करने का वादा किया था, किंतु वर्तमान में विभिन्न खरीदी केंद्रों पर केवल ₹2369 प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। युवा कांग्रेस ने इसे किसानों के साथ सीधा छल और वादाखिलाफी बताया।ज्ञापन के अनुसार समर्थन मूल्य और वास्तविक खरीदी मूल्य के बीच ₹731 प्रति क्विंटल का अंतर किसानों के लिए गंभीर आर्थिक क्षति का कारण बन रहा है। प्राकृतिक आपदाओं और महंगाई से पहले से प्रभावित किसान इस निर्णय के कारण और अधिक बदहाल स्थिति का सामना कर रहे हैं। जिले के किसान विशेष रूप से चिंतित हैं, क्योंकि उमरिया में धान अधिकांश किसानों की आजीविका का मुख्य आधार है।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने कहा, किसानों के साथ इस तरह की वादाखिलाफी अस्वीकार्य है। सरकार ने स्वयं समर्थन मूल्य ₹3100 घोषित किया था, लेकिन अब ₹2369 में खरीदी करके किसानों को भारी आर्थिक नुकसान पहुँचाया जा रहा है। यह निर्णय किसानों की मेहनत पर चोट है। प्रदेश का अन्नदाता न्याय की उम्मीद में सरकार की ओर देख रहा है। हम किसानों की लड़ाई मजबूती से लड़ते रहेंगे और उनकी प्रत्येक उचित मांग को उठाते रहेंगे।युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह अंबुज ने राज्यपाल से आग्रह किया कि धान खरीदी तत्काल घोषित समर्थन मूल्य ₹3100 प्रति क्विंटल पर शुरू कराई जाए। 2. कम दर पर धान बेचने वाले किसानों को अंतर राशि का अविलंब भुगतान दिलाया जाए। खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। किसानों से किए गए वचनों का पालन सरकार से कराया जाए। युवा कांग्रेस ने मांग की कि राज्यपाल तत्काल हस्तक्षेप कर किसानों की पीड़ा को दूर करने हेतु प्रभावी कदम उठाएं, ताकि प्रदेश के अन्नदाता राहत महसूस कर सकें।

मेडियारास क्षेत्र में 52 परी का खेल जोरों पर

समाज जागरण

अमलाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूपपुर जिले के चचाई थाना अंतर्गत मीडियारास पेट्रोल पंप के पीछे एवं रेलवे लाइन के समीप बीते दो सप्ताह से 52 परी का खेल खिलाया जा रहा है किंतु पुलिस प्रशासन द्वारा अभी तक वामन परी के खेल के संचालक एवं खेलने वाले को पकड़ने में सफलता हासिल नहीं कर पाई है। सूत्र बताते हैं कि इस अड्डे में ग्रामीण अंचल सहित अनूपपुर जिला मुख्यालय के खिलाड़ी आते हैं और अपनी किस्मत आजमाते हैं प्रतिदिन लाखों का खेल यहां हो रहा है। उक्त अवैध कार्य का संचालन किसी पटेल नामक युवक द्वारा किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, बैसाखी व स्मार्ट केन का किया गया वितरण

समाज जागरण
दैनिक विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी मोहनगंज में जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 25 ट्राई साइकिल, 10 बैसाखी, 15 स्मार्ट केन आदि का वितरण किया गया। उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे और उनकी खुशी देखने लायक थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नही बल्कि कुछ कर गुजरने की कुंजी है। स्टीफन हॉकिंस, हेलेन केलेन, सूरदास, अष्टावक्र, जगतगुरु राम भद्राचार्य, सुधा चंद्रा आदि दिव्यांग महान विभूतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अपने ऐतिहासिक खोज और कार्यों के कारण आज पूरी दुनिया इनका लोहा मानती है और पूरी दुनिया में ये लोग प्रसिद्ध है।

उन्होंने कहा कि समाज में लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी चीज से कमजोर है इसीलिए सब में दिव्यांगता पाई जाती है। इससे हौसला बना कर पार पाने की जरूरत है।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने कहा कि किसी भी दिव्यांग को उपकरण या पेंशन, के लिए भटकना नही पड़ेगा क्योंकि कि उत्तर प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने दिव्यांगों के लिए पर्याप्त मात्रा में संसाधन उपलब्ध कराया है। शासन के साथ-साथ समाज की भी जिम्मेदारी है कि दिव्यांगों तक उपकरण एवं पेंशन, शादी अनुदान, दुकान निर्माण आदि योजनाएं पहुंचाएं। कार्य वाहक प्रधानाचार्य श्रीनारायण यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांग बच्चों के लिए समेकित से लेकर स्पेशल विद्यालयों का संचालन कर रही है जिसके कारण आज दिव्यांग अच्छे पदों पर विराजमान हैं। कार्यक्रम में अमित कुशवाहा, अनिरुद्ध नारायण तिवारी, हर्ष सिंह राकेश, संजय, शंकर लाल आदि उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद के नेतृत्व में दारसागर में श्रमदान, बोरी बंधान से जल संरक्षण की पहल

समाज जागरण अनूपपुर

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्र 4 अंतर्गत ग्राम पंचायत दारसागर के शिवकंटक गौशाला क्षेत्र स्थित जोगी नाला में जल संचय अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान कर बोरी बंधान का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम

के अंतर्गत आयोजित इस गतिविधि में बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के छात्र, नवांकुर संस्था पसान तथा प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षाजल को रोककर प्राकृतिक जल स्त्रोतों को मजबूती प्रदान करना तथा पशुओं और पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध कराना है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बोरी बंधान से जलस्तर में सुधार होगा और गर्मी के मौसम में जल संकट कम होगा इस सामूहिक श्रमदान में नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि विकास कुमार, परामर्शदाता शिवानी सिंह, पाठ्यक्रम के छात्र किरण प्रजापति, सुनीता देवी, राधा सिंह, ज्योति, मीना केवट, प्रस्फुटन समिति भालूमाड़ा की सचिव अमीषा सिंह, राकेश कुमार, गीतादेवी सहित ग्रामीणों ने सहभागिता दर्ज की जन अभियान परिषद ने बताया कि जल संरक्षण को लेकर ऐसे सामुदायिक प्रयास आगे भी जारी रहेंगे

कानपुर में करोड़ों की जमीन ने करवा दी युवक की हत्या : हिरासत में दो भाई ,जांच शुरू

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। हत्या के रूप में किसी की मौत और सारे बवाल की वजह जड़ यानी पुरानी रंजिश, जोरू मतलब स्त्री और जमीन ही बनती है। यह पुरानी कहावत कानपुर में भी चरितार्थ होती तब नजर आई जब करोड़ की जमीन के चक्कर में एक युवक की बेरहम सी हत्या कर दी गईआज बुधवार को उसकी लाश मिलने के बाद पुलिस घटना की छानबीन करने के साथ ही हत्यारों की भी तलाश में जुट गई है। इस हत्या की वजह 2.40 करोड़ की जमीन के विवाद से से जुड़ी बताई जाती है ,जिसके चक्कर में ही पान मसाला फैक्ट्री कर्मी की हत्या कर दी गई। उसकी लाश पांडु नदी के पास खाली प्लॉट में पड़ी मिली। युवक के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया था। उसके दोनों हाथ पीछे की ओर रस्सी से बंधे थे। चेहरे को बोरी से ढक कर ऊपर पत्थर रख दिया गया था। यह घटना गुजैनी थाना क्षेत्रके मेहरबान सिंह के पुरवा की है।लोगों को इस घटना की जानकारी तब हुई जब आज बुधवार सुबह लोग टहलने निकले तो शव देखते ही पुलिस को सूचना दी। हत्या की सूचना पर डीसीपी साउथ, एडीसीपी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने चेहरे से बोरी हटाई तो सिर के पीछे से खून निकलता दिखा। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मामले में हत्यारोपी दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मौके पर पहुंची पुलिस को साढ़ कस्बे के रहने वाले गंगा प्रसाद ने बताया दोनों बेटे अमित तिवारी व विपिन उर्फ गुड्डू (32) ट्रांसपोर्ट नगर की पान मसाला फैक्ट्री में 8 साल से काम करते थे। अमित जहानपुर में रहता है, जबकि विपिन मेरे, अपनी मां रामसुती, पत्नी शैलू और दो जुड़वा बेटे रामजी, श्यामजी के साथ रहता था। विपिन रोज बस से फैक्ट्री जाता था। वह कल मंगलवार शाम 6 बजे वह फैक्ट्री जाने के लिए घर से निकला था।

बड़े भाई अमित ने बताया- शाम 7:30 बजे विपिन से फोन पर बात हुई तो उसने कहा- बारादेवी पहुंच रहा हूं। फैक्ट्री आने में कुछ देर हो जाएगी। करीब एक घंटे बाद फोन किया, तो कॉल रिसीव नहीं हुई। कुछ देर बाद मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा। पुलिस ने बताया कि लास्ट को पोस्टमार्टम के लिए बेचकरघटना की छानबीन की जा रही है।

कुरकुचा ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार की बिछी बिसात

अधिकारियों की कृपा से विकास कार्यों के नाम पर शासकीय राशि का बन्दर बांट

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले की आदिवासी जनपद पंचायत पाली में विकास कार्यों के नाम पर शासकीय राशि का व्यापक दुरूपयोग कर भ्रष्टाचार किये जाने की शिकायतें आम हो चुकी है। इस ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर आहरित शासकीय धन राशि का आकलन करने पर पता चलता है कि पिछले पंचवर्षीय से लेकर अब तक करोड़ों रुपए पानी में बह गये और उनकी जगह पर टूटी - फूटी क्राकींट सडकें, गुणवत्ता हीन जर्जर पुलिया, आधी -अधूरी विद्यलयों की बांऊण्डी बाल, तालाबों के नाम पर व्यापक रूप से अनियमितता कर राशि का घालमेल किया गया है। पंचायत दर्पण एप का ही एक बार अवलोकन करने पर पंचायत स्तर पर विकास कार्यों के नाम पर चल रही कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार के खेल का मामला हर एक को हैरान कर देगा। निर्माण कार्यों की इबारत बता रही हैं की यह एक ऐसी ग्राम पंचायत है जहाँ पर वर्ष 2016 के कार्य आज भी प्रगति रत बताये जाते हैं, जबकि यह प्रगति मूल रूप से यह दर्शा रही हैं की इन विकास कार्यों के नाम पर शासकीय धन राशि का आहरण किया गया है और निर्माण के नाम पर धुंधले बिलों को लगा कर लाखों का वारा न्यारा किया गया है। एक कार्य पूरा नहीं हुआ और उसी कार्य स्थल के लिए कार्य स्वीकृति कर के शासकीय धन राशि व्यय की जा रही है। ध्यान देने योग्य है कि कुरकुचा ग्राम में क्रांकीट सडक निर्माण कार्य स्वीकृति दिनांक 15-8-2016 राशि पांच लाख रुपए राज्य वित्त आयोग जो की जिला पंचायत स्तर से प्राप्त हुई थी, जिसे सूरज सिंह के घर से राम कृपाल सिंह की घर की ओर बनायी जानी हैं, वह तो आज भी निमार्णाधीन है ही उस पर हुये भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए सी सी सडक सह नाली निर्माण कार्य के नाम पर पांचवा वित्त से स्वीकृति दिनांक 14-4-2025 से राशि 293000.00 आहरित कर कार्य कराया जा रहा है। खेद जनक कहा जाता है कि यह सी सी सडक सह नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है उसकी गुणवत्ता के मानकों की धज्जियां उड़ा कर रख दी गई, जिसकी विस्तार से चर्चा अगले अंक में करेंगे। उपयंत्री की कार्य शैली पर उठ रहे सवाल ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता पुर्ण संपन कराने की जिम्मेदारी सबंधित क्षेत्र में पदस्थ उपयंत्री की होती है, ताकि निर्माण कार्य तय मानकों के अनुरूप हो और शासकीय धन राशि का यथेष्ट रूप से सदुपयोग हो, लेकिन इस कार्य क्षेत्र में पदस्थ उपयंत्री का भगवान ही मालिक है, न कभी जनपद पंचायत में दिखाई देती न फील्ड में। घर बैठकर डियूटी पूरी की जा रही है। हैरत अगेज है कि इन उपयंत्री महोदय की कार्य क्षेत्र के भ्रमण के दौरान तीन ग्राम पंचायत में निर्माण कार्य चल रहा है पर यह तीनों निर्माण कार्य क्षेत्र में नहीं मिली, जनपद पंचायत में भी नहीं,तो इनकी सेवा कैसे पूरी हो रही है इनके कार्य क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में व्यापक पैमाने पर फैली वित्तीय अनियमिताओ से पता चलता है, पंचायतों में व्याप्त धांधलियो का असली राज क्या है। नहीं रिसीव करती काल बताया जाता है कि इस क्षेत्र में पदस्थ उपयंत्री से निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी लेने के लिए जनपद पंचायत से प्राप्त दूरभाष नंबर पर लगातार उनसे संपर्क करने की कोशिश की गयी लेकिन उन्होंने फोन रिसीव करना उचित नहीं समझा।

सेवानिवृत्त उपरांत अखंड मानस पाठ एवं विशाल भंडारा

समाज जागरण

अमलाई ।क्षेत्र में एसईसीएल अमलाई खुली खदान से सेवानिवृत्त रामदयाल उरमलिया के सम्मान में विशेष धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हनुमान मंदिर में

1 दिसंबर को अखंड मानस पाठ की शुरूआत हुई, जिसकी पूणार्हुति व विशाल भंडारा मंगलवार को संपन्न हुआ।कार्यक्रम दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित रहा, जिसमें क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि और पुलिस स्टाफ ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया परिजनों व क्षेत्रवासियों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारी के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की। सभी ने इस पुण्य कार्य के लिए उरमलिया परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद अब उनकी दूसरी पारी जनहित में और अधिक गति से आगे बढ़ेगी।

कोटा फीवर के लेखक रंजन पाण्डेय को मिला प्रतिष्ठित विमला पाठक सम्मान

समाज जागरण दैनिक
विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रयागराज । महानगर के ख्यातिलब्ध साहित्यकार रंजन पाण्डेय को उनकी पुस्तक कोटा फीवर पर गत दिवस प्रतिष्ठित विमला पाठक सम्मान एक भव्य समारोह में जबलपुर में दिया गया जिससे प्रयागराज के साहित्यकारों ने अंजुरी भर भर कर बधाइयां अर्पित की और हर्ष व्यक्त किया। श्री पाण्डेय जी को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के साहित्य प्रकोष्ठ ने भी नगर में सम्मानित करने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों जबलपुर की अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था कादंबरी द्वारा जबलपुर के भव्य शहीद स्मारक सभागार में अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह का

आयोजन किया गया जिसमें प्रयागराज के निवासी बी एस एन एल के पूर्व सहायक महाप्रबंधक रंजन पाण्डेय को उपन्यास "कोटा फीवर" के लिए श्रीमती विमला पाठक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के अंतर्गत अंगवस्त्र,मुक्ताहार सम्मान पत्र, रुद्राक्ष,स्फटिक के शिवलिंग तथा सम्मान राशि भेंट की गई। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रांतों से साहित्यकार आए थे जिसमें आयोजकों द्वारा उनके आवास आदि की समुचित व्यवस्था भी की गई थी। श्री पाण्डेय जी को जल्द ही भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के साहित्य प्रकोष्ठ प्रभारी और अन्य पदाधिकारी भी सम्मानित करेंगे। बधाई देने वालों में डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय , डॉ राम लखन चौरसिया वागीश , डॉ योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु, शंभूनाथ श्रीवास्तव, राकेश मालवीय मुस्कान, रेखा तिवारी , रवींद्र कुशवाहा, डॉ राम सुख यादव , पूर्णिमा पाण्डेय ,शलभ मिश्रा, जया मोहन , डॉ बालकृष्ण पांडेय आदि मुख्य हैं।

शिक्षा विभाग की माह नवंबर रैंकिंग में कोन ब्लॉक फिर प्रथम

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। शिक्षा विभाग द्वारा जारी नवंबर माह की रैंकिंग में ब्लॉक कोन ने एक बार फिर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। लगातार चुनौतियों,

सीमित संसाधनों और अध्यापकों की कमी के बावजूद कोन ब्लॉक ने अपने प्रदर्शन से श्रेष्ठता बनाए रखी है। हर माह प्राथमिक कार्यों एवं विभागीय डेटा के आधार पर जारी होने वाली इस रैंकिंग में कोन का शीर्ष पर बने रहना जिले में चर्चा का विषय है। अध्यापकों की मेहनत और कार्यशैली को इस उपलब्धि की सबसे बड़ी वजह बताया जा रहा है। कई शिक्षकों ने यह बताया कि बीईओ विश्वजीत कुमार के कार्यभार संभालने के बाद से ब्लॉक में कार्य वातावरण बेहतर हुआ है, जिसका सीधा असर रैंकिंग में दिख रहा है। प्रशासनिक निर्णय, अनुशासन और सतत निगरानी को उनकी कार्यशैली की खास विशेषता बताया जा रहा है। बीईओ विश्वजीत कुमार ने भी सफलता का श्रेय अपने अध्यापकों को देते हुए कहा कि टीम भावना और लगन के बिना यह संभव नहीं था। नवंबर माह की रैंकिंग में रॉबर्ट्सगंज दूसरे और नगवां ब्लॉक तीसरे स्थान पर रहे।

11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से किशोर की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा हड़कंप

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के चौना गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। नमामि गंगे परियोजना की 11 हजार वोल्ट की बिजली का तार टूटकर गिरने से 13 वर्षीय किशोर रामप्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब सवा पांच बजे हुई। जानकारी के अनुसार, रामप्रसाद पुत्र धर्म सिंह के घर से सटा हुआ नमामि गंगे परियोजना का बिजली का तार गुजरा था। बुधवार सुबह लगभग 5:15 बजे यह तार टूटकर घर के पास रखे पुआल (सूखी घास) पर गिर गया, जिससे उसमें आग लग गई। रामप्रसाद जैसे ही

घर से बाहर निकला, उसका पैर टूटे हुए तार या उसके संपर्क में आए हिस्से से छू गया। बिजली का झटका लगते ही रामप्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कंपोजिट विद्यालय में कक्षा 7 का छात्र था। वह अपने पिता धर्म सिंह के दो बेटों में छोटा था। उसकी मां फूलमती देवी का निधन करीब दस वर्ष पहले हो चुका था। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के ग्रामीण भी आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे और मदद की। मृतक के पिता ने तत्काल ग्राम प्रधान दीनदयाल जायसवाल को घटना की सूचना दी। परिजनों ने डायल 112 और एंबुलेंस की मदद से रामप्रसाद को बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया और शव पुलिस को सौंप दिया। मौके पर पहुंची बभनी पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया है।

झोला छाप डॉक्टरों को क्यों बचा रहा है स्वास्थ्य विभाग, क्यों मिल रही है पत्रकारों को धमकी

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायतों का, झूठी आख्या लगा रहा है स्वास्थ्य विभाग

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र/खलियारी। जनपद में अवैध क्लीनिक, पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों की भरमार है लेकिन सोनभद्र का स्वास्थ्य विभाग कुंभकर्णी निद्रा में लीन है अवैध क्लीनिकों और झोला छाप डॉक्टरों के गलत इलाज से आए दिन निजी अस्पतालों में लोग मर रहे हैं भारी हंगामा और मीडिया में प्रकाशित खबरों के दबाव में स्वास्थ्य विभाग कागजी खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देता है राबर्ट्सगंज सहित सोनभद्र के अन्य जगहों पर संचालित हो रहे अवैध क्लीनिक पर कई महिलाओं पुरुषों और बच्चों के गलत इलाज से मृत्य हो चुकी है कार्यवाई के नाम पर स्वास्थ्य विभाग महज खानापूर्ति कर क्लीनिक को सील कर कार्य वाही का ढोंग करती है लेकिन बेखौफ क्लीनिक संचालक पर्दे के पीछे इलाज करते रहते है बाहर से ताले लटके अस्पतालों में अंदर इलाज होता है जो स्वास्थ्य विभाग के कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। अवैध क्लीनिक संचालकों की दबंगई भी कई बार सामने आ चुकी है अभी हाल में ही एक पत्रकार और एक नेता की आडियो वायरल हो रही है जिसमे पत्रकार को खबर हटाने व खबरें नहीं चलाने की धमकी दी जा रही है ये आडियो इस बात का प्रमाण है कि स्वास्थ्य विभाग में माफियाओं के संरक्षण में अवैध अस्पताल चल रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि स्वास्थ्य विभाग अवैध

क्लीनिक, पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों पर विशेष कृपा कर रहा है उसके एवज में अवैध क्लीनिक पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों द्वारा एक तय राशि हर महीने स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को जाता है जिसमे जिले के नोडल अधिकारी भी शामिल है इतनी कृपा के एवज में स्वास्थ्य विभाग अवैध क्लीनिक पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों को आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ करनें का अधिकार देती है। प्रदेश सरकार के जीरो टार्लेस की नीति को ताक पर रखकर हौसला बुलंद अवैध क्लीनिक पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टर आए दिन लोगों के जीवन को खतरे में डालकर इलाज कर रहे हैं स्वास्थ्य विभाग मुख्यमंत्री के जीरो टार्लेस की नीति को ठेंगा दिखाते हुए धड़ल्ले से अवैध क्लीनिक पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों पर मेहरबान है। नगवां के बैनी मार्केट से खलियारी तक अवैध क्लीनिक, पैथालॉजी और झोला छाप डॉक्टरों की भरमार है जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई जिसमे सीएमओ सोनभद्र ने नोडल अधिकारी कीर्ति आजाद बिंद को जांच सौपी जांच अधिकारी द्वारा फर्जी झूठी आख्या लगाई गई जिसमे लिखा गया की मेरे द्वारा जांच कर किलनिकों को सील कर दिया गया है अगर वे दुबारा क्लीनिक संचालित करते पकड़े गए तो वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन नोडल अधिकारी कीर्ति आजाद बिंद के इस कार्यवाही को ठेंगा दिखाते हुए आज भी वो क्लीनिक प्रतिदिन संचालित हो रही है जो स्वास्थ्य विभाग के करनी और कथनी में अंतर को दशार्ती है। जब इस फर्जी झूठी आख्या लगाने के बारे में सीएमओ सोनभद्र से सेल फोन पर वार्ता किया गया तो उन्होंने ने शिकायतकर्ता से क्लीनिक खुले होने का प्रमाण मांगने लगे उनका कहना है कि खुले हुए क्लीनिक का फोटो लेकर सीएमओ ऑफिस आकर दिखाएं। लोगों ने जिलाधिकारी सोनभद्र से पूरे प्रकरण की जांचकर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई : थाईलैंड भागने की फिराक में था पकड़ा गया कफ सीरप तस्करी का माफिया भोला जायसवाल

सोनभद्र पुलिस द्वारा कोलकाता से ट्रांजिट रिमांड पर की गई गिरफ्तारी

ब्यूरो चीफ / समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद पुलिस ने कफ सीरप तस्करी के मास्टरमाइंड भोला प्रसाद जायसवाल को कोलकाता से गिरफ्तार किया है।आरोपी अपने पूरे परिवार के साथ थाइलैंड भागने की तैयारी में था।उसे ट्रांजिट रिमांड पर सोनभद्र लाया गया है।भोला प्रसाद जायसवाल ड्रग माफिया शुभम जायसवाल का पिता है।

पुलिस अधिक्षक अभिषेक बर्मा ने आज पत्रकारों के सामने इसका खुलासा पुलिस लाइन मे किया।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि भोला प्रसाद जायसवाल, पुत्र रामदयाल, निवासी ए-924/जे, कायस्थ टोला,प्रहलाद घाट, आदमपुर, जनपद वाराणसी को उस समय पकड़ा गया जब वह विदेश भागने की फिराक में था। गिरफ्तारी के बाद कोलकाता में ट्रांजिट रिमांड के लिए न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद उसे सोनभद्र लाया गया। जांच में पता चला है कि भोला प्रसाद जायसवाल मेसर्स शैली ट्रेडर्स,रांची (झारखंड) के माध्यम से कफ सीरप की नकली बिलिंग कर

बड़े पैमाने पर अवैध वितरण कर रहा था। एसआईटी जांच में जनपद भदोही, चंदौली, वाराणसी और सोनभद्र में लगभग 25 करोड़ रुपये के फर्जी लेन-देन का खुलासा हुआ है इनमें से अधिकांश फर्में धरातल पर अस्तित्वहीन पाई गईं और संलिप्त खातों को फ्रीज कर दिया गया है। इस मामले में पूर्व में कई बड़ी बरामदगियां हुई थीं। 18 अक्टूबर 2025 को सोनभद्र में चेकिंग के दौरान दो कंटेनरों से लगभग 3.50 करोड़ रुपये मूल्य की 1,19,675 प्रतिबंधित कफ सीरप की शीशियां बरामद की गई थीं। इसके बाद 1नवंबर 2025 को झारखंड के रांची में 134 पेटी में करोड़ों रुपये की कुल 13,400 अवैध कफ सीरप की शीशियां जब्त की गईं।3/4 नवंबर 2025 की रात को सोनभद्र पुलिस और गाजियाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार ट्रकों से 3.40 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित कफ सीरप और 20 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई थी। ड्रग इंस्पेक्टर राजेश मौर्य द्वारा 29 नवंबर 2025 को थाना रॉबर्ट्सगंज पर विभिन्न धाराओं सहित एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कराया गया था। इसके अलावा ग्राम बरकरा की फर्जी फर्म माँ कृपा मेडिकल एवं मेसर्स शिवक्षा प्रा0 लिमिटेड द्वारा 01अप्रैल 2024 से 23.08.2025 तक 7,53,000 शीशियाँ Phensedyl Syrup अवैध रूप से काले बाजार में खपाई गईं।उक्त संगीन आरोपों के आधार पर सोनभद्र पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भोला प्रसाद जायसवाल की गिरफ्तारी की गई।

धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर हिंदू संगठनों ने काटा बवाल, 'चंगाई सभा' का आयोजन कर धर्मांतरण का आरोप

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बभनौली गांव में धर्म परिवर्तन के आरोप का मामला सामने आया है। गांव में सुनील पाल के घर पर एक 'चंगाई सभा' का आयोजन किया जा रहा था, जिसमें पास्टर रामू प्रजापति, उनकी पत्नी रिंकी और एक बाहरी व्यक्ति सहित लगभग एक दर्जन लोग मौजूद थे। सूचना मिलने पर हिन्दू संगठनों के कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर इसका कड़ा विरोध किया और रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभा में मौजूद सभी व्यक्तियों को कोतवाली ले आई। शिकायतकताओं की तहरीर के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला मंत्री शिवम राजपूत ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली थी। जब वे मौके पर पहुंचे, तो धर्म परिवर्तन कराने वाले लोगों द्वारा स्थानीय महिलाओं को आगे कर धमकी दी जा रही थी। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को

सूचना दी। राजपूत ने जोर देकर कहा कि जिले में किसी भी सूरत में धर्मांतरण का खेल नहीं होने दिया जाएगा। वहीं, आरोपी पक्ष की आशा देवी, मंजू और अधिवक्ता आर.सी. भारत ने आरोपों का खंडन किया है। उनका कहना है कि वे अपने घर में प्रभु यीशु की प्रार्थना कर रहे थे और हिंदू संगठन के लोग जबरन उनके घर में घुस आए। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान उन्हें किसी की भी प्रार्थना करने का अधिकार देता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस के माध्यम से हिंदू राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से लगातार ऐसे षड्यंत्र रच रही है, लेकिन उनकी यह मंशा कभी पूरी नहीं होगी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें पास्टर रामू प्रजापति और उनकी पत्नी रिंकी शामिल हैं। पुलिस इन दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई कर रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत गांव पहुंची और सभा में मौजूद सभी लोगों को कोतवाली लेकर गई। पुलिस ने पास्टर रामू प्रजापति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और गांव में तनाव को देखते हुए एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

गांव बाराडांड में ग्राम प्रधान श्री राम इकबाल यादव की अध्यक्षता में एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस मनाया गया

ब्यूरो समाज जागरण

खलियारी/ सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर एस.बी.आई. फाउंडेशन के सहयोग से प्रयत्न संस्था द्वारा एस.बी.आई. संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स परियोजना के तहत सोनभद्र जिले के नगवा ब्लॉक के बाराडांड गांव में जागरूकता गतिविधि का आयोजन ग्राम प्रधान राम इकबाल यादव की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें 39 महिलाओं एवं 79 पुरुषों सहित 118 लोगों की भागीदारी रही तथा कार्यक्रम में उपस्थित 2 दिव्यांजनों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर परियोजना अधिकारी सुन्दर सिंह ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक एवं सांस्कृतिक

जीवन में मान सम्मान, समानता और भागीदारी दिलाना है तथा दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है इसके अलावा अन्य लोगों को भी दिव्यांगता के प्रति जागरूक करना है ताकि वो लोग भी दिव्यांगजनों के अधिकारों को समझें और उनके प्रति दया एवं सहयोग की भावना रखें। इसके अलावा योजनाओं का लाभ लेने हेतु जिले पर जाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने जोर दिया और जानकारी देते हुए बताया कि आज सरकार एवं विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु दिव्यांग पेंशन योजना, कृत्रिम अंग /सहायक उपकरण योजना, सुगम यात्रा हेतु आरक्षित सीट / ट्रेनों में रिजर्व विशेष कोच, शादी प्रोत्साहन योजना, अनुदान एवं कौशल विकास योजना एवं शिक्षा हेतु विशेष विद्यालयों का संचालन कर उनको लाभान्वित कर रही है। पहले रुड़ीवादी सोच के लोग दिव्यांगजनों को समाज पर बोझ मानते थे लेकिन आज दिव्यांजन राज्य, देश एवं विश्व स्तर खेल, संगीत, गायन, दौड़भाग एवं अन्य प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर अपने परिवार, देश, समाज का नाम रोशन कर रहें है। आगे जोड़ते हुए फार्मासिस्ट सुधाकर प्रजापति ने लोगों से बच्चों का समय पर सम्पूर्ण टीकाकरण एवं आवश्यक जाँच आदि कराने हेतु प्रेरित किया तथा शिशु में दिव्यांगता सम्बंधित कोई भी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में सम्बंधित चिकित्सक से परामर्श एवं इलाज करवाना चाहिए। परियोजना अधिकारी सुन्दर सिंह ने जोड़ते हुए कहा कि प्रयत्न संस्था नगवा ब्लॉक के 20 चयनित गाँवो में रइक संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स परियोजना के तहत स्वास्थ्य सेवा के साथ साथ विभिन्न गंभीर बीमारियों के प्रति आमजन को बचाव हेतु ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों, आशओं, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं अन्य हितधारकों के साथ मिलकर जागरूक करने का कार्य कर रही है। ग्राम प्रधान श्री राम इकबाल यादव ने एसबीआई फाउंडेशन और प्रयत्न संस्था का आभार व्यक्त करते हुए इस कार्य में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी सुन्दर सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ यश शर्मा,फार्मासिस्ट सुधाकर प्रजापति, लैब टेक्निशियन आशीष कुमार विश्वकर्मा, स्टॉफ नर्स श्रीमती सुनैना, टटव पायलट धर्मेन्द्र कुमार एवं आशा वर्कर रोहिणी देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थाना कोन पुलिस ने फरार चल रहे 01 नफर वांछित/वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ब्यूरो समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में वांछित/वारण्टी व अपराधियों की गिरफ्तारी एवं अपराध के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट

पर्वेक्षण में थाना कोन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 222/2025 धारा 76, 64(1), 351(3) बीएनएस व धारा 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त निर्देश कुमार पुत्र मुन्नीलाल कन्नौजिया निवासी खेमपुर थाना कोन जनपद सोनभद्र, को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेज गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र मगुराही का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा उत्पादित उन्नतशील प्रजाति के बीजों का किये निरीक्षण

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने आज कृषि विज्ञान केन्द्र मगुंराही सोनभद्र का औचक निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान जिला धिकारी ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा उत्पादित उन्नतिशील प्रजाति के बीजों का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीज शोधन के सम्बन्ध में किये जा रहे प्रयोग के सम्बन्ध में कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त किये, इस दौरान उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र में मछली प्रदर्शन इकाई, वर्ष भर उपलब्ध रहने वाले चारा इकाई के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थी कृषक द्वारा तैयार किये गये ढिंगरी व बटन मशरूम के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त किये, इस दौरान उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र से उत्पादित बीज तथा फार्म हाउस में बोवाई हेतु रखे गये उन्नतिशील प्रजाति के बीजों का भी निरीक्षण किये, इस दौरान उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों से कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र पर बाउण्ड्रीवाल, सड़क, गेट व प्रशिक्षण हाल के निर्माण कराये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें, जिससे कि जनपद के कृषक बन्धुओं को कृषि विज्ञान केन्द्र पर उच्च स्तरीय सुविधा प्राप्त हो सकें। कृषि विज्ञान के वैज्ञानिकों द्वारा नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकीय विश्व विद्यालय द्वारा चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाएं प्राकृतिक खेती, फर्मेन्टेड अर्गेनिक, मैनुवल के बारे में अवगत कराया गया, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ0 रश्मि सिंह द्वारा बताया गया कि नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकीय विश्व विद्यालय द्वारा सोनभद्र के आदिवासी जनजातीय समाज के कृषकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी श्री वीरेन्द्र कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 अजय मिश्रा, एल0डी0एम0 श्री साल्वे वागे, भूमि संरक्षण अधिकारी श्री के0के0 सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 रश्मि सिंह, डॉ0 संजीव राय, डॉ0 अवनीश राय, डॉ0 संजीव राय एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने दिव्यांग दिवस पर किया जागरूक और प्रोत्साहित

-यह दिवस दिव्यांगो को समाज, विकास के हर अधिकार और कल्याण को बढ़ावा और राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन को संरक्षित करता है- अपर जनपद न्यायाधीश

समाज जागरण/ अभय कुमार पटेल

सोनभद्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के तत्वावधान में बुधवार 03 दिसम्बर 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का आयोजन किया गया। बचपन डे केयर सेंटर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से संचालित बचपन डे केयर सेन्टर, एल-2 हास्पिटल भवन लोढ़ी सोनभद्र में विधिक जागरूकता शिविर एवं उत्साह संवर्धन कार्यक्रम अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र शैलेन्द्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी एवं बचपन डे केयर सेन्टर के समन्वयक राहुल कुमार सिंह एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

सचिव श्री यादव ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की जानकारी देते हुए बताया गया कि यह दिवस समाज और विकास के हर स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं में दिव्यांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है, जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया जाता है, ताकि वे समाज में दूसरों के साथ पूरी तरह समान रूप से और प्रभावी रूप से भाग ले सके और अपने जीवन के सभी पहलुओं में किसी भी बाधा का सामना न करें। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि कई बच्चों में जन्म के साथ हाथ-पैर या शरीर के किसी हिस्से में समस्या होती है। ऐसे बच्चों को स्पेशल चाइल्ड या दिव्यांगता की कैटेगरी में रखा जाता है। दिव्यांग व्यक्तियों को बराबरी के मौके देने और उनके अधिकारों को बनाए

रखने के लिए हर साल 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य है कि विकलांग लोगों को शिक्षा, काम, स्वास्थ्य सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में आसानी सा भागीदारी दी जा सके और हर जगह समान रूप से उन्हें शामिल किया जा सके।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि बचपन डे केयर सेन्टर का मुख्य उद्देश्य 03 वर्ष से 07 वर्ष तक के मूक बधिर दृष्टिबाधित एवं बौद्धिक अक्षमता के बच्चों हेतु निःशुल्क रूप से प्रशिक्षित विशेष शिक्षकों के माध्यम से निःशुल्क शिक्षण प्रशिक्षण, स्पीच थेरेपी, फिजियो थेरेपी, बच्चों को घर से लाने व ले जाने हेतु वाहन की सुविधा, स्वादिष्ट एवं पौष्टिक मध्यान्ह भोजन, प्रत्येक 03 माह पर स्वास्थ्य परीक्षण, कॉपी, किताब, स्टेशनरी, बैग, यूनिफार्म की सुविधा, स्वच्छ पेयजल हेतु वाटर प्यूरीफायर, मनोरंजन हेतु उपयुक्त खेल संसाधन, बच्चों हेतु आवश्यक निःशुल्क सहायक उपकरण, भयमुक्त वाता वरण में शिक्षण सहायक सामग्री के साथ प्रशिक्षण, प्रोजेक्टर के माध्यम से डिजिटल क्लास की सुविधा श्रवण बाधित बच्चों के लिए ग्रुप हियरिंग ऐड के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण दिया जाना है।

इसके अलावा नालमा स्कीम, नशे से होने वाली बीमारियों तथा मद्य निषेध के संबंध में, महिलाओं के कल्याण के लिए बने कानूनों, उपभोक्ताओं के अधिकार एवं इसके लिए बनाये गये उपभोक्ता फोरम की कार्य प्रणाली तथा वृद्धजनों को विधिक सेवा देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उठाये गये प्रवासों के संबंध में जागरुक किया। यह जानकारी शैलेन्द्र यादव अपर जनपद न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गयी।

सुरक्षा निदेशों को दरकिनार कर हो रहा था खनन, महानिदेशालय ने कराया बंद

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी का क्रशर परिवहन जैसे ही चालू हुआ। क्षेत्र में पट्टेदारों में खुशी की लहर दौड़ी की मानों मौत के सौदागरों को यमराज का राजभवन मिल गया हो। वही भारत सरकार मंत्रालय श्रम एवं रोजगार , खान सुरक्षा निदेशालय द्वारा कार्य सूचनाओं के माध्यम से अवगत कराते हुए प्रभावित कर दिया गया। खान सुरक्षा महानिदेशालय वाराणसी क्षेत्र वाराणसी द्वारा जारी पत्र एस 290/3 दिनांक 2/12/2025 के द्वारा लगभग 37 खादानों को सुरक्षा मानक की अवहेलना में बंद कर दिया गया। जारी पत्र मिलते ही खनन क्षेत्र में सन्नाटा छा गया। वही यूनियन द्वारा प्रदेश सरकार के राजस्व व पट्टेदारों की सुध लेने बातें सामने आने लगी। खान सुरक्षा निदेशक वाराणसी क्षेत्र वाराणसी ने जिलाधिकारी सोनभद्र को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया कि जनपद सोनभद्र, तहसील ओबरा, ग्राम बिल्ली मारकुण्डी, के स्वीकृत डोलो स्टोन / पत्थर खदानों में इस निदेशालय के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया था, जिसके दौरान धात्विक खान विनियम, 1961 का गंभीर उल्लंघनों के लिए खान अधिनियम, 1952 की धारा 22 (3) एवं 22अ (2) के तहत आदेश अधिसंचित किया गया है और कार्यवाही हेतु इसकी सूचना आपके कार्यालय को भी प्रदान की गयी है।उक्त उल्लंघनों के अनुपालन करने के लिए वर्तमान में भी खदान मालिकों को सुधार की योजना ((Scheme of rectification) एवं अद्ययति खान का नक्शा update mine plan) 15 दिनों के अंदर जमा करने हेतु पत्र भेजा गया था, जिसकी प्रतिलिप आपके कार्यालय में भेजी गयी थी, परंतु अब तक किसी भी खदान मालिक द्वारा (Scheme of rectification) एवं (update mine plan) जमा नहीं किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि खादान मालिक उल्लंघनों के निराकरण के प्रति गंभीर नहीं हैं। खनन पट्टेधारकों द्वारा उक्त उलंघन का पूर्ण अनुपान हेतु ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। तथा खदान में सुधार हेतु योजना, उसके अनुमोदन एवं अनुपालन हेतु व्यवस्था नहीं कर ली जाती है तथा इस निदेशालय द्वारा सुधार की योजना के अनुरूप कार्य संचालित करने हेतु आदेश जारी नहीं किया जाता है तब तक खदान का खनन कार्य पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। खनिज का परिवहन बंद रखा जाए। यह खदान में काम कर रहे श्रमिकों के सुरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है।

भूतहिया पुलिया झाडी में अज्ञात शव मिलने क्षेत्र में मचा सनसनी

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। थाना हाथीनाला क्षेत्र के रेणुकूट मार्ग स्थित झरिया मोड भुतहिया पुलिया के पास झाड़ी मे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलते ही आसझपास सनसनी मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को हाथीनाला थाना क्षेत्र के रेणुकूट मार्ग स्थित झरिया मोड भूतिया पुल के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव झाड़ियों में पड़ा मिला।

सूचना मिलते मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आस-पास के क्षेत्र में शव की पहचान में जुट गई। पुलिस से मिली जानकारी मुताबिक शव किसी अज्ञात मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति की बताई जा रही है जिसका हुलिया सावला रंग इकहरी मजबूत जिस्म दाहिने हाथ में रक्षा व गर्दन में लाल रंग का रक्षा धागा व मटमैला कलर का टीशर्ट और अंदर उजले रंग का बनियान व कत्थई रंग का जांघिया पहने हुए मिला, चेहरा लंबा व सफेद हल्की दाढ़ी है।

स्थानीय पुलिस शव को कब्जे लेकर शिनाख्त व पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुटी है।

परिवार नियोजन मेले से जनजागरूकता को नया बल - स्वस्थ परिवार से स्वस्थ समाज की दिशा में जिले की पहल

सदर अस्पताल प्रांगण में जिला स्तरीय आयोजन, सिविल सर्जन ने बताया - स्थिर जनसंख्या भविष्य की सुरक्षा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

जिले में जनसंख्या स्थिरता को लेकर जागरूकता बढ़ाने और परिवार नियोजन सेवाओं को जनझजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज सदर अस्पताल प्रांगण में जिला स्तरीय परिवार नियोजन मेले का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने मेले का उद्घाटन किया तथा मीडिया के साथ सरकार की मंशा, परिवार नियोजन की आवश्यकता और जिले की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम में जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. उर्मिला कुमारी, जिला संक्रामक रोग पदाधिकारी डॉ. मंजर आलम, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार, उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन, डीपीएम डॉ. मुनाजिम, डीपीसी विश्वजीत कुमार, पीएसआई केश्रीनाथ साह सहित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सरकार की दृष्टि: छोटा परिवार - बड़ा सुख से सशक्त समाज की नींव

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या का दबाव केवल स्वास्थ्य सेवाओं पर नहीं, बल्कि शिक्षा, पोषण, रोजगार और सामाजिक विकास पर भी गहरा प्रभाव डालता है। सीमावर्ती किशनगंज में यह चुनौती और संवेदनशील हो जाती है।डॉ. चौधरी ने कहा, परिवार नियोजन केवल चिकित्सा कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को मजबूत बनाने का माध्यम है। जब दंपति छोटे परिवार की अवधारणा अपनाते हैं, तभी हम बच्चों को बेहतर शिक्षा, माताओं को सुरक्षित मातृत्व और युवाओं को अधिक अवसर प्रदान कर पाते हैं। इस कार्य में मीडिया के साथ हमारे सहयोगी संस्था पीएसआई एवं सिफार का सहयोग हमेशा रहा है।

पुरुष भागीदारी पर जोर - भ्रांतियों से बाहर आने की आवश्यकता

मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. चौधरी ने कहा कि परिवार नियोजन के क्षेत्र में पुरुषों की भूमिका अभी भी बेहद कम है।उन्होंने कहा, पुरुष नसबंदी एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी उपाय है, लेकिन भ्रांतियों के कारण पुरुष आगे नहीं आते। जब तक पुरुष जिम्मेदारी साझा नहीं करेंगे, तब तक जनसंख्या स्थिरता का प्रयास अधूरा रहेगा।सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन ने कहा कि वर्तमान में गर्भनिरोधक साधनों का बोझ मुख्यतः महिलाओं पर है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर दबाव बढ़ता है। उन्होंने पुरुषों की भूमिका को अनिवार्य बताते हुए भ्रांतियों को दूर करने की अपील की।

गांवों में जानकारी और परामर्श की कमी - एक बड़ी चुनौती

जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी गर्भनिरोधक साधनों की जानकारी सीमित है।उन्होंने कहा कि अंतरा, छाया और कॉपर-टी जैसे साधन महिलाओं को सुविधा और विकल्प प्रदान करते हैं, लेकिन सही जानकारी न होने से लाभ नहीं मिल पाता।गैर-संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. उर्मिला कुमारी ने कहा कि लगातार गर्भधारण से एनीमिया, ब्लड प्रेशर और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।परिवार नियोजन महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार और मातृ मृत्यु दर कम करने का महत्वपूर्ण साधन है।

गरीब परिवारों तक सेवाओं और प्रोत्साहन राशि पहुंचाना प्राथमिकता

जिला योजना समन्वयक विश्वजीत कुमार ने बताया कि कई परिवार आर्थिक कारणों से सेवाओं का उपयोग नहीं करते, जबकि सभी सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पुरुष नसबंदी पर 3000, महिला नसबंदी पर 2000, और अंतरा-कॉपर-टी पर 100-300 की प्रोत्साहन राशि सीधे लाभुकों को दी जाती है। डॉ. चौधरी ने बताया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों सहित हर गांव में आशा द्वारा काउंसलिंग, ग्राम चौपाल और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से संदेश पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब अधिक पुरुष स्वेच्छा से आगे आ रहे हैं, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण - झिझक तोड़ें, जानकारी पहुँचाएँ

सिविल सर्जन ने मीडिया से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जब मीडिया जिम्मेदारी से संदेश देता है, तो लोगों की झिझक टूटती है और भरोसा बढ़ता है। परिवार नियोजन को हर नागरिक अपने अधिकार और सम्मानजनक निर्णय के रूप में स्वीकार करे, यही हमारी कोशिश है।उन्होंने बताया कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के अंतर्गत जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क नसबंदी, कॉपर-टी, अंतरा, गर्भनिरोधक गोलियाँ और परामर्श उपलब्ध हैं।अंत में उन्होंने सभी योग्य दंपतियों से अपील की कि आगे आएँ और छोटा परिवार, बड़ा सुख के सपने को साकार करें।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर मंगलवार को किशनगंज अस्पताल मे एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटीस जिला इकाई किशनगंज के तत्वाधान मे एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकों, पैराझ मेडिकल स्टाफ, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) सचिव द्वारा की गई, जिसमें मुख्य वक्ता मनिंद्र प्रसाद उर्फ पप्पू ने उपस्थित जनसमूह को ठअछरअ एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं, अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार एवं न्याय विभाग द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी समाज में सकारात्मक परिवर्तन और कुप्रथाओं के उन्मूलन पर अपने विचार साझा किए।

दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं, मेडिकल सुविधाओं और सामाजिक अधिकारों पर चर्चा की। कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अस्पताल की नर्सिंग छात्राओं और अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता दिखाई।

अंत में कार्यक्रम का औपचारिक समापन डिप्टी सीएमओ डॉ. अनवर हुसैन के संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, उन्हें सम्मानजनक जीवन और समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को जागरूकता फैलाने और सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुँचाने का आह्वान किया।

अस्पताल के राणा अविनाश जी ने दिव्यांग साथियों को अपना यू डी आई दी कार्ड बनाने में भरपूर सहयोग देने का वादा किया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के इस आयोजन ने सामाजिक समावेश, अधिकार संरक्षण और सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।

एसोसिएशन ऑफ पर्सन विथ डिसएबिलिटीस के सदस्यगण जिला अध्यक्ष मनिंद्र प्रसाद उर्फ पप्पू ,जिला सचिव श्याम गुप्ता और जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप प्रधान, सैदुल, कदम लाल सिंह, नौशाद के साथ जिले भर से आए दिव्यांग साथीगण उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़नेवाले बच्चों को होगी विद्यालयों में नामांकन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ आंगनबाड़ी केंद्रों में नर्सरी से यूकेजी तक पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाई पूरी होने पर प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस प्रमाणपत्र के आधार पर वे सीधे किसी भी स्कूल में पहली कक्षा में प्रवेश पा सकेंगे। बिहार सरकार ने राज्य के 15 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी की पढ़ाई को मान्यता दे दी है। वर्ष 2025-26 से यह व्यवस्था सभी जिलों में लागू हो चुकी है। इसके लिए महिला एवं बाल विकास निगम ने एक मानकीकृत पाठ्यक्रम भी तैयार किया है, ताकि बच्चों को शुरूआती शिक्षा एकसमान रूप से मिल सके। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत लिया गया है, जिसमें प्रारंभिक शिक्षा को आंगनबाड़ी केंद्रों से ही मजबूत करने पर जोर दिया गया है। इस बदलाव के बाद आंगनबाड़ी केंद्र अब प्ले स्कूल की तरह कार्य करेंगे। सरकार ने घोषणा की है कि वर्ष 2026 से आंगनबाड़ी में यूकेजी की पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों को ईसीसीई प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाणपत्र पांच से छह वर्ष की आयु वाले बच्चों को दिया जाएगा, जिन्हें आगे पहली कक्षा में प्रवेश दिलाने के लिए उपयोग किया जाएगा।पहले चार अंक संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र का कोड, अगले चार अंक बच्चे की अपार आईडी के अंक, अंतिम दो अंक प्रमाणपत्र जारी होने का वर्ष यह आईडी सिस्टम बच्चों की पढ़ाई से जुड़े रिकॉर्ड को संरक्षित रखने और आगे ट्रैक करने में मदद करेगा।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सभी आईसीडीएस निदेशालयों को निर्देश जारी किए हैं कि बच्चों की जानकारी डिजिटल रूप में राज्य स्तर के निगम को भेजी जाए। इससे हर बच्चे का शैक्षणिक रिकॉर्ड एक केंद्रीकृत प्रणाली में दर्ज रहेगा और भविष्य में स्कूल प्रवेश प्रक्रिया आसान हो जाएगी। यह व्यवस्था पारदर्शिता और सुचारु डेटा प्रबंधन को ध्यान में रखकर बनाई गई है।अब तक कई माता-पिता को अपने बच्चों को नर्सरी या एलकेजी के बाद प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन के लिए संघर्ष करना पड़ता था। कई सरकारी स्कूल भी आंगनबाड़ी की शिक्षा को औपचारिक रूप से नहीं मानते थे। लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी। प्रमाणपत्र के साथ बच्चों को सीधे पहली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। इससे प्रवेश प्रक्रिया की जटिलता कम होगी और समय तथा संसाधन दोनों की बचत होगी।

कार से 774 बोतल शराब बरामद तस्कर फरार जांच में जुटी पुलिस

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

कुटुंबा (बिहार) औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र एक कार से बड़ी मात्रा में देशी शराब और बियर की बोतले बरामद हुई है वही शराब तस्कर कार को छोड़कर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक लावारिश स्विफ्ट डिजायर कार से तलाशी के दौरान 30 कार्टन देशी शराब और 1 कार्टन गॉड फादर बीयर बरामद की है। कुल 774 बोतल शराब बरामद की गई है, जिसकी कुल मात्रा 237 लीटर है। यह कार्रवाई रात करीब 11 बजे राधास्वामी मंदिर, दोस्ताना गांव के पास एनएच पर की गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और तस्कर की तलाश की जा रही है

टंडवा थाना परिसर में मनाया गया शहीद दिवस दी गई श्रद्धांजलि

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर प्रखंड के टंडवा थाना परिसर में बुधवार को शहीद दिवस सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तत्कालीन शहीद पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।थानाध्यक्ष अजय बहादुर सिंह ने कहा कि शहीद अजय कुमार की शहादत पूरे पुलिस विभाग और समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान करना सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संकल्प है। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने शहीद के जीवन, उनकी सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए कहा कि शहीदों की शहादत को सदैव याद रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मौजूद जवानों ने देश और समाज की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प भी दोहराया। मौके पर एस आई निधि कुमारी, ए एस आई रघुनंदन अभिषेक, ए एस आई रूपेश कुमार सिंह, ए एस आई राजीव कुमार,,चांदनी कुमारी, आभा देवी,सहित कई जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक एवं पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

दो बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर प्रखंड के बड़ेम थाना क्षेत्र के उदार्ना मोड़ के समीप दो बाइक की टक्कर में उदार्ना गांव निवासी 45 वर्षीय मनोज यादव पिता देवनन्दन यादव की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया है।पुलिस ने बाइक जप्त कर थाना ले गई।थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया गया है।उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि मनोज यादव बाइक से जा रहे थे, तभी दूसरी बाइक से टक्कर हो गई, जिससे उनकी मौत हो गई ।इधर हादसे के बाद परिजनों के बीच हाहाकार मच गया है।

एनएच-33 पर खड़ी इनोवा को ट्रक ने मारी टक्कर, दो घायल; अव्यवस्थित पार्किंग बन रही हादसों का कारण

पंकज कुमार पाठक,संवाददाता पदमा, दैनिक समाज जागरण

पदमा-पदमा ओपी क्षेत्र के इटखोरी मोड़ के समीप एनएच-33 पर खड़ी इनोवा कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर लगते ही इनोवा आगे खड़े एक अन्य ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में इनोवा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि उसमें सवार दो लोगों को मामूली चोटें आईं।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा। साथ ही क्षतिग्रस्त इनोवा को सड़क से हटाकर थाने ले जाया गया, जिससे यातायात बहाल किया जा सका।गौरतलब है कि इसी सोमवार की शाम ओपी के समीप खड़ी एक ट्रेलर में बरही से हजारीबाग जा रही कुशवाहा बस ने टक्कर मार दी थी, जिसमें बस के दो यात्री घायल हुए थे।स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-33 किनारे स्थित ढाबों व गैराजों के सामने बेतरतीब तरीके से खड़े ट्रक और सड़कों पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। पुलिस व प्रशासन से इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

जेएसएलपीएस के सदस्यों ने किसान पंजीकरण को लेकर किया बैठक

भुनेश्वर कुमार महातो, संवाददाता - समाज जागरण

बेरमो / डुमरी : डुमरी विधानसभा क्षेत्र नावाडीह प्रखण्ड के ऊपरघाट स्थित बरई पंचायत हरलाडीह दुर्गा मंडप प्रांगण में बुधवार को भलमारा क्लस्टर की और से जेएसएलपीएस के सदस्यों ने किसान पंजीकरण को लेकर किया बैठक । उपस्थित सदस्यों ने बताया कि जो दीदी पशुपालन कर रही है और पशुपालन को बढ़ा कर अपनी आजीविका करना चाहती हैं उसे भी जेएसएलपीएस के प्रयास से मुद्रा लोन दिलाने में महत्पूर्ण योगदान दिया जाएगा और आजीविका बढ़ाया जाएगा । बरई पंचायत में जल्द ही आईएफसी के अंतर्गत लेयर बर्ड का फॉर्म बनवा लेयर बर्ड पालन कर आजीविका बढ़ाया जाएगा साथ ही बरई में एक मशीन गेहूं, सरसों या मकई , पीसने वाला मशीन भी लगवाया जाएगा जिससे महिला खुद आत्मनिर्भर होगी। वही ब्लॉक रिसॉर्स पर्सन लाइवलीहुड दीपू अग्रवाल ने कहा कि जिस ग्रामीण क्षेत्र में हम सब अपना जीवन जी रहे है। इस क्षेत्र में हर घर की महिला कृषि और पशुपालन पे ही अपनी आजीविका करती है । इसलिए हर घर से समूह की दीदी को कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसान पंजीकरण करने की आवश्यकता है । जो दीदी पंजीकरण करेगी उसे प्रत्येक वर्ष के होने वाले खेती के लिए विशेष छूट दे कर अनेकों प्रकार के बीज उपलब्ध करवाया जाएगा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जियां का उत्पादन बढ़ेगा और हर दीदी की आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया की बरई पंचायत के बरई, जुड़ामना , घोसको और हरलाडीह क्षेत्र में ब्लॉक एंकर इंदिया देवी और आजीविका कृषक मित्र सुनीता देवी, यशोदा देवी के द्वारा पंजीकरण किया जा रहा है। जेंडर सीयारपी संजू देवी ने कहा कि क्षेत्र से दहेज प्रथा , डायन, ऐड्स के बारे में महिलाओं को अच्छे से समझाई। मौके पर अनीता देवी, प्रतिभा देवी, बबीता देवी, सबिता देवी, नमिता देवी, सुगिया देवी, प्रियंका देवी, बिना देवी, सोनी देवी, शिला देवी, सुनीता देवी, हेमंती देवी उपस्थित थी।

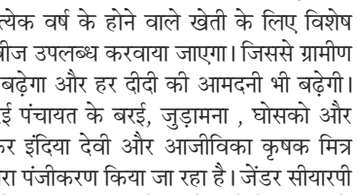

दलित सेना संस्थापक राम विनय पासवान की 22वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ,कोल्हान

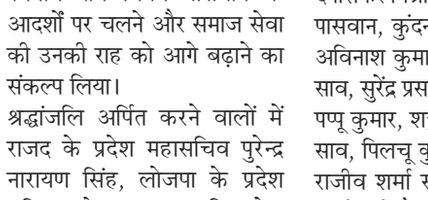

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 3 दिसंबर 2025 : आदित्यपुर में बुधवार को दलित सेना के संस्थापक और राष्ट्रीय महासचिव रहे स्वर्गीय राम विनय पासवान की 22वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कोल्हान के गरीब, शोषित और वंचित समुदाय की आवाज बनकर जीवन भर संघर्ष करने वाले राम विनय पासवान को स्थानीय लोगों ने नम आंखों से याद किया। कार्यक्रम आदित्यपुर थाना रोड स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राम विनय पासवान ने सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को हमेशा प्राथमिकता दी। के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामजी प्रसाद, कांग्रेस नेता सुरेश धारी, वरिष्ठ नागरिक रविन्द्र नाथ चौबे, पांडी मुखी, खिरोद सरदार, सावन गुप्ता सहित कई सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में दीपक भंडारी (प्रदेश सचिव, युवा प्रकोष्ठ), अभिषेक आनंद (जिला अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ), भाजपा नेत्री सुनीता पासवान, नेत्री गीता गोप, चिराग पासवान फैंस क्लब के संरक्षक दयाशंकर मिश्रा, अनिल मुखी, संतोष पासवान, कुंदन थापा, गोपी महांती, अविनाश कुमार, राणा रावत, सदन साव, सुरेंद्र प्रसाद, अजय श्रीवास्तव, पप्पू कुमार, शत्रुधन कालिंदी, नीरज साव, पिलचू कुम्हार, अशोक साव, राजीव शर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदित्यपुर राजस्व ग्रामों के नाम से 'बस्ती' शब्द हटाने को लेकर झामुमों ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण,ब्यूरो चीफ, कोल्हान

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 3 दिसंबर 2025: आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों और राजस्व ग्रामों के नामकरण की प्रक्रिया में बदलाव को लेकर झामुमों ने एक महत्वपूर्ण मांग उठाई गई है। झामुमों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आदित्यपुर महानगर सचिव कृष्ण चंद्र महतो के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों और रैयतों की ओर से नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कहा कि क्षेत्र के मूल निवासियों और जमीन दानदाताओं को उचित सम्मान दिया जाए।

सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर नगर निगम का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। पहला और सबसे भावुक मुद्दा राजस्व ग्रामों के नाम के साथ 'बस्ती' शब्द के प्रयोग का है। राजस्व ग्रामों की अपनी ऐतिहासिक पहचान है, और उनके नाम के आगे 'बस्ती' लगाना सम्मानजनक नहीं लगता। इसलिए, सरकारी दस्तावेजों और व्यवहार में राजस्व ग्रामों के मूल नामों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में भूमि अधिग्रहण और विकास कार्यों में खतियानी रैयतों के योगदान को रेखांकित किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्य मुख्य रूप से चार प्रकार की भूमियों पर होते हैं–हाउसिंग बोर्ड, झारखंड सरकार की अनावाद भूमि, वन विभाग और खतियानी रैयत भूमि। रैयतों का तर्क है कि जब निजी (खतियानी) भूमि का उपयोग जनहित में सड़क या भवन निर्माण के लिए किया जाता है, तो यह एक प्रकार का 'दान' है।यह मांग की गई है कि नगर निगम के अमीन द्वारा उन सड़कों और भवनों को चिह्नित किया जाए जो रैयती जमीन पर बनी हैं। इन संरचनाओं का नामकरण उन खतियान धारियों,भूमि मालिकों के नाम पर किया जाना चाहिए। इससे न केवल दानदाताओं को अपनी भूमि के जनहित में उपयोग पर गर्व महसूस होगा, बल्कि यह कदम झारखंडी अस्मिता और खतियानी रैयतों के प्रति प्रशासन के सम्मान को भी दर्शाएगा। इस मौके पर झामुमों के प्रतिनिधिमंडल में जगदीश महतो, रविंद्र बास्के, अभि मुखी, शंकर मुखी, डोनाल्ड मंगल, मंगल माझी, शिव लोहार ,राहुल मुखी आदि मौजूद थे।

फरार अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तहार।

समाज जागरण सत्येंद्र चौरसिया

पलामू (झारखंड)नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या 26/24 के फरार अभियुक्त शशिकांत जी उर्फ उदेश जी पिता हीरा सिंह ग्राम केदल थाना मनातू जिला पलामू के घर पर छापामारी गिरफ्तारी हेतु नौडीहा बाजार थाना एवं मनातू थाना के पुलिस पदाधिकारी के द्वारा विधिवत छापामारी किया गया । फरार रहने की स्थिति में इनके घर पर विधिवत रूप से इश्तहार चिपकाया गया है । एक माह अंदर उक्त अभियुक्त आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो कुर्की जप्ती की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि लोक सभा चुनाव 2024 के समय उग्रवादी संगठन TSPC के द्वारा ग्राम सलैया में ग्रामीणों के साथ मारपीट के घटना को अंजाम दिया गया था। इस कांड में कई अभियुक्त की पहले जेल भेजा जा चुका है।

महागामा प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष सचिव से वार्ता किया

समाज जागरण मनोज कुमारसाह

गोड्डा दिनांक 3.12.2025 बुधवार को महागामा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी सोना लाल हासदा जी के अध्यक्षता में सभी राजनीतिक दलोके प्रखंड अध्यक्ष सचिव के साथ मतदान केंद्र के रिलेशन के संबंध में बैठक की गई इस बैठक में मतदान केंद्र संख्या 344 डी ए वी पब्लिक स्कूल ऊर्जा नगर दाया भाग में 327 मतदाता रहने एवं कम मतदान होने के कारण मतदान केंद्र संख्या 342 बायां भाग मै विलय करने का प्रस्ताव पारित किया गया उद्योग हस्ताक्षरी के द्वारा महागामा प्रखंड 14 मतदाता केंद्र में 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केंद्र के बी एल ओ एवं संबंधित बीएलओ एवं पर्यवेक्षक से बारी बारी से सभी केंद्र का वार्ता किया गया इस बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जदयू युवा जिला अध्यक्ष मोहम्मद हारुन रसीद प्रखंड अध्यक्ष निर्मल कुमार मोहम्मद अजीमुद्दीन मृत्युंजय सिंह प्रबोध सोरेन मोहम्मद मिनहाज अशोक यादव सुरेश यादव इलेक्शन ऑपरेटर सदानंद बेसरा मुख्य रूप सेउपस्थित थे

विद्या भारती चिन्मय विद्यालय का 40वी वार्षिक एथलेटिक मीट आयोजित

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

पूर्वी सिंहभूम एवं जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा आज विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर समाहरणालय स्थित सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. इरफान अंसारी, मंत्री, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति तथा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर जुगसलाई विधायक श्री मंगल कालिंदी, उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त श्री नागेन्द्र पासवान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल समेत अन्य उपस्थित थे ।

कार्यक्रम में इस वर्ष की थीम – "Fostering disability inclusive Societies for advancing Social Progress" – के अनुरूप कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित कर दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान एवं सामाजिक प्रगति में उनकी सक्रिय भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में अधिकारियों, दिव्यांगजन प्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लेते हुए दिव्यांगजन-हितैषी नीतियों, अवसरों एवं सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर माननीय मंत्री द्वारा 10 दिव्यांगजनों के बीच ई ट्राई साइकिल का वितरण तथा विभिन्न खेल में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व के लिए दिव्यांगजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। माननीय मंत्री ने कहा कि समाज तभी प्रगतिशील माना जा सकता है जब दिव्यांगजनों के लिए समावेशी वातावरण, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित हो। इसी दिशा में राज्य की सरकार माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड के नेतृत्व में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू कर रही है । उन्होने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याणार्थ कार्य कर रही है। इस दौरान जिला सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिव्यांगता के प्रकार की जानकारी, सहायता प्रावधानों तथा तकनीकी सहयोग से जुड़े विषयों पर भी जागरूक किया गया ।